



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 28, 1976 (फाल्गुन 9, 1897)  
No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 28, 1976 (PHALGUNA 9, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

(पूर्वाह्न) से भ्रमले आदेश होने तक भारत सरकार मुद्रणालय, मिटो रोड, नई दिल्ली के महाप्रबन्धक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० एस० (27)/ए-11—राष्ट्रपति भारत सरकार मुद्रणा-  
लय, नासिक के प्रबन्धक, श्री एस० आर० सेठी को 12-1-76

श० म० जम्भोलकर, मुद्रण निदेशक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक जनवरी 1976

सं० प्र०-6/76 (4)/58-XV—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के आगे लिखी तारीख से भारतीय निरीक्षण सेवा, धातु-रासायन शाखा श्रेणी-1 के ग्रेड-III में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु-रासायन) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :—

| क्रम सं० | नाम                    | वर्तमान पद                                    | पद जिस पर स्थायी हुए                | स्थायी होने की तारीख | अभ्युक्तियां   |
|----------|------------------------|---|-------------------------------------|----------------------|--|
| (1)      | (2)                    | (3)   | (4)                                 | (5)                  | (6)  |
| 1.       | श्री एस० एन० दास गुप्त | उप-निदेशक निरीक्षण (धातु-रासायन) सेवा निवृत्त | सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु-रासायन) | 30-11-67             | सेवा निवृत्त श्री जी० बी० हालवे के स्थान पर।   |
| 2.       | श्री बी० बी० बनर्जी    | उप-निदेशक निरीक्षण (धातु-रासायन)              | वही                                 | 23-12-69             | पूर्ति विभाग द्वारा उनके पद सं० 42/28/68 ई० एस०-II दिनांक 23-12-69 द्वारा अस्थायी पद के स्थायी बनाए जाने पर। |
| 3.       | श्री के० एल० मूर्ति    | वही   | वही                                 | 23-12-69             | वही  |

| (1)                          | (2)  | (3) | (4)    | (5)   | (6) |
|------------------------------|--|-----|--------|---|-----|
| 4. श्री एम० एन० दत्ता गुप्ता | सहायक निदेशक<br>निरीक्षण (धातु-<br>रासायन)<br>सेवा निवृत्त | बही | 1-3-73 | श्री एस० एन० दास<br>गुप्त के स्थान पर<br>जो दिनांक 28-2-72<br>(अपराह्न) से सेवा<br>निवृत्त हुए। |     |

सूर्य प्रकाश,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक

इस्पात और खान मन्त्रालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियन्त्रण

कलकत्ता-700 020, दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० ई० I-12(58)/71—लोहा और इस्पात नियन्त्रक,  
कलकत्ता के कार्यालय में लेखा अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति  
की अवधि समाप्त होने के बाद श्री एस० आर० रायचौधुरी को  
27-11-75 से प्रभावी 110 दिनों का अर्जित अवकाश स्वीकृत  
किया गया है।

2. अवकाश-समाप्ति पर श्री एस० आर० रायचौधुरी की  
सेवायें आपके मूल कार्यालय—ग्राइड और एकाउण्ट निदेशक,  
डाक-तार, भण्डार, कर्मशाला और तार-पड़ताल, कलकत्ता के  
सुपुर्ब कर दी गयी होंगी।

टी० घोष,  
लोहा और इस्पात नियन्त्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-7000 13, दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० 2222 (एस० सी० एन०)/19ए०—श्री सतीश चन्द्र  
नोडियाल को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, सहायक भूवैज्ञानिक  
के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-  
30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-  
40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश  
होने तक 16 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता  
है।

सं० 2222 (एस० एन० यू०)/19ए०—श्री सुरेन्द्र नागराज  
उपाध्ये को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक  
के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-  
30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-  
40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी  
आदेश होने तक, 5 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया  
जाता है।

सं० 2222 (पी० के० आर०)/19ए०—श्री प्रसांतो कुमार  
राय को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक  
के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-  
30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-  
40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी  
आदेश होने तक 24 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया  
जाता है।

सं० 2222 (एस० एस० एस०)/19ए०—श्री एस० एस०  
महसबुदे को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक  
के रूप में 650 रु० मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-  
740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-  
40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी  
आदेश होने तक, 22 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया  
जाता है।

दिनांक 3 फरवरी 1976

सं० 2251 (एम० एस० आर०)/19बी०—खनिज समन्वेषण  
निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से  
परिवर्तन पर श्री एम० एस० रामास्वामी ने भारतीय भूवै-  
ज्ञानिक सर्वेक्षण में, ड्रिलर के पद का कार्यभार उसी क्षमता में,  
3 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

सं० 2251 (एम० एस० सी०)/19बी०—भारतीय भू-  
वैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ खनिक सहायक श्री मेहर सिंह  
चौधुरी को उसी विभाग में, ड्रिलर के रूप में वेतन नियमानुसार  
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०  
रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में,  
आगामी आदेश होने तक, 1-12-1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त  
किया जाता है।

वी० के० एस० वरदान,  
महानिदेशक

भारतीय खान भूरो

नागपुर, दिनांक 27 जनवरी 1976

सं० ए०-19012(47)/72-सं० ए०—राष्ट्रपति श्री  
आर० एम० उमादे को 8 जनवरी, 1976 के अपराह्न से आगामी

आदेश होने तक भारतीय खान न्यूरो में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० के० राघवाचारी,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी  
कृते नियन्त्रक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० फा० 11-17/75-ए०-1—श्री कबीर कौसर, सहायक पुरालेखाधिकारी (पदक्रम 1) (प्राच्य अभिलेख) को दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 से आगामी आदेश तक तदर्थ आधार पर पुरालेखाधिकारी (प्राच्य अभिलेख) नियुक्त किया जाता है। [श्री आर० आर० अग्रवाल, पुरालेखाधिकारी (प्राच्य अभिलेख) जो अवकाश पर हैं के स्थान पर]। यह तदर्थ नियुक्ति उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए कोई अधिकार नहीं प्रदान करती और वरिष्ठता के प्रयोजन तथा अगले ऊँचे पदक्रम (ग्रेड) में पदोन्नत होने की पात्रता के लिए नहीं गिनी जाएगी।

श्रीनन्दन प्रसाद,  
अभिलेख-निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1976

सं० 2/12/75-एस०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्री एस० के० पंगसा, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, आकाशवाणी, जेपुर (उड़ीसा) को तदर्थ आधार पर 17-10-75 (पूर्वाह्न) में दरदर्शन, आकाशवाणी, लखनऊ में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,  
प्रशासन उपनिदेशक (ई०)  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० ए०-30014 (3)/75-एस०-छः—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्री आर० एन० मांझी, विस्तार अधिकारी को दिनांक 16-6-75 से विस्तार अधिकारी के पद पर स्थायीवत् रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 300 14 (3)/75-एस०-छः—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री चरणजीत सिंह को विस्तार अधिकारी के पद पर 9-5-75 से स्थायीवत् पदक्षमता में नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा,  
प्रशासन उपनिदेशक,  
कृते महानिदेशक

(योजना और विकास एकक)

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1976

सं० 2 (8)/68-डी० (एस०)—महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के कार्यालय के लेखाधिकारी, श्री एम० बी० रामकृष्णन् की क्षेत्रीय इंजीनियर (उत्तर), आकाशवाणी, नई दिल्ली के कार्यालय में 15-4-75 से दो वर्ष की अवधि के लिए 840-40-1000-४० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में लेखाधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति की गई है।

यह अधिसूचना आकाशवाणी महानिदेशालय की अधिसूचना संख्या 2/8/68-डी० (एस०), दिनांक 17-5-75 के अधिक्रमण में है।

दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० 16 (37)/डी० (एस०)-67-II—महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के कार्यालय में लेखाधिकारी, श्री आर० पी० घोष की 14-4-1975 से 2 वर्ष की अवधि तक 840-40-1000-४० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में केन्द्र इंजीनियर केन्द्रीय भण्डार, आकाशवाणी, नई दिल्ली में लेखाधिकारी के पद पर प्रति नियुक्ति की गई है।

यह अधिसूचना इस महानिदेशालय की अधिसूचना संख्या के० (37, ११० एम०-167-II, दिनांक 16-5-1975 के अधिक्रमण में है।

तिलक राज सभरवाल,  
उप विकास अधिकारी (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1976

सं० 1-11/75-एडमिन 1—राष्ट्रपति ने श्री सत्यव्रत डे को 7 अप्रैल 1973 से अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकता, में स्वास्थ्य इंजीनियरी (केमिकल आपरेशन) के सहायक प्रोफेसर के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 27 जनवरी 1976

सं० 19-15/72-एडमिन-1—श्री बी० कृष्णन ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में भौतिकी में रीडर के पद का कार्यभार 14 जुलाई, 1975 पूर्वाह्न से छोड़ दिया।

2. श्री बी० कृष्णन ने उसी संस्थान में 15 अक्तूबर, 1975 पूर्वाह्न से भौतिकी में प्राध्यापक के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 19-16/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० आर० सुन्दरेसन को जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में 6 अप्रैल, 1974 से रसायनज्ञ (नाम-मैडिकल सहायक) (जीवरसायन) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० 17-25/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० सी० गंगल को केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन में तकनीकी अधिकारी के स्थायी पद पर 28 अगस्त 1973 से स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 16-2/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक श्रीमती गुरवीन सिन्हा को केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा न्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (क्षेत्र सर्वेक्षण प्रदर्शन केन्द्र) के पद पर 29-12-75 पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक तत्काल अवसर पर नियुक्त करते हैं।

शुद्धि-पत्र

सं० 17-25/74-एडमिन-1—11 जनवरी, 1975 के भारत के राजपत्र के भाग 3, खण्ड 1 के पृष्ठ 218 पर प्रकाशित इस निर्देशालय की 10 दिसम्बर, 1974 की अधिसूचना संख्या 17-25/74-एडमिन-1 में "28 अगस्त 1973" के स्थान पर "29 दिसम्बर, 1972 पढ़ें"।

दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० 18-12/72-एडमिन-1—उप-महानिदेशक वाणिज्य सूचना एवं सांख्यिकी (वाणिज्य मंत्रालय), कलकत्ता, के पद पर नियुक्ति हेतु अपने चयन के फलस्वरूप श्री के० ए० डी० सिन्हा ने 15 जनवरी 1976 के अपराह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य सूचनालय सांख्यिकीविद् के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० 3-1/75-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी (मन्त्रीमंडल कार्य विभाग) श्री के० डी० शर्मा को 22 जनवरी 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया है।

श्री के० डी० शर्मा की प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्ति के फलस्वरूप श्री के० एस० पार्थासार्थी ने 22 जनवरी 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 5 फरवरी 1976

सं० 19-19/75-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी, में निवर्तक श्री टी० के० नन्दीनारायणन को उसी संस्थान में 5 जनवरी 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक भौतिकी के प्राध्यापक के पद पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1976

सं० 40-2/75-सी० एच० एस० 1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद को अपने तत्काल के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड 1 के अधिकारी डा० एस० चटर्जी ने 29 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से क्षेत्रीय समन्वय संगठन राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, हैदराबाद, में उप सहायक निदेशक (चिकित्सा) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

रवीन्द्रभाष तिवारी,  
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1976

सं० 41-39/75-डी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने एतद् द्वारा श्री कपिल भागवत को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन के पश्चिमी क्षेत्र कार्यालय, बम्बई में 6 जनवरी 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक औषध नियंत्रक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

एस० एस० गोधोस्कर,  
औषध नियंत्रक

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 27 जनवरी 1976

सं० फाईल 4-5 (64)/75-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग, की संस्तुतियों के अनुसार श्री ए० जी० देशपाण्डे को विपणन और निरीक्षण निदेशालय बम्बई में दिनांक 2 जनवरी, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा स्थानापन्न आधार पर विपणन अधिकारी, वर्ग 1, नियुक्त किया गया है।

दिनांक 28 जनवरी 1976

सं० फाईल-4-13 (36)/75-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री मुलखराज मोहर को भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विपणन और निरीक्षण निदेशालय, मद्रास में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 23 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सं० फाईल-4-5 (65)/75-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एम० आर० देशपाण्डे, सहायक विपणन अधिकारी को अधिकृत प्राधिकारी द्वारा विपणन और निरीक्षण निदेशालय, बम्बई में दिनांक 18 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर विपणन अधिकारी वर्ग-II, नियुक्त किया गया है।

दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० फाईल-4-6 (92)/75-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली, की संस्तुतियों के अनुसार श्री विजय कुमार सिन्हा को भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विपणन और निरीक्षण निदेशालय बम्बई में दिनांक 15 नवम्बर, 1975, (अपराह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी, वर्ग II, नियुक्त किया गया है।

दिनांक 3 फरवरी 1976

सं० फाईल-4-6 (102)/75-प्र० I—संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली, की संस्तुतियों के अनुसार श्री रूपेन्द्र कुमार शिवराज



पिल्ले को भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विपणन और निरीक्षण निदेशालय मद्रास में दिनांक 10 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी, वर्ग I, नियुक्त किया गया है।

दिनांक 5 फरवरी 1976

सं० फाईल -4-6 (106)/75 प्रशा०-III—सघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री मोहम्मद हदिस को भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विपणन और निरीक्षण निदेशालय, भोपाल में दिनांक 12 जनवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी, वर्ग-I, नियुक्त किया गया है।

दिनांक 6 फरवरी 1976

सं० फाईल -4-6 (103)/76 प्रशा०-III—सघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री बृजबिहारी सिंह को अधिकृत प्राधिकारी द्वारा विपणन और निरीक्षण निदेशालय, भोपाल में दिनांक 12 जनवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी, वर्ग-I, नियुक्त किया गया है।

वी० पी० चावला,  
निदेशक, प्रशासन

वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० 4-5/71-प्रशासन—श्री टी० के० टी० एस० समानुजाचार्युलू सांख्यिकी अधिकारी, वन साधनों के निवेशपूर्व सर्वेक्षण, देहरादून की सेवाएं अनुसंधान अधिकारी के पद पर प्रति-नियुक्ति के लिए 15 जनवरी 1976 की अपराह्न से पी० एल० 480 अनुसंधान परियोजना 01-658-2 'वर्ध कोहर्ट के उतरजीवी और नतीजे', पोडोआट्रिक्स विभाग, सफरदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली को सौंप दी गई।

सं० 4-8/74 प्रशासन—श्री हंस राज मिश्र जो कि वित्त-मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में स्थाई सांख्यिकी अन्वेषक है और जो कि वन साधनों के निवेशपूर्व सर्वेक्षण के सांख्यिक अधिकारी की हैसियत से कार्य कर रहे थे, की सेवाएं वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी के पद पर नियुक्ति के लिए 14 जनवरी 1976 की पूर्वाह्न से राष्ट्रीय एटलस मंगठन को सौंप दी गई है।

रमेश चन्द्रा,  
मुख्य समन्वयक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400 085, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० पी० ए०/81 (113)/75 आर० 4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री रामचन्द्र राणीजी रानसुभे को 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 जनवरी 1976

सं० पी० ए० 281 (138)/75-आर० 4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थायी फोरमैन श्री शशीश चंदर सेठ को 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उक्लीकृष्णन,  
उप स्थापना अधिकारी (भ)

परमाणु ऊर्जा विभाग

तारापुर, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

सं० टी० ए० पी० एस०/प्रशासन/735-ए०—तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी के पद से नियुक्त श्री आर० आर० बनदनी ने, इस पद पर संलग्न प्राधिकारी द्वारा नियमित आधार पर एक पदधारी की नियुक्ति की जाने पर, 20 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से तारापुर परमाणु बिजलीघर में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

के० बी० सेतुमाधवन,  
मुख्य प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 20 जनवरी 1976

सं० ना० ई० सं०/प्रशा०/22/12/101—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, निम्नालिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने लिखी गई तिथियों से आगामी आदेशों तक के लिए नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

| नाम  | नियुक्ति की तिथि    |
|--|---------------------|
| (1) श्री टी० एल० रामचंद्रन<br>(वैयक्तिक सहायक,<br>परमाणु ऊर्जा विभाग)              | 1-12-75 (पूर्वाह्न) |
| (2) श्री के० रामचंद्रन<br>(स्थानापन्न अधीक्षक,<br>परमाणु खनिज प्रभाग)              | 2-12-75 (पूर्वाह्न) |
| (3) श्री एस० ए० श्रीनिवासन<br>(स्थानापन्न सहायक,<br>भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र)  | 9-12-75 (पूर्वाह्न) |
| (4) श्री सी० बी० गोपालकृष्णन<br>(स्थायी आशुलिपिक,<br>भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र) | 8-1-75 (पूर्वाह्न)  |

एस० पी० म्हातं,  
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

## भारी पानी परियोजना

बम्बई-400 008, दिनांक 28 जनवरी 1976

सं० 05000/न०-54/559—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष कार्य अधिकारी, श्री नटराजन नारायण को भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) में 1 जनवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए श्रम-तथा-कल्याण अधिकारी अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

## परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० ए० एम० डी०-1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री दिवाकर गोस्वामी को 26 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 5 बी०, नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

## रिएक्टर अनुसंधान केंद्र

कलपक्कम, दिनांक 13 जनवरी 1976

सं० आर० आर०-सी० II-I (25)/72-पी०-445—रिएक्टर अनुसंधान केंद्र के परियोजना निदेशक, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री राधवर्चाय रघुनाथन को परमाणु ऊर्जा विभाग के सहायक कार्मिक अधिकारियों/सहायक प्रशासन अधिकारियों के केन्द्रीय संवर्ग में शामिल करने के लिए चुने जाने पर, 17 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए रिएक्टर अनुसंधान केंद्र में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,  
वरिष्ठ प्रशासन-अधिकारी

## अंतरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलोर-560025, दिनांक 27 जनवरी 1976

सं० 10/3 (86)/75-सि० इ० प्र० (एच०)—अंतरिक्ष विभाग, सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियंता, कार्यालय महालेखापाल, तमिलनाडु, मद्रास के अनुभाग अधिकारी श्री के० रामास्वामी को, अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 1-12-1975 से प्रतिनियुक्ति पर आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

पी० आई० यू० नम्बियार,  
प्रशासन अधिकारी  
कृते मुख्य अभियंता

## पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 27 जनवरी 1976

सं० ई० (1) 04091—वैधशालाओं के महानिदेशक, बम्बई प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री ए० के० बसु को 1-1-1976 के पूर्वाह्न से 31-1-1976 तक इकतीस दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री ए० के० बसु बम्बई प्रादेशिक मौसम केन्द्र के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04261—वैधशालाओं के महानिदेशक, वैधशालाओं के उपमहानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी) के पूना कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री बी० गोपीनाथ राव को 1-1-1976 के पूर्वाह्न से 29-3-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री गोपीनाथ राव वैधशालाओं के उपमहानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी) के पूना कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04285—वैधशालाओं के महानिदेशक वैधशालाओं के उपमहानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी) के पूना कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री एन० बी० परमेश्वरन को 1-1-1976 के पूर्वाह्न से 13-2-1976 तक अवासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री परमेश्वरन वैधशालाओं के उपमहानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी) के पूना कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 28 जनवरी 1976

सं० ई० (1) 05853—वैधशालाओं के महानिदेशक मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री टी० बी० वैधनाथन को 1 जनवरी 1976 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री टी० बी० वैधनाथन, मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 3 जनवरी 1976

सं० ई० (1) 07161—वैधशालाओं के महानिदेशक, वैधशालाओं के महानिदेशक के नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री ओंकारी प्रसाद, को 1 जनवरी 1976 के पूर्वाह्न से 7-2-1976 तक अठतीस दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री ओंकारी प्रसाद, वैधशालाओं के महानिदेशक के नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 5 फरवरी 1976

सं० ई० (1) 04318—वैधशालाओं के महानिदेशक, वैधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी), पूना के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री एच० आर० गनेसन को 2-1-1976 के पूर्वाह्न से 9-2-1976 तक [उत्तालीस दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री गनेसन वैधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी) पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 07061—वैधशालाओं के महानिदेशक मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के अधीन त्रिवेन्द्रम मौसम केन्द्र के व्यवसायिक सहायक श्री एस० रंगराजन को 7-1-76 के पूर्वाह्न से 15-2-1976 तक चालीस दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री रंगराजन मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के अधीन त्रिवेन्द्रम मौसम केन्द्र में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05132—वैधशालाओं के महानिदेशक कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री एम० एल० घोष को 3-1-1976 के पूर्वाह्न से 15-2-1976 तक चालीस दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री घोष कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मनियन,  
मौसम विशेषज्ञ  
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1976

सं० ए० 32014/2/75 ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित 38 तकनीकी सहायकों को (जो तत्पक्ष आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं) 6 जनवरी, 1976 से तथा अगले आदेश होने तक नागर

विमानन विभाग में नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

| क्रम सं० | नाम                           | तैनाती स्टेशन                |
|----------|-------------------------------|------------------------------|
| 1.       | श्री ए० राजगोपालन             | बम्बई                        |
| 2.       | श्री मुख्यतियार सिंह          | कलकत्ता                      |
| 3.       | श्री आर० राममूर्ति            | कलकत्ता                      |
| 4.       | श्री सी० एन० महादेव           | पालम                         |
| 5.       | श्री एम० राधवन                | मद्रास                       |
| 6.       | श्री एम० अप्पाराव             | मद्रास                       |
| 7.       | श्री सी० हरमन                 | बेगमपेट                      |
| 8.       | श्री डी० सी० डबगोला           | जम्मू                        |
| 9.       | श्री एम० एल० डे               | कलकत्ता                      |
| 10.      | श्री एम० पी० सामा             | सी० ए० टी० सी०               |
| 11.      | श्री एस० के० भट्टाचार्य       | कलकत्ता                      |
| 12.      | श्री एच एस० सरना              | पालम                         |
| 13.      | श्री एन० एस० आटे              | नागपुर                       |
| 14.      | श्री जी० एम० राव              | कलकत्ता                      |
| 15.      | श्री आई० एम० कृष्णन           | कलकत्ता                      |
| 16.      | श्री के० सी० देवगण            | रेडियो निर्माण एवं विकास एकक |
| 17.      | श्री वी० पी० नारंग            | सफदरजंग                      |
| 18.      | श्री ए० के० डे                | कलकत्ता                      |
| 19.      | श्री आर० विट्टल सिंह          | बम्बई                        |
| 20.      | श्री टी० एन० विष्वनाथन        | मद्रास                       |
| 21.      | श्री पी० सी० जैन              | सफदरजंग                      |
| 22.      | श्री वी० के० शर्मा            | सफदरजंग                      |
| 23.      | श्री हरभगवान                  | भावनगर                       |
| 24.      | श्री टी० डी० शर्मा            | बम्बई                        |
| 25.      | श्री एम० के० चटर्जी           | इम्फाल                       |
| 26.      | श्री पी० के० सेनगुप्ता        | कलकत्ता                      |
| 27.      | श्री जी० डी० कुलकर्णी         | बम्बई                        |
| 28.      | श्री प्यारा सिंह              | कलकत्ता                      |
| 29.      | श्री इन्द्रजीत शर्मा          | सी० ए० टी० सी०               |
| 30.      | श्री टी० आर० मेनन             | कलकत्ता                      |
| 31.      | श्री जी० एस० कोचीकर           | बम्बई                        |
| 32.      | श्री के० एस० बालासुब्रह्मण्यम | बम्बई                        |
| 33.      | श्री मनोहर सिंह               | कुद                          |
| 34.      | श्री पी० एन० नायर             | गोहाटी                       |
| 35.      | श्री एम० डी० रंगनाथन          | मद्रास                       |
| 36.      | श्री एच० एल० शर्मा            | पालम                         |
| 37.      | श्री वाई० पी० भाटिया          | बारापानी                     |
| 38.      | श्री बी० आर० राव              | बम्बई                        |

दिनांक 23 जनवरी 1976

सं० ए० 32013/4/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित 4 तकनीकी अधिकारियों, जो इस समय उनके नामों के सामने दिए गए देशों में प्रतिनियुक्ति पर हैं को 1 दिसम्बर 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक प्रोफार्मा पदोन्नति प्रदान की है :—

| क्रम सं० | नाम | जिस देश में प्रतिनियुक्ति पर हैं | जिस तारीख से प्रतिनियुक्ति पर हैं। |
|----------|-----|----------------------------------|------------------------------------|
|----------|-----|----------------------------------|------------------------------------|

- |    |                         |              |                        |
|----|-------------------------|--------------|------------------------|
| 1. | श्री एम० ए० वेणुगोपाल   | जाम्बिया     | 23-7-1975<br>(अपराह्न) |
| 2. | श्री एस० वेंकटेश्वरन    | येमन गणतंत्र | 6-6-1974               |
| 3. | श्री के० श्रीनिवासन     | येमन गणतंत्र | 1-6-1974               |
| 4. | श्री डी० एस० श्रीवास्तव | जाम्बिया     | 14-5-1975<br>(अपराह्न) |

दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० ए०-38013/1/75-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एच० एस० भारद्वाज सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार सेवा सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली को मूल नियम 56 (ट) के उपबन्धों के अनुसार 31-12-1975 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान कर दी है।

सं० ए० 32014/2/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री पी० सी० के० नायर संचार सहायक वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर को 24-12-1975 से अगले आदेश होने तक सहायक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

हरबंस लाल कोहली  
उपनिदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० ए०-32013/4/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री पी० के० बी० नायर सहायक तकनीकी अधिकारी वैमानिक संचार स्टेशन नागपुर को नागर विमानन विभाग में 9 जनवरी 1976 (अपराह्न) से अगले आदेश होने तक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें निदेशक रेडियो निर्माण एवं विकास एकक नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए०-38012/1/75-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त करने पर निम्नलिखित दो संचार अधिकारी 31-12-1975

(अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं :—

| क्रम सं० | नाम                  | तैनाती स्टेशन                                      |
|----------|----------------------|--|
| 1.       | श्री पी० बी० श्यामरे | वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।                     |
| 2.       | श्री के० के० दास     | वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली। |

दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० ए०-32013/2/75-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 26/28 जुलाई 1975 की अधिसूचना सं० ए०-32013/2/75-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री बी० बी० बंदोपाध्याय की नियंत्रक संचार कलकत्ता एयरपोर्ट दमदम के पद पर तदर्थ पदोन्नति की अवधि 1-9-1975 से 29-2-1976 तक बढ़ा दी है।

हरबंस लाल कोहली,  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-110022, दिनांक 4 जनवरी 1976

सं० ए०-41012/1/74-ई० एच०—भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी एयर कमीडोर ए० एफ० गामा, जिन्हें 17 सितम्बर, 1973 से नागर विमानन विभाग में उड़ान परीक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया था, तथा भारतीय वायुसेना से उनके सेवानिवृत्त होने पर 7 अक्टूबर, 1973 से पुनः उसी पद पर नियुक्त किया गया था, की सेवाएं 17 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से समाप्त कर दी गई हैं। एयर कमीडोर ए० एफ० गामा की केन्द्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियमावली, 1972 के नियम 39 (7) के अनुसार 17 सितम्बर, 1975 से 15 नवम्बर, 1975 तक 60 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया गया था।

दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० ए०-32013/15/75-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री आर० नरसिम्हन स्थायी वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी को नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर उपनिदेशक अनुसंधान एवं विकास के पद पर 22 जनवरी, 1976 की पूर्वाह्न से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा श्री पी० आर० चन्द्रशेखर, उपनिदेशक अनुसंधान एवं विकास, जिन्हें विभिन्न प्रकार के विमानों तथा हेली-काप्टरों के एफ० ए० ए० उड़नयोग्यता डिजाइन एवं परीक्षण अपेक्षाओं और कार्यविधियों संबंधी विषय पर अध्ययन के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका भेजा गया है, के प्रतिनियुक्ति से वापस आने पर कार्यभार ग्रहण कर लेने तक, इनमें जो भी पहले हो, नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी, 1976

सं० ए०-32013/5/75-ई०ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर हुई तदर्थ नियुक्ति की अवधि 31 मार्च, 1976 तक अथवा इन पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों, बताने की स्वीकृति प्रदान की है :—

| क्रम सं० | नाम                    | तैनाती स्थान                                    |
|----------|------------------------|---|
| 1.       | श्री के पी वी मेनन     | मंगलौर  |
| 2.       | श्री बी आर विश्वनाथन   | भोपाल   |
| 3.       | श्री एम सी जोशी        | मुख्यालय वि० अधिकारी (वै० सूचना सेवा)           |
| 4.       | श्री ओ पी ढीगरा        | मुख्यालय, वि० अधिकारी (योजना)                   |
| 5.       | श्री एम पी खोमला       | उधमपुर  |
| 6.       | श्री जे एस आर के शर्मा | मद्रास  |
| 7.       | श्री के एम प्रसाद      | सोहतबाड़ी                                       |
| 8.       | श्री एन डी घोष         | दमदम  |
| 9.       | श्री रवि तनखा          | सफदरजंग   |
| 10.      | श्री सी आर राव         | राजकोट  |
| 11.      | श्री कुंदन लाल         | ओरंगाबाद  |
| 12.      | श्री जे के सरदाना      | श्रीनगर   |
| 13.      | श्री के सी मिश्र       | सांताक्रुज                                      |
| 14.      | श्री जी बी के नायर     | सांताक्रुज                                      |
| 15.      | श्री डी डी सरदाना      | सफदरजंग   |
| 16.      | श्री के एन वेंकटचालिहा | सांताक्रुज                                      |
| 17.      | श्री एम दयाल           | मुख्यालय, विमानक्षेत्र अधि-कारी (विमान सुरक्षा) |
| 18.      | श्री एम सी सेखड़ी      | उदयपुर  |
| 19.      | श्री एम पी जैन         | सफदरजंग   |
| 20.      | श्री एस के जैन         | पालम  |
| 21.      | श्री डी रामानुजम       | सफदरजंग   |
| 22.      | श्री ए टी० वर्गीज      | कुंभोरग्राम                                     |
| 23.      | श्री के बी एस राव      | मद्रास  |
| 24.      | श्री एन पी शर्मा       | सफदरजंग   |
| 25.      | श्री एस के बनर्जी      | दमदम  |
| 26.      | श्री आर कोदण्डरमण      | त्रिचिरापल्ली                                   |

चित्तरंजन कुमार बत्स,  
सहायक निदेशक प्रशासन

#### विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1976

सं० 1/403/76-स्था०—श्री विद्या शंकर पाण्डे को 1ली जनवरी, 1976 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेश तक स्विचिंग समूह, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

2—476 GI/75

सं० 1/399/76-स्था०—मद्रास शाखा के स्थायी ज्येष्ठ फोरमैन, श्री पी० एन० सुन्दरम् को 1ली जनवरी, 1976 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेश तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य मैकेनिशियन के पद पर नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले, महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० 1/397/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा बम्बई शाखा के ज्येष्ठ फोरमैन, श्री ई० सी० आफोन्सो को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 1ली दिसम्बर, 1975 से लेकर 31री जनवरी, 1976 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य मैकेनिशियन के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० एम० वृष्णस्वामी,  
प्रशासन अधिकारी,  
कृते महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० 1/395/76-स्था०—महानिदेशक ने बम्बई शाखा के पस्थायी सहायक अभियंता, श्री जसबीर सिंह मादना का सरकारी सेवा से त्यागपत्र 17 जनवरी, 1976 के अग्रगण्य से स्वीकार कर लिया है।

पा० कि० गोविन्द नायर,  
उप निदेशक (प्रशा०)  
कृते महानिदेशक

#### नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर, दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० 39—श्री ए० के० दाम, जिला अफीम अधिकारी, मंदसौर-1 प्रभाग को, 1 सितम्बर, 1975 से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के घेतनमान में, रु० 810-00 के चरण पर दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

अभिलाष शंकर,  
भारत का नारकोटिक्स आयुक्त

#### केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1976

सं० क०-19012/558/75-प्रशा० 5—विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-2) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री डी० के० शर्मा जो इस आयोग में अनुसंधान सहायक हैं, को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-रसायन गुण) के पद क्रम में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के

वेतनमान में 15 दिसम्बर, 1975 के पूर्वार्द्ध में जब तक आगे आदेश नहीं होते, स्थानापन्न क्षमता में नियमित रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री डी० के० शर्मा उपर्युक्त तारीख अर्थात् 15-12-1975 (पूर्वार्द्ध) से केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के पदक्रम में दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर होंगे।

स० क०-19012/557/75-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री जी० एम० कोटावार इस आयोग के अनुसंधान सहायक को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-भौतिकी ग्रुप) के पदक्रम में स्थानापन्न क्षमता में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 17 दिसम्बर, 1975 (पूर्वार्द्ध) से 29-2-1976 तक अथवा जब तक इस ग्रेड के रिक्त स्थानों को नियमित रूप में भरा जाएगा, जो भी पूर्व हो, पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जनवरी, 1976

स० क०-19012/197/70-प्रशा० 5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क०-19012/197/70-प्रशा० 5 दिनांक 6 मई 1970 का आशिक आशोधन करके अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (इस समय केन्द्रीय जल आयोग) अपने प्रसाद से श्री जी० सी० बधवा, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध) इस समय केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इजीनियरी) के पदक्रम में अप्रयोगमूलक रूप में स्थानापन्न क्षमता में 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रुपये (संशोधन पूर्व) के वेतनमान में 22-1-1969 में तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जी० सी० बधवा को उपर्युक्त तारीख से केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध), नई दिल्ली में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार सभाले हुए माना जाए।

के० पी० बी० मेनन,  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1976

स० क०-19012/546/75-प्रशा०-5—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन किए जाने के परिणामस्वरूप अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री नथी मिह को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी-ग्रुप) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 5 जनवरी 1976 के पूर्वार्द्ध से नियुक्त करते हैं।

2 श्री नथी मिह उपर्युक्त तारीख तथा समय से दो वर्ष के लिए परीक्षा पर होंगे।

के० पी० बी० मेनन,  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1976

स० 3-368/75-सी० एच० (ई०)—श्री डी० एम० रामा राव को सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई व तदर्थ आधार पर उनके मुख्यालय बंगलोर के साथ दिनांक 10-3-75 (पूर्वार्द्ध) से 24-10-75 (अपराह्न) तक नियुक्त किया जाता है।

स० 3-350/74-सी० एच० ई०—संघ लोक सेवा आयोग की चयन के फलस्वरूप श्री डी० बी० शेटी को सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय शोलापुर के साथ दिनांक 1-1-76 (पूर्वार्द्ध) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख,  
मुख्य जल भू-विज्ञानी

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इजीनियर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1976

स० 5/6/75-ई० सी०-I—राष्ट्रपति, 1974 में हुई इजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर निम्नलिखित अभ्यर्थियों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इजीनियरी सेवा श्रेणी-I/केन्द्रीय विद्युत् इजीनियरी सेवा श्रेणी-I में सहायक कार्यपालक इजीनियर (मिविल/विद्युत्) के अस्थायी पदों पर उनके नाम के आगे दी हुई तिथि से नियुक्त करते हैं —

केन्द्रीय इजीनियरी सेवा श्रेणी-I]

|                       |          |
|-----------------------|----------|
| 1. श्री राकेश मिश्र   | 26-12-75 |
| 2. श्री एन० के० सिनहा | 6-1-76   |
| 3. श्री रणवीर सिंह    | 6-1-76   |

केन्द्रीय विद्युत् इजीनियरी सेवा श्रेणी-I]

|                       |        |
|-----------------------|--------|
| 1. श्री ए० सी० सूरि   | 3-1-76 |
| 2. श्री जी० नेलसन राज | 9-1-76 |

दिनांक 2 फरवरी 1976

स० 27-ई०/पी० (14)/70-ई० सी०-II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी वार्धक्य की आयु प्राप्त

करने पर 31-1-1976 (अप्रराह्ण) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए :

| नाम                    | वर्तमान पदनाम   |
|------------------------|---|
| 1. श्री पी० आर० पुरी   | कार्यपालक इंजीनियर, आकाश-वाणी (सिविल निर्माण विंग) बम्बई में प्रतिनियुक्ति पर ।               |
| 2. श्री डी० आर० खोपड़ा | कार्यपालक इंजीनियर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर ।                       |
| 3. श्री आई० जे० छपानी  | निर्माण सर्वेक्षक, अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (विमानन) कार्यालय के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली । |

पी० एस० पारवानी,  
प्रशामन उप निदेशक

#### केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1976

सं० 6/2/75-प्रशामन-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण, एतद्वारा, श्री एम० ए० खान, तकनीकी सहायक को 31-12-1975 के पूर्वार्ह से केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी श्रेणी-दो सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता के ग्रेड में नियुक्त करते हैं ।

जंगणेर सिंह, अवर सचिव

#### रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1976

सं० 74/आर० ई०/161/1—मर्म-माधारण की सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि खुर्जा जक्शन (छोड़कर) से गाजियाबाद (महित) तक के खण्ड पर, संरचना सं० 1371/23-24 से डाउन मुख्य लाइन पर संरचना सं० 18/24 तक और अप मुख्य लाइन पर संरचना सं० 18/29 तक (नई दिल्ली की ओर से कि० मी०) 25 किलोवाट ए० सी० बिजली कर्षण चालू करने के सम्बन्ध में, सभी सम्पारों पर ऊंचाई के आमान लगाये गये हैं जिनकी सड़क के स्तर से स्पष्ट ऊंचाई 4.67 मीटर (15 फुट 4 इंच) है, ताकि अत्यधिक ऊंचाई के लोड्स को बिजलीयुक्त कर्षण तारों के सम्पर्क में आने अथवा खतरे की परिधि में आने से रोका जा सके । जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों का लदान करने के उद्देश्य से ऊपर विनिर्दिष्ट ऊंचाई का ध्यान रखे और यह सुनिश्चित करे कि सड़क वाहनों में ले जाये जाने वाले लोड्स किसी भी हालत में ऊंचाई के आमानों का उल्लंघन न करे ।

अत्यधिक ऊंचाई के लोड्स ले जाने में निम्नलिखित खतरे हैं :—

- (i) ऊंचाई का आमान उखाड़ फेका जायेगा जिससे मश्क एवं रेलवे लाइन पर स्कावट हो जायेगी ।

(ii) ढोया जाने वाला सामान या उपकरण (अथवा स्वयं वाहन भी) क्षतिग्रस्त हो सकता है ।

(iii) बिजलीयुक्त कण्डक्टरों के साथ सम्पर्क हो जाने अथवा खतरे की परिधि में आ जाने के कारण आग लग सकती है जिससे जीवन को जोखिम हो सकता है ।

सं० 74/आर० ई०/161/1—रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं की आम सूचना के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि अजायबपुर सेकशनिंग पोस्ट से गाजियाबाद (सहित) खण्ड पर संरचना सं० 1403/17-18 से डाउन मुख्य लाइन पर संरचना सं० 18/24 तक और अप मुख्य लाइन पर संरचना सं० 18/29 तक (नई दिल्ली की ओर से कि० मी०) ए० सी० ऊपरी कर्षण तारों में 2-2-76 को अथवा इसके बाद 25 किलोवाट बिजली प्रवाहित कर दी जायेगी । इसी तारीख से ऊपरी कर्षण लाइन को हर समय बिजलीयुक्त माना जायेगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उसके पास नही जायेगा और न ही उसके निकट काम करेगा ।

दिनांक 28 जनवरी 1976

सं० 74/आर० ई०/161/1—रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं की आम सूचना के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि खुर्जा (छोड़कर) से अजायबपुर सेकशनिंग पोस्ट (सहित) खण्ड पर (संरचना सं० 1371/23-24 से संरचना सं० 1403/17-18 तक) ए० सी० ऊपरी कर्षण तारों पर 12-1-1976 से अथवा इसके बाद 25 के० वी० बिजली प्रवाहित कर दी जायेगी । इसी तारीख से, ऊपरी कर्षण लाइन को हर समय बिजलीयुक्त माना जायेगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उसके पास नही जायेगा और न ही उसके निकट काम करेगा ।

अमृत लाल गुप्त, सचिव, रेलवे बोर्ड

#### उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

सं० 17—उत्तर रेलवे के यांत्रिक इंजीनियरी विभाग के निम्नलिखित अधिकारी प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से रेल सेवा से अस्तिम रूप से सेवा-निवृत्त हो गये हैं ।

1. श्री भीम संत शर्मा सहायक निर्माण प्रबन्धक, 30-11-74 से कालका
2. श्री सत लाल मलिक स्थानापन्न सहायक यांत्रिक 31-10-75 इंजीनियर (एम० आर०) से प्रधान कार्यालय

वी० पी० साहनी,  
महाप्रबंधक

#### पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पाण्डू, दिनांक 20 जनवरी 76

सं० ई०/55/111/94 पी० टी० (0)—मिविल इंजीनियरी विभाग के निम्नलिखित अवर बेतनमान के अधिकारियों को

उनके नाम के सामने उल्लिखित दिनांक से प्रवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

- |                              |         |
|------------------------------|---------|
| (1) श्री तीरथ प्रकाश         | 18-6-73 |
| (2) श्री एस० के० काजी लाल    | 15-7-73 |
| (3) श्री बी० बी० गुह विश्वास | 1-4-74  |

एच० एल० वर्मा

महाप्रबन्धक

मध्य रेल

बम्बई बी० टी०, दिनांक 29 जनवरी 76

स० एच० पी० बी०/220/जी०/आई० (डक्यू०) - भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में नियुक्त श्री आर० के० गिह को दि० 17-4-1975 से प्रवर वेतनमान में सहायक इंजीनियर के रूप में स्थायी किया गया है।

बसंत दयाल मेहरा,

महाप्रबन्धक

श्रुति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय

पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन

जयपुर-764003, दिनांक 24 जनवरी 1976

स० पी० 3/1—श्री राम प्रकाश चन्दर को केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर दिनांक 16 जनवरी 1976 के पूर्वाह्न से सहायक अभियंता के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतन मान में अगला आदेश जारी होने तक पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन, में नियुक्त किया जाता है।

2. श्री चन्दर ने दिनांक 16 जनवरी 1976 के पूर्वाह्न से पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन, के यूनिट 14 हटबे लिटिल ग्रंडमान में सहायक अभियंता के पद पर कार्यभार संभाला।

एन० मन्यमूर्ति,

प्रधान अभियंता

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1975

स० 7935/टी० ए०/247 (5) :—अतः ओरियंट चिटफंड लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय रूम नं० 62 बांम्बे म्युचुअल बिल्डिंग फर्स्ट फ्लोर हार्नबी रोड बम्बई-1 में है, का समापन किया जा रहा है। और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक रखा है कि कोई समापक कार्य नहीं हो रहा है और यह कि लेख (विवरणियां समापक द्वारा दिये जाने के लिए अपेक्षित है, छह कमर्शियल मास के लिये नहीं दी गई हैं,

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1973 (1973 का 1) की धारा 247 की उपधारा (5) के उपबधों के अनुसरण में

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर ओरियंट चिटफंड लिमिटेड का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं होटल पैलेस अजंठा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 23 जनवरी, 1976

स० 14573 (560) (5) :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि होटल पैलेस अजंठा प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं सालार स्वदेशी कर्माश्रित बैंक लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1976

स० 259/560/(3) :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सालार स्वदेशी कर्माश्रित बैंक लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं बैंक आफ नागपुर लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1976

स० 72089/560 (3) :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बैंक ऑफ नागपुर लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,  
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और दी पटियाला गुड्स बुकिंग एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1976

स० 3127/328 :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दी पटियाला गुड्स बुकिंग एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

आर० के० जैन,  
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज, दिल्ली



कम्पनी अधिनियम, 1956, और काश्मीर पॉवर इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड नीलोफर मन्जिल, वरजन्ना, श्रीनगर, ।

श्रीनगर, दिनांक 9 जनवरी 1976

सं० पी० सी० / 369 :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर काश्मीर पॉवर इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जं० एन० कौल,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
जम्मू और काश्मीर, श्रीनगर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मै० रोशनी हायर परचेजिंग कम्पनी एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

जयपुर, दिनांक 17 जनवरी 1976

सं० साख्यिकी/1477/ :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रोशनी हायर परचेजिंग कम्पनी एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मै० श्री गंगानगर जनरल एक्सचेंज लिमिटेड के विषय में ।

जयपुर, दिनांक 17 जनवरी 1976

सं० साख्यिकी / 1343/ :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री गंगानगर जनरल एक्सचेंज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

रामदयाल कुरील,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं सिटी टैक्सी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 28 जनवरी 1976

सं० 1058 टी० (560) :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सिटी टैक्सी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ओ० पी० जैन,  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
आंध्र प्रदेश,

कम्पनी अधिनियम, 1956 और करूर श्री लक्ष्मी नारायण प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास-6, दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० डी० एन० / 1281 / 560(3)/75 :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर करूर श्री लक्ष्मी नारायण प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एम० श्रीनिवासन्,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
तमिलनाडु, मद्रास

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी विनोद दाता प्रोसेसिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

ग्वालियर, दिनांक 30 जनवरी 1976

सं० 1969-टेक/2397 :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दी विनोद दाता प्रोसेसिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

महेण प्रसाद,  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और न्यू अंगरपथरा कौलियरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

पटना, दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० 1 (900) 75-76/ 8509 :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर न्यू अंगरपथरा कौलियरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिखाया नहीं गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल,  
कम्पनी निबंधक, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लामरिन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

एरणाकुलम, दिनांक 3 फरवरी 1976

सं० कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लामरिन प्राइवेट लिमि-

टेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेणाड बेग लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० 1249/लिख/—/76:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, वेणाड बेग लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956, और वेणाड एग्रिकलचरल ग्रेईन कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० :—कम्पनी अधिनियम, 1956, की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, वेणाड एग्रिकलचरल ग्रेईन कम्पनी लिमिटेड का नाम रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

पी० एस० अन्वार,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
केरल एरणाकुलम

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं गौहाटी बैंक लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० 317/560/4916 :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के उपबंधों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि गौहाटी बैंक लिमिटेड का नाम रजिस्टर से काट दिया गया है क्योंकि यह बैंक पूर्वांचल बैंक लि० के साथ बैंकिंग अधिनियम, 1949 की धारा 44ए० के अन्तर्गत मिल गया है।

एस० पी० वशिष्ठ,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, असम, मेघालय, मणीपुर,  
त्रिपुरा, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश व मिजोरम,  
शिलांग,

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के अन्तर्गत सूचना और सागरमल स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लिमिटेड, इन्दौर के संबंध में।

ग्वालियर, दिनांक 7 फरवरी 1976

सं० 228/लिखू/2455:—कम्पनी अधिनियम की धारा 445 (2) के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि सागरमल स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लिमिटेड इन्दौर को मध्य

प्रदेश उच्च न्यायालय, बैच इन्दौर के आदेश दिनांक 20-10-75 के द्वारा परिसमापन करने का आदेश दिया है तथा शासकीय समापक, इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया है।

महेश प्रसाद,  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ब्रम्ह आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० 237/87/560 (3) :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ब्रम्ह आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रिमियर स्टाक एण्ड सेयारस डिलारस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० 12435/560 (3) :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रिमियर स्टाक एण्ड सेयारस डिलारस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956, और एपिजय कसमोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० 25680/560 (3) :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एपिजय कसमोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेस्टर्न आर्ट प्रासेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० 25823/560 (3) :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वेस्टर्न आर्ट प्रासेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल

कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० नाथ,  
कम्पनियों का महायुक्त रजिस्ट्रार,  
पश्चिम बंगाल कलकत्ता

कार्यालय, आयकर आयुक्त दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1976

आयकर

फ० सं० जुरि०-दिल्ली/1/75-76/32562—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 20 जनवरी, 76 से निम्नलिखित आयकर सकिल (वृत्त) बनाया जाए।

1/ स्पेशल सकिल (वृत्त) - 15 (अतिरिक्त,) नई दिल्ली।

फ० सं० : जुरि०-दिल्ली/1/75-76/33012—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी स्पेशल सकिल-15 (अतिरिक्त) नई दिल्ली के मामलों के संबंध में अपने कार्य करेंगे जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत उन्हें सौंपे गए हैं।

यह अधिसूचना 20-1-76 से लागू हुई मानी जाएगी।

फ० सं० जुरि०-दिल्ली /1/75-76/ 33462 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उसी अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट/ सकिल के आयकर अधिकारी के क्षेत्र में पड़ने वाले ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग अथवा आय या आय के वर्ग और मामले या मामलों के वर्गों के संबंध में अधिनियम में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे।

अनुसूची

| रेज   | आयकर डिस्ट्रिक्ट/सकिल  |
|---|--|
| 1   | 2  |
| निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त<br>मुख्यालय-1, नई दिल्ली। | 1. स्पेशल सकिल-15,<br>नई दिल्ली<br>2. स्पेशल सकिल-15<br>(अतिरिक्त) नई दिल्ली |

यह अधिसूचना दिनांक 20-1-76 से लागू होगी।

अवनारे सिंह,  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी, 1976

सं० जुरि०-दिल्ली/2/75-76/34362—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा दिनांक 20-8-75 के इस कार्यालय के आदेश सं० जुरि०-दिल्ली/2/75-76/11852 में संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि जिन निर्धारितियों के नाम अंग्रेजी के 'एस०' अक्षर से शुरू होते हैं तथा जिनका अधिकार क्षेत्र 20-8-75 से पहले आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (10) (अतिरिक्त) नई दिल्ली के पास था तथा जिनका अधिकार क्षेत्र ऊपर बताए गए 20-8-75 के आदेशों की शर्तों के अनुसार आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (9) को स्थानांतरित कर दिया गया था, अब उस अधिकार-क्षेत्र के बारे में आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (10) (अतिरिक्त), नई दिल्ली अपने कार्य करेंगे, किन्तु आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-6 (9) उस अधिकार क्षेत्र के बारे में अपने कार्य करेंगे।

यह आदेश 20-1-76 से लागू होगा।

सं० जुरि०-दिल्ली/2/75-76/33912—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस कार्यालय के दिनांक 13-11-75 के आदेश सं० जुरि०-दिल्ली/2/74-75/20556 में संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि जिन निर्धारितियों के नाम अंग्रेजी के ए० पी० या क्यू० अक्षरों से शुरू होते हैं तथा जो 15-11-75 से पहले आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (10), नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत थे उनके बारे में ऊपर बताये गये दिनांक 13-11-75 के आदेशानुसार जिनका अधिकार क्षेत्र आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (1) नई दिल्ली को स्थानांतरण कर दिया गया था उस अधिकार क्षेत्र के बारे में अब आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-6 (12) अपने कार्य करेंगे किन्तु आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (1) नई दिल्ली अब उनके बारे में अपने कार्य नहीं करेंगे।

यह आदेश 20-1-76 से लागू होगा।

दिनांक 2 फरवरी, 1976

आयकर

फ० सं० जुरि०-दिल्ली/2/75-76/38087—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस विषय पर जारी किए गए पिछले सभी आदेशों/अधिसूचनाओं का अतिव्रमण करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-2 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों और मामलों या मामलों के वर्गों के संबंध में अपने कार्य करेंगे। इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों

के वर्ग, आय या आय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त अधिनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए हैं या इसके बाद सौंपे जायें :-

| क्रम सं० | आयकर अधिकारी का पद-नाम  | अधिकार-क्षेत्र   |
|----------|---|--|
| 1        | 2   | 3  |
| 1.       | आयकर अधिकारी, ठेकेदार (क) ऐसे सभी व्यक्ति या सिकिल वार्ड 'ए', नई दिल्ली | व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जो आयकर अधिकारी ठेकेदार सिकिल दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आते हैं तथा जिनके नाम अंग्रेजी के 'ए' से 'एम' (दोनों अक्षरों को मिलाकर) अक्षर के अन्तर्गत हों। |
|          |   | (ख) ऊपर मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी मासदेदार व्यक्ति।  |
| 2.       | आयकर अधिकारी, ठेकेदार (क) ऐसे सभी व्यक्ति या सिकिल वार्ड 'बी' नई दिल्ली | व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जो ठेकेदार सिकिल दिल्ली के अधिकार-क्षेत्र में आते हैं तथा जिसके नाम अंग्रेजी के 'एन' से 'जेड' (दोनों अक्षरों को मिलाकर) अक्षर के अन्तर्गत हों।            |
|          |   | (ख) ऊपर मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी मासदेदार व्यक्ति।  |
| 3.       | आयकर अधिकारी ठेकेदार सिकिल वार्ड 'सी', नई दिल्ली                        | ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए हैं।  |

| 1 | 2                           | 3  |
|---|-----------------------------|--|
| 4 | आयकर अधिकारी, ठेकेदार सिकिल | ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जो आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए हैं। |

यह अधिसूचना 2-2-76 से लागू होगी।

सं० जुरि-दिल्ली/2/75-76/37886:—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों तथा अधिसूचना संख्या जुरि०-दिल्ली/2/75-76/20924 दिनांक 14-11-75 में आशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि ठेकेदार सिकिल, दिल्ली में निम्नलिखित दो नए वार्ड बनाए गए हैं :-

1 ठेकेदार सिकिल वार्ड 'सी'

2 ठेकेदार सिकिल वार्ड 'डी'

यह आदेश 2-2-76 से लागू होगा।

जगदीश चन्द,  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-2  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1976

आयकर

सं० जुरि-दिल्ली/3/75-76/35849:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वा) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस कार्यालय के दिनांक 30-10-74 के आदेश/अधिसूचना सं० जुरि०-दिल्ली/3/74-75/15 में आशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई तालिका के बालम-3 में निर्दिष्ट सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय वर्गों तथा मामले या मामलों के वर्गों के अधिकार क्षेत्र के बार में निम्न तालिका की बालम-1 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी इस बारे में कार्य नहीं करेंगे।

## तालिका

| 1  | 2  | 3   |
|--|--|---|
| आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-3<br>(16) (अतिरिक्त) नई दिल्ली | आयकर अधिकारी, सर्वे<br>सर्विल-3, नई दिल्ली | सभी नए मामले जिनका कर-निर्धारण अभी तक नहीं हुआ है किन्तु जिनका कर-निर्धारण आयकर अधिकारी सर्वे सर्विल द्वारा किया जाता, ऐसे मामले जिनमें नवीनतम कर-निर्धारण वर्ष 1975-76 में 31-12-75 तक कुल विवरणी आय |
|  |  | 1. पजीकृत फर्म के सबध में 30,000/- रुपए है  |
|  |  | 2. व्यक्ति हिन्दु अविभक्त परिवार व्यक्तियों के समूह अपजीकृत फर्म आदि के मामले में 15000/- रुपए है तथा   |
|  |  | 3. उपरमद सख्या 1 में बताई गई फर्मों के सभी नए भागीदारों के मामले चाहे उनकी आय कुछ भी हो और जिनका अभी तक कर-निर्धारण नहीं हुआ है।  |

यह अधिसूचना दिनांक 24-1-76 से लागू होगी।

एस० एस० सेठ,  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-3  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1976

## आयकर

स० जुरि-दिल्ली/5/75-76/37209—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सबध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि डाक्टर सर्किल, दिल्ली को निम्नानुसार दो सर्किलों में बांट दिया जायगा —

1 डाक्टर सर्किल-1

2 डाक्टर सर्किल-2

यह आदेश 2-2-76 से लागू होगा।

स० जुरि-दिल्ली/5/75-76/37410 —आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस विषय पर जारी किए गए पिछले सभी आदेशों / अधिसूचानाओं को अतिश्रमण करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कॉलम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कॉलम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों आय या आय के वर्गों और मामलों या मामलों के वर्गों के सबध में अपने कार्य करेंगे। इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त अधिनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी का सौंपे गए हो या उसके बाद सौंपे जाये।

3-476 GI/75

| क्र०<br>स० | आयकर अधिकारी का<br>पदनाम                       | अधिकार-क्षेत्र   |
|------------|--|--|
| 1          | आयकर अधिकारी,<br>डाक्टर सर्किल-2<br>नई दिल्ली। | मेडिकल प्रेक्टिशनरों रेडियो-<br>लोजिस्ट तथा पैथोलोजिस्ट<br>(जिनमें एलोपैथिक, होम्यो-<br>पैथिक, यूनानी आयुर्वेदिक<br>अथवा औषधि की अन्य पैथी<br>भी शामिल है) के सभी<br>मामले जिनमें व्यापार अथवा<br>पेशे शीर्ष के अन्तर्गत इनकी<br>कर-योग्य फर्म तथा हिस्से-<br>दार भी शामिल है। किन्तु<br>इनमें आयकर अधिकारी<br>डाक्टर सर्किल-2 नई दिल्ली<br>को सौंपे गए मामले नहीं<br>आते। |
| 2          | आयकर अधिवारी, डाक्टर<br>सर्किल-2 नई दिल्ली।    | आयकर अधिनियम 1961<br>की धारा 127 के अन्तर्गत<br>सौंपे गए मामले।  |

यह अधिसूचना 2-2-76 से लागू होगी।

एस० सी० जैन  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5  
नई दिल्ली

कोच्चीन-16, दिनांक 4 नवम्बर 1975

आयकर

आदेश सं० 1/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/75-76/1—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) और (2) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1 का आयकर आयुक्त मैं निदेश देता हूँ कि अधिसूचना सं० 18/74-75 दिनांक 4-3-75 द्वारा संशोधित इस कार्यालय के आदेश सं० 1/73-74 [सी० सं० 1 (19) बी०/जी० एल०/73-74 दिनांक 12-7-73] के संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह आदेश 10-11-75 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

(1) कोलम (3), पृष्ठ 8, पद सं० 12 (त्रिवेन्द्रम) के नीचे “आयकर अधिकारी-वसूली” के स्थान पर “आयकर अधिकारी ई-वार्ड” जोड़िये।

आदेश सं० 2/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) / जी० एल०/75-76/1—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 (2) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1 का आयकर आयुक्त मैं निदेश देता हूँ कि अधिसूचना सं० 2/74-75 दिनांक 4-3-1975 द्वारा संशोधित इस कार्यालय के आदेश संख्या 2/73-74, दिनांक 12-7-73 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/73-74] में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह आदेश 10-11-75 में पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (4), आयकर सिकिल त्रिवेन्द्रम के नीचे “आयकर अधिकारी, वसूली, आयकर सिकिल, त्रिवेन्द्रम के स्थान पर “आयकर अधिकारी, ई-वार्ड, त्रिवान्द्रम जोड़िए।

(2) आयकर सिकिल, त्रिवेन्द्रम के सभी आयकर अधिकारी उक्त आदेश सं० 2/73-74 में अनुसूची के कोलम (2) और (3) में विनिर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे।

दिनांक 11 दिसम्बर, 1975

आदेश सं० 5/75-76

सी० सं० 1 (19) (बी०) / जी० एल०/75-76/1—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 में उपधारा (2) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1 का आयकर आयुक्त मैं निदेश देता हूँ कि, समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय के आदेश सं० 1/73-74 [सी० सं० 1 (9) बी० / जी० एल० / 73-74 दिनांक 12-7-73] के संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह आदेश 10-12-75 के अपराह्न से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (6), पद सं० (9) (आलप्पी). कोलम (3) के नीचे पद IV के रूप में “आयकर अधिकारी डी०-वार्ड” जोड़िये।

आदेश सं० 6/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल० / 75-76/1—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (2) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1 का आयकर आयुक्त, मैं निदेश देता हूँ कि, समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय के आदेश सं० 2/73-74, दिनांक 12-7-73 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/

73-74] में संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह आदेश 10-12-1975 में अपराह्न से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (3) आयकर सिकिल, आलप्पी के नीचे, आयकर अधिकारी सी-वार्ड, आलप्पी के बाद “आयकर अधिकारी डी-वार्ड आलप्पी” जोड़िये।

(2) आयकर सिकिल आलप्पी के सभी आयकर अधिकारी आदेश सं० 2/73-74 की अनुसूची में कोलम (2) और (3) में विनिर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे।

दिनांक 14 जनवरी 1976

आदेश सं० 9/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/75-76/1 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 में उपधारा (2) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1 का आयकर आयुक्त मैं निदेश देता हूँ कि, समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय के आदेश सं० 1/73-74 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/ 73-74] दिनांक 12-7-73, के संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह आदेश 19-1-76 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (4), कोलम (3), पद सं० (6) (परणाकुलम) के नीचे पद सं० IX के रूप में “आयकर अधिकारी डी-वार्ड” जोड़िये।

(2) वर्तमान पद (IV) से (IX) के स्थान पर पद (V) से (X) पढ़ा जायेगा।

आदेश सं० 10/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल० / 75-76/1—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 (2) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1 का आयकर आयुक्त मैं निदेश देता हूँ कि समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय के आदेश सं० 2/73-74, दिनांक 12-7-73 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/ 73-74] में संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह आदेश 19-1-1976 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (2), आयकर सिकिल, परणाकुलम के नीचे आयकर अधिकारी, सी०-वार्ड, परणाकुलम के बाद “आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, परणाकुलम” जोड़िये।

(2) आयकर सिकिल, परणाकुलम के सभी आयकर अधिकारी उक्त आदेश सं० 2/73-74 की अनुसूची में कोलम (2) और (3) में विनिर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे।

पी० सदगोपन

आयकर आयुक्त केरल-1

कोच्चीन-16 दिनांक 4 नवम्बर 1975

धनकर

आदेश सं० 3/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) / जी० एल०/75-76/1 :—धनकर अधिनियम, 1957 की धारा 8 (अ) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1, का धनकर आयुक्त मैं निदेश देता हूँ कि आदेश सं० 20/74-75, दिनांक 4-3-75 द्वारा संशोधित इस कार्यालय के आदेश सं० 3/73-74, दिनांक 12-7-1973 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/

73-74] में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह आदेश 10-11-75 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (4), आयकर सक्ति, त्रिवेन्द्रम के नीचे “आयकर अधिकारी, वसूली, आयकर सक्ति, त्रिवेन्द्रम” के स्थान पर “आयकर अधिकारी ई-वार्ड, द्विवानडूम” जोड़िये।

(2) आयकर सक्ति त्रिवेन्द्रम के सभी आयकर अधिकारी उक्त आदेश सं० 3/73-74 में अनुसूची के कॉलम (2) और (3) में निर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे।

दिनांक 11 दिसम्बर 1975

आदेश सं० 7/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/75-76/1—धनकर अधिनियम 1957 की धारा (8) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1, का धनकर आयुक्त मैं निदेश देता हूँ कि समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय में आदेश सं० 3/73-74, दिनांक 12-7-73 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/73-74] के संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह आदेश 10-12-75 के अपराह्न से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (4) आयकर सक्ति, आलप्पी के नीचे आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, आलप्पी के बाद “आयकर अधिकारी डी-वार्ड, आलप्पी” जोड़िये।

(2) आयकर सक्ति, आलप्पी के सभी आयकर अधिकारी, आदेश सं० 3/73-74 की अनुसूची के कॉलम (2) और (3) में निर्दिष्ट कार्यों का पालन करेंगे।

दिनांक 14 जनवरी 1976

आदेश सं० 11/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/75-76/1—धनकर अधिनियम 1957 की धारा (8) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1, का धनकर आयुक्त मैं निदेश देता हूँ कि समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय में आदेश सं० 3/73-74 दिनांक 12-7-73 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/73-74] के संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह आदेश 19-1-76 में पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (2), आयकर सक्ति, एरणाकुलम के नीचे आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, एरणाकुलम के बाद “आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, एरणाकुलम” जोड़िये।

(2) आयकर सक्ति, एरणाकुलम के सभी आयकर अधिकारी उक्त आदेश सं० 3/73-74 में अनुसूची के कॉलम (2) और (3) में निर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे।

पी० सद्गोपन,

धनकर आयुक्त, केरल-1

कोचीन-16, दिनांक 4 नवम्बर 1975

उपहार कर

आदेश सं० 4/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/75-76/1—उपहार कर अधिनियम की धारा 7 (अ) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधि-

कारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1, का उपहार कर आयुक्त मैं, निदेश देता हूँ कि आदेश सं० 21/74-75, दिनांक 4-3-75 द्वारा संशोधित इस कार्यालय के आदेश सं० 4/73-74, दिनांक 12-7-73 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/73-74] में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह आदेश दिनांक 10-11-75 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (4) आयकर सक्ति, त्रिवेन्द्रम के नीचे “आयकर अधिकारी वसूली, आयकर सक्ति, द्विवानडूम” के स्थान पर “आयकर अधिकारी ई-वार्ड, त्रिवेन्द्रम” जोड़िये।

(2) आयकर सक्ति द्विवानडूम के सभी आयकर अधिकारी उक्त आदेश सं० 4/73-74 में अनुसूची के कॉलम (2) और (3) में निर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे।

दिनांक 11 दिसम्बर 1975

आदेश सं० 8/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/75-76/1—उपहार कर अधिनियम, 1958 की धारा (7) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1 का उपहार कर आयुक्त मैं, निदेश देता हूँ कि समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय के आदेश सं० 4/73-74, दिनांक 12-7-73 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/73-74] के संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह आदेश 10-12-75 के अपराह्न से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (3), आयकर सक्ति, आलप्पी के नीचे आयकर अधिकारी सी-वार्ड, आलप्पी के बाद “आयकर अधिकारी, डी वार्ड” जोड़िये।

(2) आयकर सक्ति आलप्पी के सभी आयकर अधिकारी उक्त आदेश सं० 4/73-74 में अनुसूची के कॉलम (2) और (3) में निर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे।

दिनांक 14 जनवरी 1976

आदेश सं० 12/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/75-76/1—उपहार कर अधिनियम, 1958 की धारा (7) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1 का उपहार कर आयुक्त (एरणाकुलम) मैं, निदेश देता हूँ कि समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय में आदेश सं० 4/73-74 दिनांक 12-7-73 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/73-74] की संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह आदेश 19-1-76 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (2) आयकर सक्ति, एरणाकुलम के नीचे आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, एरणाकुलम के बाद “आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, एरणाकुलम” जोड़िये।

(2) आयकर सक्ति एरणाकुलम के सभी आयकर अधिकारी उक्त आदेश सं० 4/73-74 के अनुसूची के कॉलम (2) और (3) में निर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे।

पी० सद्गोपन,

उपहार कर आयुक्त, केरल-1

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जनवरी 1976

निर्देश सं० 280/ए०सी० व्यू०-23-631/6-1/75-76-  
प्रत. मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टीका नं० 2 सं० नं० 12-के० प्लॉट नं० 1, 2 और 3 है तथा जो नवाबवाड़ा रावपुरा बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती हत्सी बेगम डा० सैयद फखरुद्दीन की विधवा नवाबवाड़ा रावपुरा बड़ोदा (अन्तरक)

2. सै० मोतीभाई पटेल एण्ड कं० भागीदार : पटेल मोतीभाई छोटाभाई कुमार बाबा नाका सलारवाड़ा बड़ोदा (अन्तरिती)

4. श्रीमती वली यूनिसा बेगम डा० सैयद फखरुद्दीन हुसेनखान की लड़की नवाबवाड़ा रावपुरा बड़ोदा (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन व पुराना मकान जिसका टीका नं० 10-2 सर्वे नं० 12-के प्लॉट नं० 1, 2 और 3 कुल माप 5400 वर्ग फुट है तथा जो नवाबवाड़ा रावपुरा बड़ोदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के जून 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3424, 3425 और 3427 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II अहमदाबाद

तारीख : 31-1-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जनवरी 1976

निर्देश सं० 281/ए०सी०क्यू० 23-632/6-1/75-76—  
अतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सेन्स न० S4-153 और न्यू सी० नं० 13-  
357 है तथा जो शास्त्रीबाग बड़ोदा कालेज के सामने एल० एम०  
पी० मकान के पीछे मयाजी गंज बड़ोदा में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन जून 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शान्तिलाल मंगललाल पटेल शास्त्री बाग बड़ोदा  
कालेज के सामने मयाजीगंज बड़ोदा (अन्तरक)

2. श्री शनीराम मौजीराम यादव याकुतपुर पटेल फालिया  
बड़ोदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जिसका सं० नं० S-4-153 और न्यू सं०  
नं० S-13-357 है तथा जो श्री जी० कोआपरेटिव हाउसिंग  
सो० लि० ब्लॉक नं० ए०-1 शास्त्रीबाग बड़ोदा कालेज के सामने  
मयाजी गंज बड़ोदा में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 760 वर्गफुट  
है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के जून 1975 के रजिस्ट्री-  
कृत नं० 3583 और 3586 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

तारीख: 31-1-1976  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1976

निदेश सं० 282/ए०सी०क्यू० 23-467/6-1/75-76—  
यतः मझे पी० एन० मित्तल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
और जिनकी सं० बी० टीका नं० 10-2 सं० नं० 12-सी प्लॉट  
नं० 4 और 5 है तथा जो नवाबवाडा रावपुरा बड़ोदा में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम'  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती एल्सी बेगम सैयद फखरुद्दीन हुसेनखान की विधवा,  
नवाबवाडा, बड़ोदा (अन्तरक)

2. मै० शैलेश चेम्बरस को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
लि० नवाबवाडा बड़ोदा की ओर से :

1. प्रमुख :— भाईलाल भाई एन० पटेल कृष्णकृपा  
हाउसिंग सोसायटी, जूना पादरी रोड, बड़ोदा (अन्तरिती)

(2) सेक्रेटरी :— कंचनलाल हीराभाई पटेल 8-बी,  
हरी सोसायटी, आजवा रोड, बड़ोदा ।

4. श्रीमती वली यूनिसा बेगम डा० सैयद फखरुद्दीन हुसेन-  
भाई (स्वर्गीय) की सुपुत्री, नवाबवाडा बड़ोदा (वह व्यक्ति  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध  
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जमीन व मकान जो नवाबवाडा, बड़ोदा कमवा, बी-टीका  
नं० 10-2 सं० नं० 12-सी प्लॉट नं० 4 और 5 पर स्थित  
कुल माप 4356 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
बड़ोदा के जून 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3407 और  
3409 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 2-2-1976

मोहर :

परूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1976

निदेश सं० 283/ए०सी० क्यू० 23-467/6-1/75-76—

प्रतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी० टीका

न० 10-2 सं० नं० 12-बी है तथा जो नवाबवाडा, बड़ोदा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्रीमती बली यूनिता बेगम, डा० सैयद फखरुद्दीन हुसेनखान (स्वर्गीय) की सुपुत्री नवाबवाडा, बड़ोदा (अन्तरक)

2. मै० शैलेश चेम्बर्स को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, नवाबवाडा, बड़ोदा की ओर से उसके:

1. प्रमुख: भाईलाल एन० पटेल, कृष्णकृपा हाउसिंग सोसायटी, नूना पादरी रोड, बड़ोदा।

2. सेक्रेटरी: कंचनलाल हीराभाई पटेल, 8-बी, हरी सोसायटी, आजवा रोड, बड़ोदा। (अन्तरिती)

4. श्रीमती एल्सी बेगम, सैयद फखरुद्दीन हुसेनखान की विधवा, नवाबवाडा, बड़ोदा। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो नवाबवाडा, बड़ोदा कस्बा, बी-टीका न० 10-2, सं० नं० 12-बी पै की कुल माप 3960 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के जून 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3410 और 3412 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 2-2-1976

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1976

निदेश सं० 284/ए०सी० यू० 23-633/6-1/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सं० न० 78, प्लॉट नं० 53 बड़ोदा कसबा है, तथा जो हरीभवती कालशोनी, रेस कोर्स सर्कल के पास, बड़ोदा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मरविन्द डाह्याभाई पटेल, 127-129, गगदीन स्ट्रीट, बम्बई-400003। (अन्तरक)

2. मैं तेजाम फ्लैट ओनर्स को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लि०, मारफत वाम्बे शाफिंग सेंटर, रेस कोर्स, बड़ोदा। (अन्तरिती)

4. विनोद सुरा, बम्बई। (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवृत्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जेतलपुर, बड़ोदा कसबा, प्लॉट नं० 53 सर्वे नं० 78 (जून सर्वे नं० 82) पर स्थित अचल संपत्ति जिसका क्षेत्रफल 10710 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के जून 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3778 में प्रदर्शित है।

ए० के० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 3-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-800(263)/1-1/  
75-76—अतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०  
फायनल प्लॉट नं० 517-2-बी०, टी० पी० एस०  
नं० 3, है, जो नेहरू ब्रिज के पास, आश्रम रोड़, अहमदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
7-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-476GI/75

1. मेसर्स साधुराम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथा उसकी ओर  
से:—

- (1) श्री साधुराम बी० अंदाजी,
- (2) ,, गोरधनलाल एस० अंदाजी,
- (3) ,, कीशनलाल एस० अंदाजी,
- (4) कुमारी भाग्यवती एस० अंदाजी,

नेताजी कलाथ मार्केट, कालुपुर कोटनी रांग, अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

2. मेसर्स रैन्सन्स कारपोरेशन, की ओर से भागीदार:—  
श्री ज्योतिप ए० शाह, 426-चोकवा बाजार, अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका आफिस नं० ए०-52 है तथा जो  
केपीटल कमर्शल सेंटर के चौथे मंजल पर ब्लॉक ए में स्थित है  
और जिसका फायनल प्लॉट नं० 517-2-बी०, टी० पी० एस०,  
नं० 3 है तथा जो नेहरू ब्रिज के पास, आश्रम रोड़, अहमदाबाद में  
स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-76  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-665(264)/1-1/  
75-76—अतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 24 एफ० पी० 29 एस० पी० नं० ए टी० पी० एस० नं० 18 है जो राजपुर हीरपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दि अहमदाबाद न्यू काटन मिन्स कं० लि० की ओर से :—

- (1) श्री रमेश चंदूलाल—डायरेक्टर
- (2) बिपिन चंदूलाल—डायरेक्टर
- (3) एस० के० भीमवाला—सेक्रेटरी अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री महावीर क्लार्क मर्केट ओनर्स एसोसियेशन की ओर से :—

प्रधान :—श्री रमिकलाल बान्नाभाई शाह

उप-प्रधान—श्री रमिकलाल दोलचंद शाह

सेक्रेटरी :—श्री जितेन्द्र कुमार जीधुभाई कान्तीलाल पटेल अहमदाबाद।  
(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 2942 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 24 टी० पी० एस० नं० 18, एफ० पी० नं० 29 सब प्लॉट नं० ए है तथा जो राजपुर हीरपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 24-6-75 वाले दस्तावेज नं० 8774 में दिया गया है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख 5-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1976

निर्देश नं० ए० सी० क्यू०-23-1-670(265)/1-1/  
75-76-अन० मुझे जे० कथूरिया आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 336 टी० पी० एम० नं० 2 एफ० पी०  
नं० 24 तथा 25 एम० पी० नं० 2 है जो राजपुर हीरपुर आस्टो-  
डिया दरवाजे के बाहर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1906 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री वीतूभाई अपाभाई पटेल रन्छोड भुवन प्राणकुज  
भोमायटी काकरीया रोड़, मणीनगर, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. (i) श्री राजकुमार गंगा राम वीजाणी,

(ii) श्रीमती किरण प्रेम वीजाणी,

प्रेम कुटीर 34 मेन एवेन्यू शान्ताश्रुज बम्बई-54

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अचल संपत्ति का एक तिहाई भाग जो 487 वर्ग गज  
भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 336 टी० पी० एम०  
नं० 2 एफ० पी० नं० 24 तथा 25 एम० पी० नं० 2 है तथा जो  
राजपुर हीरपुर आस्टोडिया दरवाजे के बाहर अहमदाबाद में स्थित  
है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 17-6-75 वाले दस्तावेज नं० 5000  
में दिया गया है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

तारीख : 5-2-1976

मोहर :

रूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० ब्यू०-23-I-670(266)/1-1/75-76—अतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 336 टी० पी० एम० नं० 2 एफ० पी० नं० 24 तथा 25 एम० पी० नं० 2 है जो राजपुर हीरपुर आस्टोडिया दरवाजे के बाहर अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अरविन्द भाई अपाभाई पटेल रन्डेड भुवन प्राणकुंज मोमायटी काकरीया रोड, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. (i) श्री राजकुमार गंगाराम बीजाणी,

(ii) श्रीमती किष्ण प्रेम बीजाणी

प्रेम कुटीर 34 मेन ऐक्व्यू शान्ताकूज बम्बई-54

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल संपत्ति का एक तिहाई भाग जो 487 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 336 टी० पी० एम० नं० 2, एफ० पी० नं० 24 तथा 25, एम० पी० नं० 2 है तथा जो राजपुर हीरपुर आस्टोडिया दरवाजा के बाहर अहमदाबाद में स्थित है तथा जिनका पूर्ण वर्णन 17-6-75 वाले दस्तावेज नं० 5001 में दिया गया है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5-2-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० ब्यू०-23-I-670(267)/1-1/  
75-76—अतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे न० 336, टी पी० एस० नं० 2, एफ० पी० नं० 24 तथा 25, एस० पी० नं० 2 है, जो राजपुर हीरपुर, आस्टोडिया दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जेसूभाई अपाभाई पटेल, रन्धोड भुवन, प्राण-कंज सोमायटी, कांकरीपा रोड, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. (i) श्री राजकुमार गंगाराम बीजाणी,

(ii) श्रीमती किरण प्रेम बीजाणी, प्रेम कुटीर, 34 प्रेमन एवेन्यू, शान्ताव्रज, वम्बई-54। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति का एक तिहाई भाग जो 487 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिनका सर्वे नं० 336, टी० पी० एस० नं० 2, एफ० पी० नं० 24 तथा 25, एस० पी० नं० 2 है तथा जो राजपुर हीरपुर, आस्टोडिया दरवाजे के बाहर अहमदाबाद में स्थित है तथा जिनका पूर्ण वर्णन 17-6-75 वाले दस्तावेज नं० 4999 में दिया गया है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1976

निर्देश सं० ए० सी० ५००-23-1-801(268)/1-1/  
75-76—अतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्व

नं० 39, 40, 52 से 55 तक, 62, 60-1, असल प्लॉट नं० 38, 38-ए सर्वे नं० रेकार्ड के अनुसार 39-ए प्लॉट नं० 75, टी० पी० एम० नं० 22, एफ० पी० नं० 172 है, जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. (1) श्री वाडीलाल दलसुख भाई गांधी, पालनी पोल, माणिक चौक, अहमदाबाद।

(2) श्री हिम्मतलाल, चिमनलाल गांधी, स्वयं तथा हिम्मतलाल चिमनलाल गांधी, एच० यू० एफ० के मैनेजर की हैसियत से—आम्ली नी पोल, रायपुर, अहमदाबाद।

(3) श्री प्रवीण चंद्र चिमनलाल गांधी, स्वयं तथा प्रवीण चंद्र चिमनलाल गांधी, एच० यू० एफ० के मैनेजर की हैसियत से, पूर्णिमा पार्क सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद।

(4) श्री राजेन्द्रभाई चिमनलाल गांधी, स्वयं तथा राजेन्द्रभाई चिमनलाल गांधी, एच० यू० एफ० के मैनेजर की हैसियत से, नागजी भूदर भी पोल, माणिक-चौक, अहमदाबाद।

(5) श्रीमती भूरीबेन विधवा चिमनलाल दलसुख भाई गांधी, अहमदाबाद।

(6) श्रीमती सवीताबेन चिमनलाल गांधी, अहमदाबाद।

(7) श्रीमती नीरुबेन चिमनलाल गांधी, अहमदाबाद।

(8) श्रीमती पद्माबेन चिमनलाल गांधी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सेवक शाह धनजी शाह ग्रीन, "ग्रीन विल्ला", मिरजापुर, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

3. श्री बलवंत राई नर्मदाशंकर लिवेदी, नर्मदा कालोनी, शाहीवाग, अहमदाबाद। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 932 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 39, 40, 52 से 55 तक, 62, 60-1, असल प्लॉट नं० 38, 38-ए, रेकार्ड के अनुसार सर्वे नं० 39-ए प्लॉट नं० 75, टी० पी० एम० नं० 22, एफ० पी० नं० 172, है तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 17-6-75 वाले दस्तावेज नं० 8018 में दिया गया है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 6-2-1976

मोहर :

## प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 जनवरी, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-695(260)/1-1/75-76—अतः मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 88, 89 तथा 100, याडज गांव, टी० पी० एस० नं० 2, एस० पी० नं० 3, है, जो शंकर सोसायटी, नाराणपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामप्रसाद प्रह्लादजी पटेल, 3 शंकर की० ग्रा० हाउसिंग सोसायटी लि० नाराणपुरा चार गस्ता अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. (1) श्री हरीश अम्बालाल कपासी.

(2) हेमन्त अम्बालाल कपासी. 4 नवीन पार्क, रेलवे कांसिंग के पास, अहमदाबाद-13 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक दो मंजला मकान, जो 480 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 88, 89 तथा 100 है तथा जो याडज गांव, टी० पी० एस० नं० 29, तथा सब प्लॉट नं० 3, शंकर सोसायटी नाराणपुरा चार गस्ता, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 27-1-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-802(269)/1-1  
75-76—अतः मुझे जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० टी० पी० एम० नं० 3 एफ० पी० नं० 931  
सब प्लॉट नं० 3, है, जो एलिस ब्रिज पालडी अहमदाबाद में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
18-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ताबेन जेठालाल, स्वामी नारायण मंदिर,  
टावर वाला खांचा मणीनगर अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती मगूबेन रतीलाल,

(2) ,, कमलाबेन नटवरलाल, जोलापुर गांव  
ता०—माणंद, डिस्ट्रिक्ट :—अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अविभक्त अचल संपत्ति का तीन चौथाई भाग (604  
वर्ग गज भूमि का तीन चौथाई भाग) जिसका क्षेत्रफल 453  
वर्ग गज है तथा जिसका टी० पी० एस० नं० 3, एफ० पी० नं०  
931, सब प्लॉट नं० 3 है तथा जो एलिस ब्रिज, पालडी, अहमदाबाद  
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 18-6-75 वाले दस्तावेज  
नं० 8545 में दिया गया है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निदेश सं० ए० सी० ब्यू०-23-1-803(270)/1-1/  
75-76--अतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 3, फायनल प्लॉट नं० 931,  
सब प्लॉट नं० 3 है, जो एलिस-ब्रिज, पालडी, अहमदाबाद में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
18-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नायों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन्य अथवा उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—  
5—476GI/75

1. श्री रमिकलाल पुरषोत्तमदास, स्वामी-नारायण मंदिर  
वाला खांचा, मणीनगर, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती मंगूबेन रतीलाल,

(2) श्रीमती कमलाबेन नटवरलाल, जोलापुर गांव,  
ता० साणंद, डिस्ट्रिक्ट :—अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
निये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टव्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाग  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

एक अविभक्त अवसल सम्पत्ति का एक चौथाई भाग (604  
वर्ग गज भूमि का एक चौथाई भाग) जिसका क्षेत्रफल 151 वर्ग  
गज है) तथा जिसका टी० पी० एस० नं० 3, फायनल प्लॉट नं०  
931, सब प्लॉट नं० 3 है तथा जो एलिस ब्रिज, पालडी, अहमदाबाद  
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 18-6-75 वाले दस्तावेज  
नं० 8546 में दिया गया है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० टी०आर०-57/सि०-69/कल०-1/75-76—अतः  
मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

प्रायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16 है तथा जो तिरिहा बाजार स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5-गवर्नमेंट प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती रमा साहा (अन्तरक)

2. श्रीमती मु० जारिणा बेगम (अन्तरिती)

3. जनाब आस महम्मद (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16, तिरिहा बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, 6 कट्टा 3 छटाक 22 वर्ग फिट जमीन पर आधा तैयार एक तल्ला, मकान का अविभाजित 1/6 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, 54 रफी अहमद  
किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 4-2-76  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० टि०आर०-43/सी०-32/कल-1/75-76—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० 34/1, 34/1बी० एण्ड 35 है तथा जो आचार्य  
प्रफुल्ल चन्द्र रोड और 46, सूर्य सेन स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्लेस  
नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 11-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ओरिएण्ट एस्टेट एण्ड मैन्युफैक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड।  
(अन्तरक)

2. (1) नरेन्द्र नाथ साहा, (2) बीरेन्द्र नाथ साहा  
(3) रतन लाल साहा (4) सेलेन्द्र नाथ साहा (5) मानिक  
लाल साहा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईटका स्टाक भार जो 34/1, 34/1बी० एण्ड 35 आचार्य  
प्रफुल्ल चन्द्र रोड में 17 कट्टा 11 छटाक 13 वर्ग फिट  
जमीन पर और 461, सूर्य सेन स्ट्रीट में 3 कट्टा 2  
छटाक 37 वर्ग फिट जमीन पर अवस्थित है।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, 54, रफी अहमद किवर्षई  
रोड, कलकत्ता-16

तारीख 4-2-76  
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देशा सं० टि०आर०-60/सी०-72/कल०-1/75-76--अतः  
मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 166 है तथा जो बँटखाना रोड, कलकत्ता  
में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट  
प्लेस, नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 25-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में बारम्बारिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

1. श्रीमती कृष्णा चटर्जी (अन्तरक)
2. श्रीमती कल्याणी घोष (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्रमिसेज नं० 166 बँटखाना रोड, कल०-9।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, 54, रफी अहमद  
किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 4-2-76  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 3 फरवरी 1976

निदेश सं० टी०आर०-62/सी०-74 कल०-1/75-76—अतः  
मुझे. एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० 6 है तथा जो टट्टी लेन कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्लेस  
नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 17-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसके बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री (1) चण्डिका प्रसाद बनार्जी (2) गौरी  
बनार्जी (3) तारा बनार्जी (4) सङ्गरी बनार्जी (5) भगवती  
बनार्जी कृपामयी मुखार्जी (7) गीता चटार्जी (8) रानु चटार्जी  
(9) अन्नपूर्णा देबी (अन्तरक)

2. (1) अम्बिका प्रसाद बनार्जी (2) अमल कुमार  
बनार्जी (3) अशोक कुमार बनार्जी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 टट्टी लेन में अवस्थित लगभग 16 कट्टा जमीन पर  
पक्का दो तल्ला और आंशिक एक तल्ला मकान 1 अन्तरक  
का उग पर 1/6 हिस्सा है।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, 54, रफी अहमद किदवाई  
रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 3-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती शान्ति देवी गुप्ता (अन्तरक)

2. श्रीमती गंगा देवी कुलिया (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० ए०सी०-232/आर०-IV कल०/75-76—अतः मुझे, ए० के० बटव्याल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 38-ए है तथा जो चोरबागान लेन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अनुसूची

38-ए चोरबागान लेन, कलकत्ता-7 में 9 1/2 कट्ठा जमीन और उस पर मकान।

ए० के० बटव्याल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-2-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० ए०सी०-40/आर०-II/कल०/75-76—अतः  
मुझे, आर० बी० लालमोया  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 22/1-ए० है तथा जो मोहन चांद रोड़,  
पी० एस० बथाटगंज, कलकत्ता-23 में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार आलोपुर सदर  
24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 17-9-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबन 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कमल कृष्ण घोष, अभिभावक— देवरी घोष  
22/1ए, मोहन चांद रोड़, कल०-23 (अन्तरक)

2. श्री भोलानाथ घोष और श्रीमति शान्तिलता घोष, 44/सी०  
सरकुलर गार्डन रीच रोड़, पी०एस० डकबालपुर, कलकत्ता-  
23। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन का अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

22/1-ए मोहन चांद रोड़, कल०-23 में अवस्थित  
5 कट्टा 11 छटाक खाली जमीन पर रट्टी मकान है।

आर० बी० लालमोया  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता -1 6

तारीख : 4-2-76  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

1. मेजर सचिन्द्र नारायण राई देव बर्मा ( (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ(1) के अधीन सूचना

2. अमिताभ बामु (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ ।

कलकत्ता, दिनांक 4 फरवरी 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० ए०सी०-233/आर०-IV/कल०/75-76—अतः मुझे,  
ए० के० बटव्याल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० -267 है तथा जो लेकटाउन,  
बमदम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
आलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 25-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ  
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मौजा—पातिपुकर, प्लॉट सं०-267, प्लाक-बी०, लेक टाउन,  
थाना-बमदम, जिला 24-परगना में 5 कट्टा 5 छटाक  
13 स्क्वायर फिट खाली जमीन ।

ए० के० बटव्याल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफी अहमद किववई रोड,  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 4-2-1976  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती प्रमिता राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मुहम्मद सलीम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 फरवरी 1976

६. जनाब आस मुहम्मद (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० टी०आर०-58/सी०-70/कल०-I/75-76—

अतः मुझे, सं० क० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 16 है तथा जो टिरिटा बाजार स्ट्रीट, कल०  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्न-  
मेंट प्रेस नाथ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 28-6-75 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के शायिस्व में कमी करने या उसमें बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—476GI/75

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16,, टिरिटा बाजार कलकत्ता में अवस्थित 6 कट्टा  
3 छटाक 22 वर्ग फिट जमीन पर आधा तैयार एक तस्ला  
मकान का अविभाजित 1/6 हिस्सा।

सं० क० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-154, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 4-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० टी०आर०-59/सी०-71/कल०-I/75-76—अतः

मुझे, सं० क० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 16 है तथा जो टिरिट्टा बाजार स्ट्रीट कल-  
कत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
5, गवर्नमेंट प्रैस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्रीमती कमला राणी साहू (अन्तरक)

2. मुः सुलताना बेगम (अन्तरिती)

3. जनाब आम महम्मद (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

16, टिरिट्टा बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 6  
कट्टा 3 छटाक 22 वर्गफिट जमीन पर आधा तैयार मकान  
का अविभाजित 1/6 हिस्सा।

सं० क० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 4-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० पी०टी०ए०/1181/75-76—अतः मुझे,  
विवेक प्रकाश मिनोचा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 49 बीघे 17 बिस्वे भूमि है तथा जो गांव रनबीर पुरा तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री काला सिंह गांव रनबीर पुरा, तहसील पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री (1) गुरमीत सिंह (2) अमरजीत सिंह (3) हरमीत सिंह (4) हरजीत सिंह पुत्र श्री बलबीर सिंह, गांव रनबीर पुरा, तहसील पटियाला, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्रावण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

49 बीघे, 17 बिस्वे भूमि जो कि गांव रनबीरपुरा, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2873, सितम्बर, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4-2-76

मोहर :

प्रत्येक प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

156, सैक्टर 9 बी, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० पी०टी०ए०/317/75-76—प्रतः मुझे, विवेक  
प्रकाश भिनोचा, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 78 कनाल 17 मरले भूमि द्यूबवैल, कमरे  
और इन्जन के सहित है तथा जो गांव बखशीवाला, तहसील  
पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
मरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. सर्वश्री (i) गुरवीप सिंह, (ii) महिन्द्र सिंह,  
(iii) जगिन्द्र सिंह (iv) स्वर्न सिंह (v) परदुमन सिंह  
पुत्र ईशर सिंह निवासी गांव बखशीवाला, तह० तथा जिला  
पटियाला। (अन्तरक)

2. (i) श्री महिन्द्र सिंह (ii) श्री जगिन्द्र सिंह पुत्र  
श्री मोहन सिंह निवासी गांव बखशीवाला, तहसील तथा  
जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

1. उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

78 कनाल 17 मरले भूमि द्यूबवैला कमरे और इन्जन  
के सहित जोकि गांव बखशीवाला, तहसील पटियाला में स्थित  
है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 1259, जून, 1975  
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश भिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4-2-76  
मोहर :



## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० पी०टी०ए०/1150/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी सं० 44 बीघे 10 बिस्वे भूमि है तथा जो गांव कौली, तहसील पटियाला में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुन्दन कौर, विधवा श्री साधू सिंह निवासी गांव कौली, तहसील पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह निवासी गांव झील, तहसील, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

44 बीघे 10 बिस्वे भूमि जो कि गांव कौली, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2422, अगस्त, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1976

1. श्रीमति गुरबचन कौर, पुत्री श्री बख्शीर सिंह निवासी  
गांव कौली, तहसील पटियाला। (अन्तरक)2. श्री हरिदयाल सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, गांव झील,  
पटियाला। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।निदेश सं० पी०टी०ए०/1151/75-76—अतः मुझे, विवेक  
प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 44 बीघे 9 बिस्वे भूमि है तथा जो गांव  
कौली, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,  
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

44 बीघे 9 बिस्वे भूमि जो कि गांव कौली तहसील  
पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2423 अगस्त, 1975  
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा  
है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० पी०टी०ए०/614/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 103 कनाल 10 मरले भूमि द्यूबवैल पांच हास पावर की मोटर और कनेक्शन के सहित है तथा जो गांव बखशीवाला तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अमर कौर विधवा श्री हरदयाल सिंह निवासी नाभा गेट पटियाला। (अन्तरक)

2. (1) श्री भूपिन्द्र सिंह पुत्र श्री गज्जन सिंह (2) श्रीमती नछतर कौर, पत्नी श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री गज्जन सिंह (3) श्री बीरेन्द्र सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह निवासी पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

103 कनाल 10 मरले भूमि, द्यूबवैल, 5 हास पावर की मोटर और बिजली के कनेक्शन के सहित, जो कि गांव बखशीवाला, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के बिलेख नं० 1420 जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० पी०टी०ए०/1499/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० 97 कनाल 8 मरले भूमि है तथा जो गांव बखशीवाला, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अमर कौर, विधवा श्री हरिदयाल सिंह निवासी नाभा गेट, पटियाला। (अन्तरक)

2. (1) श्री भूपिन्द्र सिंह, पुत्र श्री गजजन सिंह (2) श्रीमती नछतर कौर पत्नी श्री गुरनाम सिंह (3) श्री वीरेन्द्र सिंह, पुत्र श्री गुरनाम सिंह, निवासी पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

97 कनाल 8 मरले भूमि जोकि गांव बखशीवाला, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 1421 जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख . 4 फरवरी, 1976  
मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ दिनांक, 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी०एच०डी०/226/75-76—अतः मझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 8 है, तथा जो सैक्टर 19-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ [की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-476GI/75

1. श्रीमती ससंवती देवी, पत्नी श्री जुगल किशोर मारफत में० कन्हैया लाल जुगल किशोर कपड़े के व्यापारी गांधी चौक हिसार, द्वारा उसके मकनयाग आम श्री जुगल किशोर, पुत्र श्री कन्हैया लाल (अन्तरक)

2. (1) मेजर गुरमीत इन्द्र सिंह गरेवाल, पुत्र श्री दविन्द्र सिंह, गरेवाल (2) श्रीमती मुखलीन गरेवाल, पत्नी मेजर गुरमीत इन्द्र सिंह गरेवाल, निवासी वसी अफगाना (वसी पठाना) तहसील सरहिंद, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

3. (1) श्री किशन सिंह, पुत्र श्री बलवन्त सिंह 683 सैक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़ (2) श्री सुरेन्द्र कुमार (3) श्री फिलिप्स मारफत एस०सी०एफ० नं० 8 सैक्टर 19-डी०, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाप क्रम फ़ैलट नं० 8, सैक्टर 19-डी०, चण्डीगढ़।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4-2-1976

मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, तारीख 31 जनवरी 1976

निदेश सं० 99/75-76/ए०सी०क्यू०—यतः, मुझे, पी० सत्यनारायण राव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन धारवाड़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० 6 जो मारिया पेरेरा नामक है जो पंजिम म्युनिसिपलिटी के हद्द में गास्पर ड्यास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पंजिम में भारतीय रजिस्टर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1975 के दिन, डाक्युमेंट सं० 383 के अन्तर्गत को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कन्फेरियास रुनिदास डा इग्नेजा डी, पंजिम अपने प्रेसीडेंट, अटार्नी और ट्रेजरर से प्रतिनिधित्व और सभी पंजिम के वासी। (अन्तरक)

2. (1) मि० फिदा हुसैन (2) मिसज फातिमा मर्चेंट, (3) मि० फिरोज हुसैन मर्चेंट सभी प्लॉट नं० 12, बिल्डिंग 2, 5 स्टार अपार्टमेंट्स, बंद गार्डन रोड, पूना-1 के वासी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पंजिम म्युनिसिपलिटी के हद्द में गास्पर ड्यास में स्थित "मारिया पेरेरा" नामक आस्ती के प्लॉट सं० जी०-6 नामक जमीन का टुकड़ा जो 500 चदर मीटर मापन का है और जिसकी सीमाएं :

पूरब—प्लॉट नं० जी०-5

पश्चिम—प्लॉट नं० जी०-7

पी० सत्यनारायण राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़।

तारीख : 31-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़ सवजूर बिल्डिंग

धारवाड़-580004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० 100/75-76/एक्यू०—यतः, मुझे, पी०

सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० जी०-3 है जो मारिया पेरैरा नामक है तथा जो पंजिम म्युनिसिपैलिटी के हद्द में गास्पर डयास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप, से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्त अधिबारी के कार्यालय, पंजिम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-6-1975 के दिन डायुमेट नं० 438 के अन्तर्गत को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कन्फेरियास रुनिदास डा इयेजा डी पंजिम, अपने प्रेसीडेंट, अटार्नी और ट्रेजरर से प्रतिनिधित और सभी पंजिम के वासी। (अन्तरक)

2. (1) फ्रांको अगोस्टिन्हो मेनेसेस, सेंट एस्टेवाम गोवा के वासी (2) मिसेज सबीना रिमा रोडिगु, सेंट एस्टेवाम, गोवा के वासी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पंजिम म्युनिसिपैलिटी के हद्द में गास्पर डयास में स्थित "मारिया पेरैरा" नामक आस्ती का प्लॉट नं० जी०-3 नामक जमीन का टुकड़ा जो 500 चदर मीटर मापन का है और जिसकी सीमाएं:

उत्तर—इन्टर्नल रोड;

दक्षिण—खुला जगह

पूर्व—प्लॉट नं० जी०-2,

पश्चिम—प्लॉट नं० जी०-4।

पी० सत्यनारायण राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख: 31-1-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धारवाड-580004, अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड 580004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश न० 101/75-76/ए. क्यू०—अतः मुझे, पी० सत्यनारायण राव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लॉट न० सी०-8 है जो मारिया पेरेरा नामक पंजिम म्युनिसिपलिटि के हद्द में गास्पार डायस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पंजिम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 13-6-1975 के दिन डाक्यूमेंट न० 439 के अन्तर्गत को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कन्फेरियास रुनिदास आ इंग्रेजा डी पंजिम अपने प्रैक्टिसेट, अटार्नी और ट्रेजरर से प्रतिनिधित और सभी पंजिम के वासी। (अन्तरक)

2. मिसेम् फिलोमिना फर्नडिम्, जॉण् आर्वियर अलमेडा के बेटे कोलवा के वासी (गोवा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पंजिम म्युनिसिपलिटि के हद्द में गास्पार डायस में स्थित 'मारिया पेरेरा नामक आस्ति का प्लॉट न० जी०-8 नामक 'जमीन काटुकड़ा जो 500-चदर मीटर मापन का है और जिसकी सीमाएँ—

उत्तर—प्लॉट न० सी०-7

दक्षिण—प्लॉट न० सी०-9

पूर्व—इंटरनल रोड

पश्चिम—खाया जगह

पी० सत्यनारायण राव  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड

तारीख : 31-1-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निर्देश सं० 102/75-76/ए-क्यू०—यतः मुझे, पी० सत्यनारायण राव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० डी०-6 है जो मारिया पेरैरा नामक है जो पंजिम म्युनिसिपलिटी के हद् में गास्पेर डायस में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पंजिम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1975 के दिन डाक्यूमेंट नं० 545 के अन्तर्गत को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कन्फेरियास रुनिदास डा इग्नेजा डी पंजिम अपने प्रैसिडेंट, अटार्नी और ट्रैजरर से प्रतिनिधित और सभी पंजिम के वासी (अन्तरक)
2. मिसेम मरिया मकालडा डिसोजा, बागा में रहने वाली वेलिम मलसेटे (गोवा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पंजिम म्युनिसिपलिटी के हद् में गास्पेर डायस में स्थित "मारिया पेरैरा नामक आस्ति का प्लॉट नं० डी०-6 नामक जमीन का टुकड़ा जो 480 चदर मीटर मापन का है और जिसकी सीमाएं :—

उत्तर—प्लॉट नं० डी०-7

दक्षिण—प्लॉट नं० डी०-5

पूरब—मारिया पेरैरा आस्ति का बाकी जगह

पश्चिम—ईटर्नल रोड

पी० सत्यनारायण राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 31-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निर्देश सं०

—यत,

मुझे, पी० सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० सी०-5 है जो मारिया नामक पेरेरा नामक है जो पंजिम म्युनिसिपल्टी के हद् में गास्पर डायस में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पंजिम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-6-1975 के दिन डोक्यूमेंट नं० 465 के अन्तर्गत

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कन्फेरियास रुनिदास डा इग्नेजा डी० पंजिम, अपने प्रेसिडेंट अटार्नी और ट्रेजरर से प्रतिनिधित और सभी पंजिम (अन्तरक)

2. मेसर्स जोसेफिन सोइफ-रॉय, जोनायास वाज, डीचर के बेटे (2) श्री अथोनी जॉन सोझा-रॉय, कास्टेटियानो डि सोझा, वकील के बेटा 3. कुमारी अश्विन पीटर सौझा राय, सभी पंजिम के वासी (अथ बंले में) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पंजिम म्युनिसिपल्टी के हद् में गास्पर डायस में स्थित "मारिया पेरेरा" नामक आस्ति का प्लॉट नं० सी० 5 नामक जमीन का टुकड़ा जो 578 चदर मापन का है।

पी० सत्यनारायण राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़।

तारीख : 31-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० 104/75-76/ए०सी०क्यू०—यतः, मुझे,  
पी० मत्स्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी प्लॉट सं० सी०-14 है जो मरिया पेरैरा नामक है,  
जो पंजिम म्युनिसिपलिटि के हद्द में गॉस्पेर डायम में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पंजिम में रजिस्ट्रार अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-6-1975 के  
दिन डाक्युमेंट नं० 466 के अन्तर्गत को,  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कन्फेरियास रुनिवास डा इग्नेजा डी पंजिम, अपने  
प्रेसिडेंट, अटार्नी और ट्रेजरर में प्रतिनिधित्व और सभी पंजिम  
के बासी । (अन्तरक)

2. श्री टोमिंगो मन्युल रोड्रिगस श्री हिलारियो रोड्रिगस  
के बेटा संताना इल्हास (गोवा) के बासी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

पंजिम म्युनिसिपलिटि के हद्द में गॉस्पेर डायम में स्थित  
"मरिया पेरैरा" नामक आरैस्थी का प्लॉट नं० सी०-14 नामक  
जमीन का टुकड़ा जो 500 चदर मीटर मापन का है और जिसकी  
सीमाएं :—

उत्तर—खाली स्थल

दक्षिण—इंटर्नेल रोड ;

पूर्व—खाली जगह ;

पश्चिम—प्लॉट नं० सी०-15

पी० मत्स्यनारायण राव

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 31-1-1976

मोहर ;

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-5800 04 दिनांक, 31 जनवरी 1976

निदेश सं० 105/75-76/ए०सी०क्यू०—यतः मुझे,  
पी० मत्तनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी प्लॉट सं० सी०-15 जो मरिया पेरैरा नामक  
है, जो पंजिम म्युनिसिपैलिटी के हद्द में गाँस्पर डायस में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पंजिम में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-6-1976  
के दिन डाकूमेट सं० 478 के अंतर्गत,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कन्फेरियाम रनिदाम टा इग्रेजा डी० पंजिम, अपने  
प्रेसिडेंट, अटार्नी और ट्रेजरर से प्रतिनिधित्व और सभी पंजिम  
के वामी। (अन्तरक)

2. श्री शेख हुसैन शेख ईमाक त्रिसिनेमन का बेटा  
पंजिम (गोवा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

पंजिम म्युनिसिपैलिटी के हद्द में गाँस्पर डायस में स्थित  
'मरिया पेरैरा' नामक आस्ती के प्लॉट सं० सी०-15 नामक  
जमीन का टुकड़ा जो 500 चदर मीटर मापन का है और  
जिसकी सीमाएँ :—

उत्तर—खाली जगह और प्लॉट न० सी०-17

दक्षिण—इंटरनल रोड

पूर्व—प्लॉट न० सी०-14

पश्चिम—प्लॉट न० सी०-16

पी० मत्तनारायण राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख . 31-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-581004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० 106/75-76/ए०सी०क्यू०—यतः, मुझे,  
पी० सत्यनारायण राव  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी प्लॉट सं० ए०-7 जो मरिया पेरैरा नामक  
है, जो पंजिम म्युनिसिपलिटि के हद्द में, गॉस्पेर डायस में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पंजिम में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
26-6-1975 के दिन डाक्युमेंट सं० 498 के अन्तर्गत,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

8—476 GI/75

1. कन्फेरियास रुनिदाम डा इग्रेजा डी० पंजिम अपने  
प्रेसिडेंट, अटार्नी और ट्रेजरर से प्रतिनिधित और सभी पंजिम के  
सभी वासी । (अन्तरक)

2. श्री मरियो रोबरटो मंसफिटा जोसे रोबरटो एव-  
रिस्टो एफ० एन० डो० एस्पिरिटो एस० मेसफिटा का बेटा  
आल इंडिया रेडियो आफिस, पंजिम (गोवा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वप्नीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पंजिम म्युनिसिपलिटि के हद्द में गॉस्पेर डायस में स्थित  
मरिया पेरैरा नामक आस्ति के प्लॉट सं० ए०-7 नामक जमीन  
का टुकड़ा जो 550 चदर मीटर मापन का है और जिसकी  
सीमाएं :—

उत्तर—कोट्टा कक्षेरा का डा० अलेक्सी एक्स मार्टिन्स  
का संपत्ति।

दक्षिण—इंटरनेल रोड।

पूर्व—प्लॉट सं० ए०-6

पश्चिम—कोट्टा कक्षेरा का डा० अलेक्सी एक्स मार्टिन्स  
का संपत्ति।

पी० सत्यनारायण राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 31-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० 107/75-76/ए०सी०क्यू०—यतः, मुझे, पी०  
सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी प्लॉट सं० एफ०-4 जो "मारिया पेरेरा" नामक  
है, जो पंजिम म्युनिसिपलिटि के हद्द में गॉस्पर डायस में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पंजिम में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
28-6-1975 के दिन डाक्यूमेंट नं० 499 के अंतर्गत को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कन्फेरियास रूनीदास डा इग्नेजा डी पंजिम, अपने  
प्रेसीडेंट, अटार्नी और ट्रेजरर से प्रतिनिधित्व, सभी पंजिम  
(गोवा) के वासी। (अन्तरक)

2. मि० फिर्देलिस कालिस्टो पेरेरा, पुत्र दियोगे  
फॉर्न्सस्को पेरेरा, मर्चेंट नेवी आफिसर, सेंट गस्टावेम (गोवा)  
के वासी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अभ्युक्त

पंजिम, म्युनिसिपलिटि के गॉस्पर डायस में स्थित "मारिया  
पेरेरा" नामक आस्ती का प्लॉट नं० एफ०-4 नामक जमीन का टुकड़ा  
जो 500 चर मीटर मापन का है और जिसकी सीमाएं:—

उत्तर : प्लॉट, एफ०-3,

दक्षिण : प्लॉट एफ०-5,

पूर्व : इंटर्नेल रोड;

पश्चिम : मारिया पेरेरा आस्ती का सम भाग का बंद और  
डा० अलेक्सो शेवियर मार्टिन्स का धान का खेत।

पी० सत्यनारायण राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज धारवाड़

तारीख : 31 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज धारवाड

धारवाड-580004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निर्देश सं० 108/75-76/ग० सी० क्यू०:—यतः, मुझे,  
पी० सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० आस्ती है, जो पंजिम्य मुनिसिपालिटी के हद में  
साटा इनेडन् में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पंजिम्य 28  
जून, 1975 के दिन डाक्युमेंट नं० 497 के अन्तर्गत में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
19 ( )

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. (1) मिसेस् नीना रेबेलो पिंटो,  
(2) मिसेस्, शकुंतला पिंटो मखीजा और  
(3) मि० फर्नांडो पिंटो, सभी कंपाल, पंजिम्य (गोवा),  
के वासी ।

(अन्तरक)

2. मिसेस् बेमिरा रिटा सौसा गोम्स, "सी ब्रीझ" बिल्डिंग  
मीरामार, पंजिम्य (गोवा) के वासी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अमुसूची

28 जून, 1975 के दिन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पंजिम्य में रजिस्ट्रीकृत डाक्युमेंट नं० 497 में वर्णित आस्ती ।

पी० सत्यनारायण राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज धारवाड

तारीख : 31-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4408/75-76/एक्यू०/बी० :—

यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 143 है, तथा जो V बां ब्लाक, 7 मैनरोड,  
जयनगर, बंगलूर-II में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से बाणन है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर  
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन ता० 5 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-  
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. (1) बी० विश्वेश्वरय्या, प्रधान अध्यापक, सरकारी  
हाई स्कूल, गुडिब्रंडा, कोलार जिला।
- (2) श्रीमती ललितम्मा पत्नी स्व० श्री बी० रामकृष्णय्या
- (3) बी० आर० सत्यानारायण
- (4) बी० आर० कृष्णमूर्ति

(5) बी० आर० प्रसाद (अल्पवयस्क, प्रतिनिधि व रक्षा-  
कर्ता माता श्रीमति ललितम्मा, नं० बी०-80 समीरपरम, केंपेगौड  
नगर, बंगलूर-18। (अन्तरक)

2. (1) श्री बी० एस० माधव,

(2) श्रीमती कमला माधव पत्नी श्री माधव

(3) कुमारी सुभा माधव सुपुत्री श्री बी० एस० माधव नं०  
78 राणोनीराव रोड, बसवनगुडी बंगलूर-4 (अन्तरिती)

4. श्री बी० आर० भगवान पिता स्व० श्री बी० रामकृष्णय्या  
नं० ई-262, अमर कोलोणी नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों, पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अन्तर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 886/75-76 ता० 5 जून, 1975)

खाली भवन अवस्थान नं० 143 V ब्लाक, जयनगर एक्स-  
टेशन, बंगलूर (7 मैन रोड)।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 90' } 4050 वर्ग फीट  
उत्तर से दक्षिण : 45' }

सीमाएं :—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : अवस्थान नं० 88

उत्तर : अवस्थान नं० 44 और

दक्षिण : अवस्थान नं० 142

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22 जनवरी 1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 4414/75-76/एक्यू० बी०—यतः  
मुझे आर० कृष्णमूर्ति :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 145 सर्वे० नं० 87/1 है, तथा जो आडु-  
गोडि, बंगलूर (डिवीजन नं० 62) में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन ता० 13 जून, 1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मुनियम्मा पत्नी चिक्करोमय्या सुद्वगुण्टप्पालया  
नवरकरे, बंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री सम्पतराज नं० 17 वेर्ली  
स्ट्रीट, लांगफोर्ड रोड बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1013/75-76 ता० 13 जून 1975)

अवस्थान नं० 145-सर्वे० नं० 87/1 में जो आडुगोडि बंगलूर  
डिवीजन नं० 62 में स्थित है।

क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 60' }  
उत्तर से दक्षिण 45' } 2700 वर्ग फीट

सीमाएं :—

पूर्व : सड़क  
पश्चिम : मंको फाक्टरी भूमि  
उत्तर : रामरेड्डी का अवस्थान और  
दक्षिण : येल्लम्मा का घर

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4484/75-76/एक्यू० बी०:—

यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22/9 है तथा जो ग्रांट रोड सिविल स्टेशन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 27 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री अन्तोणी अलेक्सिस डिजोजा पिता श्री पी० जी० डिजोजा

(2) श्रीमती डीरोनी सबिता डिजोजा पत्नी ए० ए० डिजोजा नं० 22 ग्रांट रोड बंगलूर में रहने वाले  
(अन्तरक)

2. (1) कुमारी जयशीला पिल्लै

(2) कुमारी जयमाला पिल्लै (अल्पवयस्क) प्रतिनिधि पिता व रक्षाकर्ता श्री के० पी० पिल्लै ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1115/75-76 ता० 27 जून 1975)

सम्पत्ति जो कोने में खाली अवस्थान जो 22/9 ग्रांट रोड सिविल स्टेशन बंगलूर (पुराना नं० 31 ग्रांट रोड बंगलूर 'ऊरगम हाऊस' का भाग)

अवस्थान क्षेत्रफल

पूर्व से पश्चिम : 77' }  
उत्तर से दक्षिण : 98' } 7546 वर्ग फीट

सीमाएं:—

उत्तर : पडोस की जमीन

दक्षिण : अवस्थान नं० 22/8

पूर्व : सड़क

पश्चिम : पडोस की जमीन

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 22 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
26-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4498/75-76/एक्यू०  
बी० :—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 26-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० खाली अवस्थान नं० 11/1 व 11/1-2 है  
तथा जो विल्सन गार्डन बंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय जयनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 10 जून 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 26-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26-ग की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० रामकृष्ण S/o श्री के० अम्पा रेड्डी

(2) अम्पा रेड्डी उर्फ बाबु उर्फ अनिल कुमार

(3) आनन्द

(4) अरुण-अल्पवस्क-प्रतिनिधि उनके पिता व रक्ष  
कर्ता श्री ए० रामकृष्ण जो हरपनहल्ली गांव जिगनी होब्ली  
आनेकल तालूका बंगलूर जिल्ला तथा नं० 119 से 1124 इस्ट एण्ड  
रोड (राष्ट्रीय विद्यालय सड़क) विश्वेश्वरपुरम बंगलूर-4  
में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्रीमती डी० मनोराजितम्मा पत्नी डी० वेनुगोपाल  
नं० 43-10वां क्रासपार्क के एरिया विल्सन गार्डन बंगलूर-27 या  
नं० 62 V मैन विल्सन गार्डन बंगलूर-27

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(हस्तावेज 933/75-76 ता० 10 जून 1975)

खाली अवस्थान नं० 11/1 और 11/1-2 जो विल्सन  
गार्डन बंगलूर (पुराना नाम अरेकम्पन हल्ली) में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 70' } 1960 वर्ग फीट  
उत्तर से दक्षिण 28' }

सीमाएं :—

पूर्व : सरकारी जमीन

पश्चिम : रामय्या की जमीन

उत्तर : नरसिंहय्या की जमीन

दक्षिण : सड़क

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 22 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4541/75-76/एक्यु०  
बी०:—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० 49/3 खाली अवस्थान है तथा जो चर्लस कांपल  
रोड काक्स टाउन सिविल स्टेशन में स्थित है (और इससे उपा-  
वृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय शिवाजी नगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 16 जून 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

1. श्री ए० एस० वेणुगोपाल S/O स्वा० ए० एस० श्रीनिवासन  
अध्यर नं० 28 सिधी कालोनी बंगलूर (अन्तरक)

(1) 2. श्री ए० एस० श्रीनिवासन S/O स्वा० ए० के०  
शिवारम अध्यर

(2) श्रीमती राधा श्रीनिवासन पत्नी श्री ए० एस० श्री-  
निवासन दोनों नं० 6 डा कास्टा ले आउट कूक टाउन बंगलूर-5  
में रहने वाले ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1172/75-76 ता० 19 जून, 1975)

खाली अवस्थान मुनिसिपल नं० 49/3 जो चालीस काम्पल  
रोड काक्स टाउन सिविल स्टेशन बंगलूर (डिवीजन नं० 49)  
में स्थित है ।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम 50' . 6" }  
उत्तर से दक्षिण 40' } 2020 वर्ग फीट

सीमाएं :—

पूर्व : मकान नं० 49/4  
पश्चिम : मकान नं० 49/2  
उत्तर : दक्षिण रेल  
दक्षिण : 25 फीट सड़क

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22 जनवरी 1976  
मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जनवरी, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4627/75-76/ क्यू०/बी०:—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13-ए, नं० 1/21 का भाग है, तथा जो राजमहल विलास एक्सटेंशन, वेल्सारी रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 16 जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मैसर्स विश्वराम होटल्स लिमिटेड नं० - 1/21, वेल्सारी रोड, बंगलूर - 6

(अन्तरक)

रजिस्टर्ड आफिस : नं० 1 हनुमान रोड, मार्शल हाउस, नयी दिल्ली - 1।

9-476 GI/75

2. श्री एम० एस० रामचन्द्रा S/o स्व० श्री ए० श्रीरंगय्या  
शेटी नं० : 1137 इस्टेर्ण एक्सटेंशन, मंडया।

(अन्तरिती)

4. मैसर्स रेडरोस नं० 42 कम्तूरवा रोड फ़ास, बंगलूर-1  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1250/75-76 ता० 16 जून 1975)

संपत्ति जो कोने में खाली अवस्थान है जिसका नं० 13-ए है और जो नं० 1/21 राजमहल विलास एक्सटेंशन का भाग है और जो वेल्सारी रोड, बंगलूर में स्थित है।

अवस्थान क्षत्रफल :

पूर्व से पश्चिम 45' 2700 वर्ग फीट  
उत्तर से दक्षिण 60'

सीमाएं :—

पूर्व : जमीन नं० 14

पश्चिम : सड़क

उत्तर : जमीन नं० 13-बी व

दक्षिण : सड़क

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 20 जनवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर,

बंगलूर विनाक 20 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4628/75-76/एक्य०  
बी० :—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 13-बी० नं० 1/21 का भाग है, तथा जो राज-  
महल विलास एक्सटेंशन, बेल्लारी रोड, में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, गांधीनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1909 का 16) के अधीन ता० 16 जून, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स विश्वरामा होटल्स लिमिटेड 1/21, बेल्लारी  
रोड, बंगलूर - 6

रजिस्टर्ड दफ्तर : नं० 1 हनुमान रोड, मार्शल हाउस नदी  
दिल्ली - 1।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० सत्यकुमारी पत्नी ए० वी० परमपिबन  
नं० 573, पालस अय्यर ओरचर्ड्स बंगलूर-6।

(अन्तरिती)

4. मैसर्स रेडोस नं० 42 कस्तूरबा रोड कास बंगलूर-1  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में इतिबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में  
दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1252/75-76 ता० 16 जून 1975)

खाली अवस्थान नं० 13-बी०, जो मकान नं० 1/21 का  
भाग है और नं० 1/21 राजमहल विलास एक्सटेंशन बेल्लारी  
रोड बंगलूर-6 में स्थित है।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम 45' 2700 वर्ग फीट  
उत्तर से दक्षिण : 60'

सीमाएं :—

पूर्व : जमीन का टुकड़ा नं० 14

पश्चिम : सड़क

उत्तर : जमीन का टुकड़ा नं० 12 व

दक्षिण : जमीन का टुकड़ा नं० 13-ग

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20 जनवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4630/75-76/ए० सी० क्यू०/  
वी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० — है, तथा जो पुराना नं० 27 व 39  
नया नं० 58 व 61 चौडेश्वरी मन्दिर

स्ट्रीट, बंगलूर-2, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गांधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन ता० 17 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० नारायणसा पिता श्री चिक्ककृष्णसा मालिक  
कबाड़ी टेक्सटाइल्स नं० 58-चौडेश्वरी टेम्पल स्ट्रीट, बंगलूर-2।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रुक्मणी बाई लड़की श्री हबीब हरिसा नं० 10  
दर्जीपेट, बंगलूर-53।

(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स कबाड़ी टेक्सटाइल्स

(2) एम० पी० शाह ,

(3) बेलगांव बैंक (I मंजिल)

(4) बेलगांव बैंक (II मंजिल),

(5) प्रकाश टेक्सटाइल्स ,

(6) सुब्रह्मण्य शास्त्री , (III) मंजिल),

(7) श्याम सुन्दर (III व IV मंजिल)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1267/75-76 ता० 17 जून, 1975]  
सम्पत्ति पुराना म्युनिसिपल नं० 27-व 39 और नया नं० 58  
व 61 जो नं० 61 चौडेश्वरी टेम्पल स्ट्रीट, बंगलूर-2 (डिवीजन  
नं० 41) में स्थित है।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 33' 9"

उत्तर से दक्षिण : 29' 6"

} विक्रय पत्र के अनुसार

भवन संवन क्षेत्र

निचली मंजिल : 550 वर्ग फीट

पहला मंजिल : 550 वर्ग फीट

II व III मंजिल : 550 वर्ग फीट

IV मंजिल : 450 वर्ग फीट

} लगभग समर्पित  
पत्र के अनुसार  
(अन्तरिती का)

सीमाएं :—

पूर्व : चामण्डेश्वरी टेम्पल स्ट्रीट

पश्चिम : कोणसखन्सी रोड व निजी सम्पत्ति

उत्तर : चौडेश्वरी टेम्पल स्ट्रीट व

दक्षिण : सीताराम सेट्टी, नीलमंगला की दूकानें।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20 जनवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4639/75-76/ए० सी० एन्यू०/  
बी० :—यसः, मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1075/36 है, तथा जो 12 आस, कोदण्डराम-पुरम, वैयालिकाविल एक्सटेंशन बंगलूर-3 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर-3 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 24 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री ए० एस० चिन्नस्वामी राजु S/O अक्कल राजु, नं० 294  
अप्पर पालस थ्रोवर्डस बंगलूर-6। (अन्तरक)

2. श्रीमती शारम्मा पत्नी श्री के० नारायणशेट्टी नं० 1572,  
220 आस, नागप्पा ब्लाक, श्रीरामपुरम, बंगलूर।

(अन्तरिती)

3. (1) तोडानी राव
- (2) तोमस
- (3) भानु नायर
- (4) पी० एल० दास
- (5) वीर राजु
- (6) शांतकुमार
- (7) एन० आर० माने
- (8) काशीनाथ शास्त्री
- (9) एम० ए० सुब्बाराया

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1361/75-76 ता० 24 जून 1975)

सम्पत्ति मुनिसिपल नं० 1075/36-12 आस, कोदण्ड-रामपुरम वैयालिकाविल एक्सटेंशन, बंगलूर-3।

#### अवस्थान क्षेत्रफल

पूर्व से पश्चिम : 30'.

उत्तर से दक्षिण : 65'

} 1950 वर्गफीट, विक्रय पत्र के अनुसार

#### मकान संवत क्षेत्र :

निचली मंजिल : 1120 वर्ग फीट

पहली मंजिल : 1120 वर्ग फीट

दूसरी मंजिल : 1120 वर्ग फीट

सोमाएँ :—

पूर्व : श्रीमति अलदल मादप्पा की संपत्ति

पश्चिम : अवस्थान नं० 13 पर बनाया घर

उत्तर : सड़क व

दक्षिण : श्री बैकटराया की संपत्ति।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 20 जनवरी, 1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एयु०/11/365/1041/75-  
76—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 89 (122-39, प्लॉट नं० 34) है, जो शंकर  
नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन ता० जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तया पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री मसा सिंह, सुपुत्र श्री भगत सिंह, जी०-16, राधे पुरी,  
गोंदली नगर, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सत्या पाल मलहोत्रा (2) नन्द किशोर मलहोत्रा  
(3) अशोक कुमार मलहोत्रा (4) विनोद कुमार मलहोत्रा  
(5) राजिन्दर कुमार मलहोत्रा (6) सतीश कुमार मलहोत्रा  
मभी सुपुत्र श्री लाल चन्द्र मलहोत्रा, निवासी 1255, सुभाष रोड,  
गोंदली नगर, शाहदरा, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मजिला मकान जोकि 120 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट  
पर बना हुआ है, जिसका नं० 89 (122-39 प्लॉट नं० 34)  
है, शंकर नगर, आजाद नगर के पास, शाहदरा, दिल्ली में स्थित  
है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, 4/4-ए, आसफ अली रोड, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/2195ए/1042/75-76—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी०-3/8 है, जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रीतम सिंह लामबा, सुपुत्र एस० सुन्दर सिंह, एक० 9/5, माडल टाउन, दिल्ली-9, अपने तथा श्रीमती सनेह लता पत्नी, श्री राजिन्दर सिंह के लिए जनरल पावर आफ अटारनी (अन्तरक)

2. नारेश कुमार जैन, सुपुत्र श्री प्रकाश चन्द्र जैन, निवासी बी०-3/8, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला भूकान जो 82.2 वर्ग गज प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० बी०-3, (बी०-3/8) है, माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी, 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, 4/14-ए, आसफ अली रोड, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2117/1043/  
75-76—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है  
और जिसकी सं० 6/18 का 1/4 भाग है, जो ईस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जून 1975 को  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कुन्दन लाल सहगल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री राय बहादुर  
एल० चम्पन लाल सहगल, निवासी 6/18, ईस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री जगदीश्वर लाल सहगल, सुपुत्र श्री कुन्दन लाल  
सहगल, 6/18, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/4 भाग जो 200 वर्ग गज क्षेत्रफल  
के प्लॉट पर बना हुआ है, और नं० 18, ब्लॉक नं० 6, ईस्ट पटेल  
नगर, नई दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० 6-ई/19

पश्चिम : मकान नं० 6-ई/17

उत्तर : रोड

दक्षिण : सर्विस लेन

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2/दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज/2, 4/14-ए, आसफ अली रोड, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2104/1044/  
75-76—यतः मन्ने एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1288 (निजी नं० 1288-बी) है, जो बारा  
बाजार, काश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
1908 का 16) के अधीन ता० जून 1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रताप सिंह सुपुत्र एल० रघुबीर सिंह जैन (2) श्री  
अशोक प्रताप सिंह, सुपुत्र श्री प्रताप सिंह, निवासी 3, महारानी  
बाग, नई दिल्ली इनके अटारनी मेजर जनरल विरेन्द्र सिंह  
(रिटायर्ड) (3) मेजर जनरल बीरेन्द्रा सिंह, सुपुत्र एल० रघुबीर  
सिंह जैन, निवासी आर० बी० बिल्डिंग, कश्मीरी गेट, दिल्ली ।  
(अन्तरक)

2. श्री चन्द्र प्रकाश, सुपुत्र श्री टीका राम, निवासी 1138,  
प्रेम गली, कश्मीरी गेट, दिल्ली (2) श्री कृष्ण कुमार, सुपुत्र श्री  
मेवा राम, निवासी 820, छोटा बाजार, कश्मीरी गेट, दिल्ली  
(3) श्री माहेश चन्द्रा, सुपुत्र श्री विशम्बर दया, निवासी 1416,  
बाबी गंज, कश्मीरी गेट, दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 154 1/4 वर्ग गज है, और नं०  
1288 तथा निजी नं० 1288-बी है, कश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित  
है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज 2, 4/14-ए आसफ अली रोड, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2081/1045/  
75-76/अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० बी०-23 टैगोर रोड है, जो आदर्श नगर, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
ता० जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कबित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-

10-476 G1/75

1. श्री धर्म वाल चौधरी, सुपुत्र श्री० जनक्यामदास (2)  
श्री हाकिम राय, सुपुत्र श्री हेम राज, निवासी 9/16ए, विजय  
नगर, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती कौण्ड्या देवी, पत्नी श्री पत राम गर्ग (2)  
श्रीमती उषा गुप्ता, पत्नी श्री रूप चन्द, दोनों निवासी, 2/29,  
रूप नगर, दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक प्लॉट जोकि 238 वर्ग गज क्षेत्रफल की भूमि पर बसा हुआ  
है, जिसका नं० बी-23 है, आदर्श नगर, टैगोर रोड, दिल्ली में है।  
यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व : प्लॉट नं० 25

पश्चिम : प्लॉट नं० 21

उत्तर : रास्ता 15

दक्षिण : टैगोर रोड

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2127/1046/75-76—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8380/7 के पहली मंजिल का 1/5 भाग है, जो रोशनआरा रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजिन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री जागीर सिंह, 9, एन० डब्ल्यू० ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० भाटला एण्ड कं० लि०, बी०-2/8, माडल टाउन, दिल्ली इनके डायरेक्टर श्री राम चन्द भाटला के द्वारा (अन्तरिती)

3. मै० बलू लाइन फाइनेन्स (प्रा०) लि०, 8380/7, रोशनआरा रोड, दिल्ली-7। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल के कुछ हिस्से का 1/5 भाग जिसका नं० 8380/7, वार्ड नं० 12 है, रोशनआरा रोड, दिल्ली-7 में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/11/2128/1047/75-76—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 12/8380 के पहली मंजिल का 1/5 है, जो रोशनआरा रोड़, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रणबीर सिंह, सुपुत्र श्री बाजीर-सिंह, 9, एन० इन्डियन ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० भाटला एण्ड कं० लि०, बी-2/8, माडल टाउन, दिल्ली, इनके डायरेक्टर श्री रामचन्द्र भाटला के द्वारा। (अन्तरिती)

3. मै० बलू लाइन फाइनेन्स (प्रा०) लि०, 8380/7, रोशनआरा रोड़, दिल्ली-7।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल के कुछ हिस्से का 1/5 भाग जिसका नं० 8380/7, वार्ड नं० 12 है, रोशनआरा रोड़, दिल्ली-7 में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2129/1048/  
75-76—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 12/8380/7 की पहली मजिल का 1/5 भाग  
है, जो रोशनआरा रोड़, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जून 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहिन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री जागीर सिंह, 9-एन० डब्ल्यू०  
ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० भाटला एण्ड कं० लि०, बी० 2/8, माडल टाउन,  
दिल्ली इनके डायरेक्टर श्री गमचन्द भाटला के द्वारा। (अन्तरिणी)

3. मै० ब्लू लाइन फाइनेन्स (प्रा०) लि०, 8380/7,  
रोशनआरा रोड़, दिल्ली-7।  
(बहु व्यक्ति, जिसके अभिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

पहली मजिल के कुछ हिस्से का 1/5 भाग जिसका नं०  
8380/7, वार्ड नं० 12 है, रोशनआरा रोड़, दिल्ली-7 में  
स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी 1976

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2130/1049/  
75-76—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 12/8380/7 की पहली मंजिल का 1/5 भाग  
है, जो रोशनमारा रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उदाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जून 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-  
शत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री जसवन्त सिंह, सुपुत्र श्री बाजीर सिंह, 9-एन०  
उल्लू० ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० भाटला एण्ड कं० लि०, बी०-2/8, माडल टाउन,  
दिल्ली उनके डायरेक्टर श्री राम चन्द भाटला के द्वारा। (अन्तरिती)

3. मै० ब्लू लाइन फार्मेन्स (प्रा०) लि० 8380/7,  
रोशनमारा रोड, दिल्ली-7।

(वह व्याक्त, जिनके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पहली मंजिल के कुछ हिस्से का 1/5 भाग जिसका नं०  
8380/7, वार्ड नं० 12 है, रोशनमारा रोड, दिल्ली-7 में  
स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्पु०/11/2131/1050/  
75-76—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12/8380/7 की पहली मंजिल का 1/5 भाग है, जो रोशनआरा रोड़, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सम्पूर्ण सिंह, सुपुत्र श्री बाजीर सिंह, 9-एन०ब्लू० ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० भाटला एण्ड कं० लि०, बी०-2/8, माडल टाउन, दिल्ली, इनके डायरेक्टर श्री राम चन्द भाटला के द्वारा (अन्तरिती)

3. मै० ब्लू लाइन् फाइनेन्स (प्रा०) लि०, 8380/7, रोशनआरा रोड़, दिल्ली-7।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल के कुछ हिस्से का 1/5 भाग जिसका नं० 8380/7, बार्ड नं० 12 है, रोशनआरा रोड़, दिल्ली-7 में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2177/1051/  
75-76—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 47, रोड़ नं० 77 का 1/4 भाग  
है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16 के अधीन जून 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों प्रार्थित :-

1. श्री ईश्वर दाम, सुपुत्र श्री हरनाम दास, सी-14, माडल  
टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह चट्ठा, सुपुत्र श्री अवनाशी सिंह चट्ठा  
बी-4, माडल टाउन, दिल्ली-1। (अन्तरिणी)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

एक प्लॉट का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल  
500 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 2200 वर्ग गज) है, और नं० 47,  
रोड़ नं० 77 है, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

परूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/2178/1058/  
75-76—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और ज़िम्मेदार सं० प्लॉट नं० 47, रोड़ नं० 77 का 1/4 भाग है,  
जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन जून 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ईश्वर दाम, सुपुत्र श्री हरनाम दाम, सी०-14,  
माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह जड़ा, सुपुत्र श्री श्रवणाणी सिंह चड़ा,  
बी०-4, माडल टाउन, दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 550  
वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 2200 वर्ग गज) है, और नं० 47, रोड़  
नं० 77 है, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी 1976  
मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2185/1059/75-76—अतः मुझे, एम० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 47, रोड नं० 77 का 1/4 भाग है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

11—476G1/75

1. श्री ईश्वर दास, सुपुत्र श्री हरनाम दास, सी०—14, माडल टाउन, दिल्ली-1 । (अन्तरक)

2. श्री मितर पाल सिंह चड्ढा, सुपुत्र श्री अरुणाशी सिंह चड्ढा बी-4, माडल टाउन, दिल्ली-1 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट का 1/4 अविवर्जित भाग, जिसका क्षेत्रफल 550 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 2200 वर्ग गज) है, और नं० 47, रोड नं० 77 है, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2186/1062/75-76—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 47, रोड नं० 77, का 1/4 भाग है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ईश्वर दास, सुपुत्र श्री हरनाम दास, सी-14, माडल टाउन, दिल्ली-1। (अन्तरक)

2. श्री मितर पाल सिंह, सुपुत्र श्री अबनाशी सिंह चड्ढा, बी-4, माडल टाउन, दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 550 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 2200 वर्ग गज) है, और नं० 47, रोड नं० 77 है, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/2135/1052/75-76---अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10 रोड़ नं० 52 (52/10-बी०) है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती विद्या बती बाली, पत्नी श्री सोहन लाल बाली, 20-बी/1, देश बन्धु गुप्ता रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मलिक सिंह, सुभद्र एस० गंडा सिंह, जी-29, विजय नगर, दिल्ली-9। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्लॉट जिसका नं० 52/10-बी है और क्षेत्रफल 210.94 वर्ग गज है निवासी कालोनी पंजाबी बाग, नई दिल्ली में है।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी, 1976  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2136/1053/  
75-76---यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० प्लॉट नं० 10, रोड नं० 52 (52/10-ए०) है,  
जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जून 1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री सोहन लाल बाली, सुपुत्र श्री गंगा राम बाली, 20-बी/  
1, देश बन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मलिक सिंह, सुपुत्र एस० गंडा सिंह, जी-29, विजय  
नगर, दिल्ली-9। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रहायशी प्लॉट नं० 52/10-ए, पंजाबी बाग, नई दिल्ली  
में है तथा क्षेत्रफल 210.94 वर्ग गज है।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसक अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/2137/1054/75-76—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट न० 10, रोड न० 52 (52/10-ई) है, जो पजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(घ.) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और

(ख.) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. डा० जी० नन्द कुमार बाली, सुपुत्र डा० सोहन लाल बाली, 20-बी/1, वेश बन्धु गुप्ता रोड, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मलिक सिंह, सुपुत्र एस० गडा सिंह, जी-29, विजय नगर, दिल्ली-9 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रिहायशी प्लॉट जिसका नं० 52/10-ई है और क्षेत्रफल 210.94 वर्ग गज है, निवासी कालोनी पजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976  
मोहर :

प्रहस आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2138/1055/75-76/  
308—अतः मुम एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10, रोड नं० 52 (52/10-डी०) है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. डा० राजीन्द्र कुमार बाली, सुपुत्र डा० सोहन लाल बाली,  
20-बी/1, देश बन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री मलिक सिंह, सुपुत्र एस० गंडा सिंह, जी-29, विजय नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक प्लॉट जिसका नं० 52/10-डी० है, क्षेत्रफल 210.94 वर्ग गज है, निवासी कालोनी, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2139/1056/75/76/—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10, रोड नं० 52 (52/10-सी०) है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री निरंजन देव बाली, सुपुत्र डा० सोहन लाल बाली, 20-बी/1, देण बन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मलिक सिंह, सुपुत्र एस० गंडा सिंह, जी०-29, विजय नगर, दिल्ली-9। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका नं० 52/10-सी है और क्षेत्रफल 210.94 वर्ग गज है, निवासी कालोनी, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में है।

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4-2-1976  
मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2108/1051/  
75-76—यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 19-बी, कोठी नं० 23, बार्ड नं० 11 है, जो  
दरियागंज, अन्सारी रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, जून, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. श्री राम लुभाया, सुपुत्र श्री सालीग राम, 1871, गली  
खिआली राम, मोहला इमली, बाजार सीता राम, दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्री अर्जुन लाल तथा श्री गुलाब राय, सुपुत्र श्री नीहाल  
चन्द, 3354, जतवारा स्ट्रीट, सुभाष मार्ग, दरिया गंज, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक प्लॉट का दक्षिणी भाग जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज  
(कुल क्षेत्रफल 221.2 वर्ग गज) है, नं० 19-बी०, कोठी नं० 23,  
बार्ड नं० 11, अन्सारी रोड, दरिया गंज, दिल्ली में है। यह प्लॉट  
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड 20' फुट चौड़ी

पश्चिम : अन्य की जायदाद

उत्तर : 2' फुट चौड़ी लेन तथा अन्य की जायदाद

दक्षिण : अन्य की जायदाद

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2173/1060/75-76—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12-यू० ए० का 1/2 भाग है, जो जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल या पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 (1) श्री सुभाष चन्द्रा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री एम० बाल किशन दाम पोटवाल्ला, डी-5, कालिन्दी कालोनी, रिग रोड, नई दिल्ली-14।

(2) श्रीमती सावित्री देवी, पत्नी एम० बाग किशन दाम, निवासी डी-5, कालिन्दी कालोनी, रिग रोड, नई दिल्ली-14। (अन्तरक)

(1) श्री ग्र्याम मनोहर अग्रवाल, सुपुत्र श्री जगत नारायण अग्रवाल, (2) श्री मानी कान्त अग्रवाल, सुपुत्र श्री ग्र्याम मनोहर अग्रवाल निवासी-12-यू० ए०, जवाहर नगर, दिल्ली-7। (अन्तरिती)

3. (वह व्यक्ति जिसके अर्धभाग में सम्पत्ति है), न० 12-यू० ए० जवाहर नगर दिल्ली।

|                           |               |         |    |
|---------------------------|---------------|---------|----|
| 1. डा० एम० सी० मुखर्जी    | निम्न स्तर    | तल्ल 10 | ;  |
| 2. श्री डी० डी० भरदवाज    |               |         | 4  |
| 3. श्री हरबंस लाल बिज     | पहली मंजिल    |         | 5  |
| 4. श्रीमती मेला देवी      |               |         | 6  |
| 5. श्री ए० एल० वाही दिवान |               |         | 7  |
| 6. कुमारी कृष्णा कपूर     |               |         | 8  |
| 7. श्री एस० के० भाटिया    | द्वितीय मंजिल |         | 9  |
| 8. श्री एस० आर० बाबर      |               |         | 10 |
| 9. श्रीमती मरीता अग्रवाल  |               |         | 11 |
| 10. श्रीमती भागवती कापिला |               |         | 12 |
| 11. श्री एस० पी० पटनी के  | निम्न स्तर    |         | 1  |
| कानूनी धारिस              |               | तथा 2   |    |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तीन मजिला सकान का 1/2 भाग जोकि फ्रीहोल्ड प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका न० 12, ब्लॉक न० यू० एस० है और क्षेत्रफल 361.1 वर्ग गज है, जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एम० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/11/2230/1061/75-76—यतः, मुझे एम० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12-यू० ए० का 1/2 भाग है, जो जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री सुभाष चम्रा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री एल० बाल किशन दास पोटेवाला, डी-5, कालिन्दी कालोनी, रिंग रोड, नई दिल्ली-14 (अन्तरक)

2. (1) श्री अशोक अग्रवाल, सुपुत्र श्री एस० एम० अग्रवाल, (2) श्री सुभाष अग्रवाल, सुपुत्र श्री एस० एम० अग्रवाल, निवासी 12 यू० ए० जवाहर नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

3. (व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है), नं० 12-यू० ए० जवाहर नगर दिल्ली।

1 डा० एम० सी० मुखर्जी निम्न स्तर प्लैट नं० 3

2 श्री डी० डी० भरदवाज " " 4

3 श्री हरबंस लाल विज पहली मंजिल " 5

4 श्रीमती मला देवी " " 6

5 श्री ए० एल० वाही विमान " " 7

6 कुमारी कृष्ण कपूर " " 8

7 श्री एस० के० भाटिया दूसरी मंजिल " 9

8 श्री एस० आर० बाबर " " 10

9 श्रीमती सरीता अग्रवाल " " 11

10 श्रीमती भागवती कपिला " " 12

11 श्री एस० पी० पटनी के निम्न स्तर " 1 तथा कानूनी वारिस 2

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि फ्रीहोल्ड प्लॉट बना हुआ है, जिसका नं० 12, ब्लॉक नं० यू० ए० है और क्षेत्रफल 361.1 वर्ग गज है, जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है।

एम० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु०/11/2079/1663/  
75-76—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 725 का दक्षिणी भाग है, जो फाटक धोबिअन,  
फराश खाना, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन जून, 1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बन्तो बाई, पत्नी श्री जय किशन दास चोपड़ा,  
725, फाटक धोबिअन, फराश खाना, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मिराजउद्दीन, सुपुत्र श्री सीराजउद्दीन, 725, फाटक  
धोबिअन, फराश खाना, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 725 का दक्षिणी भाग जो 50 वर्ग गज क्षेत्रफल  
के प्लॉट पर बना है, फाटक धोबिअन, फराश खाना, दिल्ली में  
स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2080/75-76/1064—यन मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० 725 का 1/2 भाग है, जो फाटक धोबियन फराश खाना, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम का दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, का जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती बतो बाई, पत्नी श्री जय किशन दास चौपड़ा, निवासी 725, फाटक धोबियन फराश खाना, दिल्ली-1।

(अन्तरक)

2 श्री मोहम्मद अहमद, मुपुत्र श्री मोअनवी मोहम्मद, निवासी 834, गली छाह गिरान फराश खाना दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान जोकि 50 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका सं० 725 है, फाटक धोबियन, फराश खाना, दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली

नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :



प्ररूपे आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2243/75-76/  
1065—यत् मुझे एम० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
और जिसकी सं० 914/11 का निम्न प्लॉट है, जो कूचा काबुल  
अतर, चादनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन जुलाई 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भगवान दास, सुपुत्र श्री बाजीर चन्द, निवासी 11/  
914 कूचा काबुल अतर, चादनी चौक, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री पियारा लाल डावर, सुपुत्र श्री सोहना मल डावर,  
निवासी 11/914, कूचा काबुल अतर, चादनी चौक, दिल्ली-1।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
वार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 69 वर्ग गज है जोकि जायदाद  
नं० 11/914 को निम्न स्तर पर, कूचा काबुल, चादनी चौक, दिल्ली  
में स्थित है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है।—

पुर्व : रामती

पश्चिम : जायदाद नं० 11/780

उत्तर : जायदाद नं० 11/915

दक्षिण : जायदाद नं० 11/913

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2251/1066/  
75-76—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० दुकान नं० 37 है, जो आउटरम लाइन्स, किंगसवे  
कैम्प, दिल्ली में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जुलाई, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में,  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम प्रकाश कपूर, सुपुत्र श्री राम सरन कपूर, एच०-20,  
20, हडसन लाइन्स, किंगसवे कैम्प, दिल्ली, अटारनी श्री राम लाल  
कपूर, के द्वारा, निवासी 8-ए०, साउथ पार्क एवेन्यू, सेक्टर-9,  
भिलाई (एम० पी०)। (अन्तरक)

2. हरीश कुमार, सुपुत्र श्री अमर नाथ, 197, ढाका गांव,  
दिल्ली-9। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सरकारी बनी दुकान जिसका नं० 37 है, आउटरम लाइन्स,  
किंगसवे कैम्प, दिल्ली में सभी फिटिंग्स, फिक्टर, बिजली, पावर  
कनेक्शन, बिजली मोटर, सूती मशीनों सहित स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/391/1067/75-76—यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एफ०-20/12 है, जो कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम चरन, सुपुत्र श्री अमरा राम, एफ०-20/12, कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी दिवान, पत्नी श्री देवी दयाल दिवान, एफ०-13/7, कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली-51। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मकान जोकि 117 वर्ग गज क्षेत्रफल के फ्रीहोल्ड प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० एफ०-20/12 है, कृष्ण नगर, शाहदरा गांव के क्षेत्र, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड़।

पश्चिम : रोड़।

उत्तर : एफ०-20/12 का बाकी भाग।

दक्षिण : जायदाद नं० 20/13।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पु०/11/2300/1068/  
75-76—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 58 है, जो साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1975 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह

विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री इन्द्रजीत सिंह, सुपुत्र श्री गुरुमुख सिंह, जे०-6/132,  
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, श्रीमती नानकी देवी के जनरल अटारनी,  
पत्नी श्री एस० हरबंस सिंह, 3, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती विपिन कौर, पत्नी श्री गुरुमुख सिंह, जे०-6/132,  
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

एक लीजहोल्ड अधिकारों सहित प्लॉट नं० 58, जिसका  
क्षेत्रफल 68.333 वर्ग गज है, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली में  
है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन।

पश्चिम : मेन रोड।

उत्तर : प्लॉट नं० 57।

दक्षिण : प्लॉट नं० 59।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोचीन-11

कोचीन. दिनांक 31 जनवरी 1976

निर्देश सं० एन० सी० सं० 50/75-76—यतः मुझे एम०  
एम० कुरुप,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो चंगनाशेट्टि विल्लेज  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चंगनाशेरि,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
28-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
स्थित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—476G1/75

1. श्री मानगल जोगिताप पटेल, गजोक हाउस, पस्विगरा-  
ल्लू, कोच्चिन। (अन्तरक)

2. श्रीमती वलगा जोगेप, VIII/166, टाउन क्लब रोड,  
पुपवत्तू, चंगनाशेट्टि। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चंगनाशेट्टि विल्लेज के सर्वे सं० 45/9 में 17 नेन्ट भूमि और  
मकान।

एम० एम० कुरुप  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 31-1-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल-76-77—अतः

मुझे बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो हसीनाबाद (राजोरा) में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. सर्वोप (1) जीवन प्रसाद, (2) महेश प्रसाद पुत्र कोमल प्रसाद श्रीवास्तव, निवासी एकनार, तहमील बुरहानपुर, (3) रमेश प्रसाद पुत्र कोमल प्रसाद श्रीवास्तव, निवासी हसीनाबाद, (राजोरा) पोस्ट मिरपुर, बुरहानपुर। (अन्तरक)

2. श्री रघुनाथ प्रसाद, पुत्र कालीचरण श्रीवास्तव, निवासी हसीनाबाद (राजोरा), बुरहानपुर, पूर्वनिमाड़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरिया 30.76 एकड़, गांव हसीना (राजोरा) बुरहानपुर।

बी० के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-2-76

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/76-77—अतः,  
मुझे वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-6-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गम्भीर पुत्र राम पटेल, (2) किशोर पुत्र गम्भीर  
पटेल, वाली पुत्र गम्भीर पटेल, निवासी एनपुर, तालुका शबेर,  
जिला जलगांव, महाराष्ट्र। (अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल पुत्र क्षिम्बक पटेल पुत्र शांभु पटेल,  
निवासी निमदाद, रायजीवारी, बुरहानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि गाँव सखेपुर, बुरहानपुर और एक मकान और 1  
कुआँ।

वी० के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-2-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 256/75-76—यस: मुझे के०  
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 4-1-938/एल०/आई० एल० X 13 तिलक  
रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 7-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स श्री एसएस फर्म, के अन्य भागीदार तथा भागीदार  
श्री भीमनलाल अहूजा द्वारा, एविड रोड, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती प्रकाश देवी पत्नी गोकुल चन्द परगनाद 5-9-  
30/1/26, बशीरबाग, हैदराबाद। (अन्तरिती)
3. मेसर्स मोदी मिल्स लिमिटेड, तिलक रोड, हैदराबाद।  
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

4-1-938/एल०/आई० एल० X 13, भीमन लाल मार्केट,  
तिलक रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1976  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 255/75-76—यतः मुझे के०  
एस० वेंकटरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 5-9-798 गनफाँडरी है, जो हैदराबाद में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. (1) श्री कुशलचंद्र सिधवी, (2) राकेश कुमार, तिलक  
रोड, हैदराबाद। (अन्तरक)

2 श्रीमती जे० कलावती पत्नी जे० ब्रह्मय्या, 5-9-798,  
गनफाँडरी, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

नं० 5-9-798, गनफाँडरी, हैदराबाद, क्षेत्रफल 275 वर्ग  
गज।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 252/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 147/1 बरकापुरी कालोनी है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० सत्यामुर्ति, 1-10-15, अशोक नगर, हैदराबाद  
(2) श्रीमती भागीरती देवी, 3-5-141/3/4, किंग कोटी, हैदराबाद।

(3) श्रीमती शारदा देवी, 21-2-672, उर्दू गरीफ हाल, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री जी० डी० सुलतानिया, 6-3-883/3 पंजा गुट्टा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 1066 वर्ग मीटर जिसका चौहद्दी दीवार से घिरा हुआ है, सर्वे नं० 147/1, बरकापुरी कालोनी हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2388/1072/75-76—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 21, ब्लॉक नं० 7 है, जो कीर्ति नगर, इन्डस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती शिवन देवी, पत्नी राय मानिब नैराम दाग आबराय, (2) राय साहब ज राम दास आबराय, सुपुत्र श्री मोहरा मल, निवासी 17, खालियर रोड, प्रेम नगर खालियर के सामने, ग्वाज़ियर, (3) श्री प्रेम ब्रुमार आबराय, सुपुत्र श्री राय मानिब राय दाग आबराय, निवासी 3 1/2, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-8 (अन्तरक)

2 मै० अलफा आटोमोबाईलस (इन्डिया), एक फर्म, 4/27, कीर्तिनगर, इन्डस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15, इनके हिस्सेदार, श्री पी०सी० मलहोत्रा के द्वारा, सुपुत्र श्री राम लाल मलहोत्रा, (2) श्री अरजन सिंह मंधू, सुपुत्र श्री शाम सिंह। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक इन्डस्ट्रियल प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1866.66 वर्ग गज है, और नं० 21, ब्लॉक नं० 7, कीर्ति नगर, इन्डस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/401/1071/75-  
76—यस: मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बी-6 है, जो कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री योग प्रकाश, सुपुत्र श्री पिशोरी लाल, निवासी 331/  
1/11, गली नं०-2, राज गढ़ कालाना, गान्धी नगर, दिल्ली-31  
(2) श्री सुदर्शन सिंह, सुपुत्र श्री हरदयाल सिंह, निवासी 540,  
लील कुरंजा, दिल्ली-51। (अन्तरक)

2. श्रीमती जै रानी, पत्नी श्री दुर्गा दास, निवासी 11, राम  
पार्क, किशन गज, दिल्ली-31। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डेढ़ मंजिला मकान जो 77.7/9 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर  
बना हुआ है, जिसका नं० बी०-6, कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली  
है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड।

पश्चिम : झील कुरंजा की आबादी।

उत्तर : बी-6 का भाग।

दक्षिण : मकान नं० बी-7।

एस० एन० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5-2-1976

मोहर :

**प्ररूप आई० टी० एन० एस०—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2306/1070/  
75-76—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 68 है, जो गोखले मार्किट, तीस हजारी,  
के सामने, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अगस्त, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या 'उक्त  
अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
14—476GI/75

1. श्री कल्याण सिंह, सुपुत्र श्री केवल सिंह, 56, खान मार्किट  
नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह खन्ना, सुपुत्र श्री प्रताप सिंह खन्ना,  
मी-3/3, राना प्रताप बाग, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45  
दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

एक दुकान नं० 68, गोखले मार्किट, तीस हजारी कोर्ट के सामने,  
दिल्ली में 537 वर्ग फुट क्षेत्र पर बनी हुई है, जिसमें से 2/3  
भाग निम्न मंजिल का तथा 1/3 भाग पहली मंजिल का है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2335/1069/75-76—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 256 है, जो आजाद मार्किट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवान दास, सुपुत्र श्री रोशन लाल, 104, आजाद मार्किट, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री रावीन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री जय चन्द, 181, गुप्ता कासोनी, विजय नगर के पास, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुकान जिसका नं० 256 है 21.8 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी है, आजाद मार्किट, दिल्ली में है। यह दुकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : दुकान नं० 257

पश्चिम : दुकान नं० 255

उत्तर : लाइब्रेरी रोड

दक्षिण : मेन रोड

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० ए० सी० न्यू०-23-1-693 (261)/1-1/  
75-76—यत. मुझे जे० कथूरिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे न० 262-ए, सब-प्लॉट न० 13, टी० पी०  
एस० न० 14, एफ० पी० न० 207 तथा 207-ए, है जो शाही-बाग,  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 19-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती उर्वशी रोहितभाई मेहता, कौलक इन्डस्ट्रीयल  
ऐस्टेट, चंदीवली, कुरलोपवाई रोड, बम्बई-72। (अन्तरक)

2. (i) श्रीमती अन्वरबगम बद्रुद्दीन वजीफदार, कार्क हाउस,  
पत्थरवाली मस्जिद के पास, शाहपुर, अहमदाबाद।

(ii) श्रीमती असामय बीबी विधवा समयद्दीन रफीयुद्दीन,  
सैयद वाड़, दिल्ली-चकला, अहमदाबाद।

(iii) श्रीमती हुसीनाबीबी विधवा फखरुद्दीन समसुद्दीन,  
सैयदवाड़, दिल्ली-चकला, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान, जो 665 वर्ग गज भूमि पर स्थित है  
तथा जिसका सर्वे न० 262-ए, एफ० न० 207 तथा 207-ए,  
सब-प्लॉट न० 13, है तथा टी० पी० एस० न० 14, है और जो जय  
जिनेश्वर सोसायटी के पास, शाही-बाग, अहमदाबाद में स्थित है  
तथा जिसका पूर्ण विवरण 19-7-75 वाले दस्तावेज न० 5589  
में दिया गया है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 4-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-703 (262)/1-1/75  
76—प्रतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० -69-1, है जो दाणी-लोमडा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री लहेरखंद स्वरूपचंद शाह, पारी नाथा लाल डाह्या लाल फर्म की ओर से—हाजा पटेल की पोल, अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

2. आशम को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 7-आनन्द बाग, भैरवनाथ रोड, कांकरीया, अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 10471 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 69/1 है, जो दाणी-लोमडा, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 23-7-75 वाले दस्तावेज नं० 10016 में दिया गया है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 4-2-1976  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० 1/1198-2/जून 75—अतः मुझे त्नी०  
आर० अमिन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि-  
नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1/665, 665 है जो मलबार  
और कंबाला हिल डिवीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 20-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बद्रुद्दीन तायबअली बरोडावाला और अन्य  
(अन्तरक)

2. दि फ्लोरेन्स को० आप० हा० सो० लि० (अन्तरिती)

3. सोसायटी के मेम्बर्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किमें जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन अथवा अंशतः खाली जमीन का वह भाग (पेन्शन  
और टैक्स टेन्थोर) जिसपर सुभिन्न (डिस्टिक्ट) सं० सी दिया  
हुआ है तथा जो एक बिलेख (टाइटल डीड) पैमाइश में 1757  
वर्गगज अर्थात् 1477 वर्गमीटर के समकक्ष है लेकिन भूमि के एक  
बड़े भूभाग का एक हिस्सा होने के नाते साथ ही बिल्डिंग और  
स्ट्रक्चर तथा बंगला और बिल्डिंग तथा बंगला सहित है, जिस पर  
अल्टा माऊंट रोड, डी०-वार्ड में स्थित मलबार और कंबाला हिल  
डिवीजन एन० एस० शीट सं० 294, ई०-225 की कंटेस्टुल  
सर्वेक्षण सं० 1/665 और 665 अंकित है संयुक्त (ज्वाइंट) सर्वे  
के अनुसार 1757 वर्ग गज अर्थात् 1469 वर्ग मीटर है। इसके  
पूर्व में बैडर का उक्त प्लॉट प्रापटी है जिसका सुभिन्न (डिस्टिक्ट)  
सं० बी है, उत्तर की ओर प्लॉट प्रापटी है इस समय उसके मालिक  
शाह कन्स्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड है, दक्षिण की ओर वह उक्त  
बताया गया प्लॉट कामन एप्रोच रोड, पश्चिम में उक्त  
प्लॉट सं० बी है जिसके मालिक उक्त बैडर है, बम्बई के  
रजिस्ट्रेशन जिले और उपजिले।

व्ही० आर० अमिन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. दीलत राम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. राम लाल

(अन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी, 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 83/आर०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० डी०-52/41 बी है, तथा जो मो० लक्ष्मी कुन्ड, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एक किता मकान नं० डी-52/41 बी० का पूर्वी हिस्सा जो कि मोहल्ला लक्ष्मी कुन्ड जिला वाराणसी में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1): अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 4-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री दौलत राम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती शान्ती देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 110 एम०/अर्जन—अतः मुझे बिश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी० 52/41 बी है तथा जो मो० लक्ष्मीकुण्ड वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-9-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

एक किता मकान नं० डी-52/41 बी का पश्चिमी हिस्सा जो कि मोहल्ला लक्ष्मी कुण्ड, जिला वाराणसी में स्थित है।

बिश्वम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री हरिहर सिंह व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री छगुर प्रसाद व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० 22-सी०/अर्जन—अतः मुझे ब्रिजम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०— है तथा जो ग्राम गुरली तप्पा जिला गोरखपुर में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महाराजगंज (जि० गोरखपुर) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि का आधा भाग जिसका क्षेत्रफल 95.9 एकड़ है, जो कि ग्राम गुरली तप्पा भारतखण्ड, परगना तिलपुर, तहसील महाराजगंज, जिला गोरखपुर में स्थित है।

ब्रिजम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री नभू सिंह (अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला देवी (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० 109 एस०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 169 है तथा जो ग्राम धतूरी जिला बुलन्दशहर, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
15-476GI/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 169, जिसका क्षेत्रफल 17 बीघा, 10 बिस्वान्सी है, का आधा भाग जो कि ग्राम धतूरी पर० बरन जिला बुलन्दशहर में स्थित है ।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4 फरवरी, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती बलदेई

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. राम अयल व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जनवरी, 1976

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

निर्देश सं० 81 गार०/अर्जन—अतः, मुझे विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी चक्का सख्या 74 व 25 है तथा जो ग्राम मढ़वा तप्पा  
बजंराह, जिला बस्ती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नौगढ़ (जिला बस्ती) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधिन, तारीख 30-10-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

कृषि भूमि नं० 75 और 25 जिसका क्षेत्रफल क्रमशः 15 बीघा  
8 बिस्वा 18 बिस्वान्सी और 1 बीघा 14 बिस्वा 24 बिस्वान्सी  
है, जो कि ग्राम मढ़वा, तप्पा बजंराह जिला बस्ती में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 30-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री के० रत्नकुमार, राजामुंद्री।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 7 फरवरी 1976

निर्देश सं० एक्यू० 311/जे० सं० आई० (109) 69/75-  
76—यतः मुझे बी० बी० गुब्बाराव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 137, रेडल गली है, जो राजामुंद्री  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजामुंद्री में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
31-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2 के० बी० नारायण, निदेशक, मार्फत मैनेर्स मोटु इन्डस्ट्रीज  
प्राइवेट लिमिटेड, राजामुंद्री। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमुंद्री रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-75 से  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2778/75 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० बी० गुब्बाराव,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 7-2-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 7 फरवरी, 1976

सं० 310/जे०नं० I(87) प०गो० 75-76—यतः मुझे, बी०  
वी० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 10-51-15 है, जो 9 वार्ड, भीमवरम में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीमवरम में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्ति, को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री जूपूडि वेंकट विजय भास्कर, पिता केशवराज, भीमवरम  
(अन्तरक)

2. श्रीमती गदिराज, नारायणम्म पति राममूर्तिराज, भीमवरम<sup>1</sup>  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भीमवरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-75 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1503/75 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० वी० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, काकिनाडा।

तारीख : 7-2-1976  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री भूपतिराजु, बेंकटरामराजु, पिता नारायणराजु, रेलंगी  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना2. मेरगनि पैडम्मा, पति अप्पाराव, भीमवरम।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकिनाडा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

काकिनाडा, दिनांक 7 फरवरी, 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

सं० आर० ए० सी० सं० 309/जे० एन० 1 (89) प०  
गो०/75-76—यतः मुझे वी० बी० सुब्बाराव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8-1-150 से 152 है, जो 21 बार्ड भीमवरम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भीमवरम में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
31-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भीमवरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-75 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1442/15 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

बी० बी० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 7-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री कनपति हनुमंत राव पिता पापाराव, देसुपालेम ।  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 306/एम० ई० सं० 207—  
यतः मुझे बी० बी० सुब्बारावआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 11 और 12 है, जो देसुपालेम गांव में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगमयपेटा में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
31-7-1975 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अंत  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—2. (1) श्री नूतुलपाटि रामाराव पिता सुब्बाराव,  
(2) नूतुलपाटि रामाराव राधाकृष्ण पिता सुब्बाराव ।  
दिरिसेनवेल्ले गांव । (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जगमयपेटा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-75 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1572/75 में निगमित अनुसूची ।बी० बी० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा ।

तारीख : 7-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश सं० एम० एन० एस० /250/75-76 :—यतः मुझे,  
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मानसा कला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 [(1908 का 16) के अधीन, मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बख्तौर सिंह सुपुत्र श्री गुलाब सिंह सुपुत्र गहना सिंह गांव लोहगढ़ जनरल अटार्नी इन्द्र सिंह, महिन्द्र सिंह सुपुत्रान श्री भाग सिंह गांव आदम के तहसील मानसा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतिन्द्र दास एडवोकेट सुपुत्र बृज लाल अमर-सिंह सुपुत्र जोध सिंह, सुरजीत कौर पत्नी अमर-सिंह बासी मानसा ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 654 मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में है

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश नं० अमृतसर/251/75-76:—यतः मुझे, वी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मानसा कलां में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ  
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बखतावर सिंह सुपुत्र गुलाब सिंह सुपुत्र गहना सिंह  
गांव लोहगढ़ जी० ए० श्री इन्द्र सिंह व महिन्द्र सिंह  
सुपुत्रान भाग सिंह वासी आदम के तहसील मानसा।  
(अन्तरक)

(2) श्री सन्त राम, अमृत लाल सुपुत्रान राम चन्द सुपुत्र  
गंगा राम वासी मानसा। श्री रोशन सुपुत्र आसा-  
राम बुडलाड़ा।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

ना यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 655 मई, 1975  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में है।

वी० आर. सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निर्देश सं० एमएनएस०/252/75-76:--यतः मुझे, वी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख व अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो मानसा कला में स्थित है (और हमारे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

16-476GI/75

(1) श्री वधवावर सिंह सुपुत्र गुलाब सिंह सुपुत्र गहना सिंह गांव लोहगढ़ जी० ए० श्री इन्द्र सिंह व महिन्द्र सिंह सुपुत्रान भाग सिंह वासी गांव आदमके।

(अन्तरक)

(2) श्री सतिन्द्र दास गुप्ता एडवोकेट सुपुत्र बृजलाल कस्तूरी लाल सुपुत्र बृध राम गांव रवीबा दयालु बाला, प्रेमलता सुपुत्री किशोरी लाल वासी नम्बाना।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है तथा किराएदार यदि हों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 658 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश नं० एम०एन०एस०/253/75-76 :—यतः मुझे,  
बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मानसा कला में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई,  
1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बख्तावर सिंह सुपुत्र गुलाब सिंह सुपुत्र गहना  
सिंह गांव लोहगढ़ जी०ए० श्री इन्द्र सिंह व महिन्द्र  
सिंह सुपुत्रान श्री भाग सिंह गांव आदमके तहसील  
मानसा। (अन्तरक)

(2) श्री लछमन दास सुपुत्र रौनक राम सुपुत्र बन्सी राम  
नारायण प्रसाद सुपुत्र बनारसी दास सुपुत्र विरीया  
मल वासी मानसा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 673 मई, 1975  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में है।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-76

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निर्देश न० एम० एन० एस०/254/75-76.—यतः मुझे,  
वी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो, मानसा कलाँ में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई,  
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बखतावर सिंह सुपुत्र गुलाब सिंह सुपुत्र गहना सिंह  
गाव लोहगढ़ जी० ए० श्री इन्द्र सिंह, महिन्द्र सिंह  
सुपुत्रान भाग सिंह गाव आदमके तहमील मानसा ।  
(अन्तरक)

(2) श्री रोशन लाल सिगला सुपुत्र आसा राम वासी  
बुढ़लाडा ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 म है तथा किराएदार यदि हों ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

-

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 674 मई, 1975  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में है ।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 12-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निर्देश नं० बी० टी० डी०/255/75-76 :- यतः मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि का प्लॉट है तथा जो सीविधा रोड भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री रामचन्द पुत्र तोता राम, श्री देसराज, बलायती राम, बिरज लाल सुपुत्रान, फुम्मन मल बासी गांव सीविधा तहसील भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार गोयल सुपुत्र सोहन लाल, श्रीमती कमला गुप्ता पत्नी कुलवंत राय गुप्ता बासी मोदी नगर (लोकल पता मार्फत सोम प्रकाश सुपुत्र बलायती राम कलाथ मर्चेन्ट सदर बाजार, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1155 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में है।

बी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निर्देशन० बीटीडी०/256/75-76:—यतः मुझे, बी० आर० सगर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी स० भूमि का प्लॉट है तथा जो, सिविया रोड  
भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
मई, 1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमा करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री रामचन्द सुपुत्र तोताराम, सर्व श्री देसराम,  
बलायती राम व बृजलाल सुपुत्रान फुम्मन मन  
वासी गांव सिविया तहसील भटिण्डा ।  
(अन्तरक)

(2) श्री सोम प्रकाश सुपुत्र बलायती राम बलाय मरचैट  
गहर बाजार, भटिण्डा ।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न. 2 में है तथा किराणदार यदि हों।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1153  
मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में है।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निदेश नं० एक्यु० 312/जे० न० 1 (96) डब्ल्यू० जी०/75-  
76:—यतः सुखे, बी० बी० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 101/6, 104, 106 और 222/2 है, जो  
पानुलपूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उन्दी  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 15-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और सुखे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं,  
'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० वेकटराव पुत्र वेकटरामय्या, जल्लिकाकिनाड  
(अन्तरक)

(2) श्री पोन्नगाटि आदिलक्षाम पत्नी वेकटरामय्या दर-  
मिपूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जागे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

उन्दी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 15-8-75 में  
पंजीकृत दस्तावेज न० 1464/75 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० बी० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 7-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ~

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 9 फरवरी, 1976

स० आर० ए० सी० स० 314 जे० न० 122/75-76 :—  
यतः मुझे, बी० बी० मुन्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० डोर न० 5-87, 18 लक्ष्मीपुरम है, जो गुंटूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कोच्चल राजागव और दमरु, गुंटूर।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर एस० बी० रमना के प्रतिनिधि के० नागिरेड्डी, गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से 30-6-1975 पाक्षिक अन्त में पञ्जाकृत दस्तावेज न० 2643/75 में नियमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० बी० मुन्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 9-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 9 फरवरी, 1976

सं० आर० एक्चू० 313/जे० न० 116/7576—यतः मुझे  
बी० बी० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-2-20, नेहरू नगर है, जं. गुटूर में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुपुची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुटूर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 30-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
तेमें अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय को बाबत,  
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) तेमो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा  
269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित  
व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कान्छु तुनयम्मा सुब्बाराव, गुटूर  
(अन्तरक)

(2) श्री अल्लूर विश्वेश्वरराव, कलवत्ता  
(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुटूर रजिस्ट्री अधिकारी से 30-6-1975 पाक्षिक अन्त  
में पंजीकृत दस्तावेज न० 2720/75 से निगमित अनुसूची  
सम्पत्ति।

बी० बी० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 9-2-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 फरवरी 1976

निर्देश सं० 66-एम०/अर्जन---यतः मुझे, बिशम्बर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है  
और जिसकी संख्या 40/1 है तथा जो मौजा ऐंटपुर पर पलिया  
जिला लखनपुर खोरी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
निर्धारण में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 20-2-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात्

17-476 GI/75

1. श्री टेहल मह (अन्तरक)

2. श्री महेंद्र सिंह व अन्य (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 40/1 जिसका क्षेत्रफल 12.50 एकड़  
है। जो कि मौजा ऐंटपुर पर पलिया तह० निर्धारण जिला  
लखनपुर खोरी में स्थित है।

बिशम्बर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, लखनऊ

तारीख : 2-2-1976 ।

मोहर :

## DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 4th February 1976

No. S (27)/A.II.—The President is pleased to appoint Shri S. R. Sethi, Manager, Govt. of India Press, Nasik to officiate

as General Manager, Govt. of India Press, Minto Road, New Delhi, with effect from 12-1-76 (F.N.), until further orders.

S. M. JAMBHOLKAR  
Director of Printing

DEPARTMENT OF SUPPLY  
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES  
AND DISPOSALS

(Admn. Branch A-6)

New Delhi, the 28th January 1976

No. A-6/76(4)/58/XV.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent posts of Assistant Directorate of Inspection (Met. Chem.) in grade-III of the Indian Inspection Service, Met.-Chem. Branch Class-I with effect from the date indicated against the name of each officer :—

| S. No.               | Name | Post held   | Post in which confirmed                           | Date from which confirmed | Remarks  |
|----------------------|------|---|---|---------------------------|--|
| S/Shri               |      | Dy. Director of Inspection (Met. Chem.) Retired.    | Assistant Director of Inspection (Met. Chem.) Do. | 30-11-67                  | Vice Sh. G. V. Halwad retire.  |
| 1. S. N. Das Gupta   |      |   |   | 23-12-69                  | Against the tempy. post made permanent vide Deptt. of Supply letter No. 42/28/68-ES.II dated 23-12-1969. |
| 2. B. B. Banerjee    |      | Dy. Director of Inspection (Met. Chem.)             | Do.   | 23-12-69                  | Do.  |
| 3. K. L. Murty       |      | Do.   | Do.   | 1-3-73                    | Vice Shri S. N. Das Gupta retired w.e.f. 28-2-73 (A.N.)  |
| 4. M. N. Dutta Gupta |      | Asstt. Director of Inspection (Met. Chem.) retired. | Do.   |                           |  |

SURYA PRAKASH

Dy. Director (Admn.),

For Director Gen. of Supplies and Disposals.

## MINISTRY OF STEEL &amp; MINES

(DEPARTMENT OF STEEL)

## IRON &amp; STEEL CONTROL

Calcutta-700020, the 4th February 1976

No. EI-12(58)/71().—On completion of his period of deputation as Accounts Officer in the Office of the Iron & Steel Controller, Calcutta Shri S. R. Roy Chowdhury has been granted earned leave for 110 days with effect from 27.11.1975.

2. On the expiry of his leave, the service of Shri S. R. Roy Chowdhury shall stand placed at the disposal of his Parent Department viz., Director of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs, Stores, Workshops and Tele-Check, Calcutta.

T. GHOSH, Iron &amp; Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 31st January 1976

No. 2222(SCN)/19A.—Shri Satish Chandra Nautiyal is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 16th December 1975 until further orders.

No. 2222(SNU)/19A.—Shri Surendra Naagaraj Upadhye is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 5th December, 1975, until further orders.

No. 2222(PKR)/19A.—Shri Prasanta Kumar Roy is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24th November 1975 until further orders.

No. 2222(SSS)/19A.—Shri S. S. Sahasrabuddhey is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22nd December 1975 until further orders.

The 3rd February 1976

No. 2251(MSR)/19B.—Shri M. S. Ramaswamy received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd. in the same capacity with effect from the forenoon of the 3rd September 1975.

No. 2251(MSC)/19B.—Shri Mehar Singh Chowdhury, Senior Drilling Assistant, Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1.12.1975, until further orders.

V. K. S. VARADAN, Director General

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 27th January 1976

No. A19012(47)/72-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri R. M. Umathay to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 8th January, 76 until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY, Sr. Administrative Officer  
for Controller

## NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 11th December 1975

No. F11-17/75-A.1.—Shri Kabir Kausar Assistant Archivist Grade I (Oriental Records) is appointed to officiate as Archivist (Oriental Records) (Class II Gazetted) on purely ad hoc basis with effect from the forenoon of the 1st December 1975 and until further orders (Vice Shri R. R. Agarwal,

Archivist (O.R.) on leave). This ad-hoc appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

S. N. PRASAD, Director of Archives

#### DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 21st January 1976

No. 2/12/75-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. K. Pangasa, S.E.A., A.I.R. Jeypore (Orissa) to officiate in the grade of Assistant Engineer on ad hoc basis with effect from 17-10-75 (Forenoon) at Television Centre, All India Radio, Lucknow.

HARJIT SINGH, Deputy Director of Admn.  
for Director General

New Delhi, the 2nd February 1976

No. A-30014(3)/74-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Charanjit Singh, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 16.6.75.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Charanjit Singh, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 9-5-75.

P. K. SINHA,  
Deputy Director of Administration  
for Director General

#### (PLANNING & DEVELOPMENT UNIT)

New Delhi, the 30th January 1976

No. (28) 68-D(S).—Shri M. V. Ramakrishnan, Accounts Officer in the office of Accountant General, Central Revenues, New Delhi has been appointed on deputation to the post of Accounts Officer in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the office of Regional Engineer (North), All India Radio, New Delhi for a period of two years w.e.f. 15-4-1975.

This supersedes the Directorate's notification No. 2/8/68-D(S), dt. 17-5-75.

The 31st January 1976

No. 2(8)/68-D(S).—Shri M. V. Ramakrishnan, Accounts Officer in the office of Accountant General, Central Revenues, New Delhi has been appointed on deputation to the post of Accounts Officer in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the office of Station Engineer, Central Stores, All India Radio, New Delhi for a period of two years w.e.f. 14-4-1975.

This supersedes the Directorate's notification No. 16(37)DS-67-II, dt. 16-5-75.

T. R. SABHARWAL,  
Deputy Development Officer of Administration  
for Director General

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 23rd January 1976

No. 1-11/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Satya Brata De in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Professor of Sanitary Engineering (Chemical Operation) at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta with effect from the 7th April, 1973.

The 27th January 1976

No. 19-15/72-Admn.I.—Shri B. Krishnan relinquished charge of the post of Reader in Physics at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry on the forenoon of the 14th July, 1975.

2. Shri B. Krishnan assumed charge of the post of Lecturer in Physics at the same Institute on the forenoon of the 15th October 1975.

No. 19-16/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. R. Sundaresan in a substantive capacity to the permanent post of Chemist (Non-Medical Assistant) (Bio-chemistry) the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the 6th April 1974.

The 29th January 1976

No. 11-25/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. C. Gangal in a substantive capacity to the permanent post of Technical Officer in the Central Drugs Standard Control Organisation, with effect from the 28th August 1973.

No. 16-21/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Gurdeep Sinha to the post of Health Education Officer (Field Survey Demonstration Centre) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services on an ad hoc basis with effect from the forenoon of 29th December 1975 and until further orders.

#### CORRIGENDUM

No. 17-25/74-Admn.I.—In this Directorate's Notification No. 17-25/74-Admn.I, dated the 10th December 1974 published on page 218 of the Gazette of India, Part III, Section I, dated the 11th January 1975 for the words "28th August 1973" read "29th December 1972".

The 2nd February 1976

No. 18-12/72-Admn.I.—Consequent on his selection for appointment to the post of Deputy Director General, Commercial Intelligence & Statistics (Ministry of Commerce), Calcutta, Shri K. A. D. Sinha relinquished charge of the post of Statistician in the Central Bureau of Health Intelligence, Directorate General of Health Services on the afternoon of 15th January 1976.

The 4th February 1976

No. 3-1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. D. Sharma, Section Officer of the C.S.S. (Department of Cabinet Affairs) to the post of Administrative Officer in the Central Government Health Scheme, New Delhi on deputation basis, with effect from the forenoon of the 22nd January 1976 and until further orders.

2. Consequent on the appointment of Shri K. D. Sharma to the post of Administrative Officer, Shri K. S. Parthasarathy relinquished charge of the post of Administrative Officer in the Central Government Health Scheme, New Delhi with effect from the forenoon of the 22nd January 1976.

The 5th February 1976

No. 19-19/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. K. Nambinarayanan, Demonstrator, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry to the post of Lecturer in Physics at the same Institute, with effect from the forenoon of the 5th January 1976 and until further orders.

S. P. JINDAL,  
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 6th February 1976

No. 40-2/75-CHS.I.—Consequent on his transfer to C.G. H.S., Hyderabad Dr. S. Chatterjee an officer of G. D. O. Grade I of the C.H.S. relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Medical) at Regional coordinating organisation, N.M.E.P., Hyderabad on the forenoon of the 29th December 1975.

R. N. TEWARI,  
Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 6th February 1976

No. 41-39/75-D.—The Director General of Health Services hereby appoints Shri Kapu Bhargava as Drugs Inspector in the West Zone, office of the Central Drugs Standard Control Organisation of the Directorate General of Health Services at Bombay in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6th January 1976 and until further order.

S. S. GOTHOSKAR,  
Drugs Controller (India)  
for Director General of Health Services

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION  
HEAD OFFICE

Faridabad, the 27th January 1976

No. F.4-5(64)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri A. G. Deshpande has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India, as Marketing Officer, Group I, on the officiating basis in the Directorate of Marketing & Inspection at Bombay with effect from 2 January 1976 (F.N.) until further orders.

(HEAD OFFICE)

The 28th January 1976

No. F.4-13(36)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Mukh Raj Grover has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India, as Junior Scientific Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an officiating basis in the Directorate of Marketing & Inspection at Madras with effect from 23-12-1975 (F.N.) until further orders.

No. F.4-5(65)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri M. R. Deshpande, Assistant Marketing Officer, has been appointed by the competent authority as Marketing Officer, Group II on the officiating basis in the Directorate of Marketing & Inspection at Bombay with effect from 18-12-1975 (F.N.) until further orders.

The 2nd February 1976

No. F.4-6(92)/75-A.I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, New Delhi, Shri Bijay Kumar Sinha has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India, to officiate as Assistant Marketing Officer, Group II, in the Directorate of Marketing and Inspection at Bombay with effect from 15-11-1975 (Afternoon) until further orders.

The 3rd February 1976

No. F.4-6(102)/75-A.I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, New Delhi, Shri Rupendra Kumar Shivaraj Pillay has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, to officiate as Assistant Marketing Officer, Group II in the Directorate of Marketing & Inspection at Madras with effect from 10-12-1975 (F.N.) until further orders.

The 5th February 1976

No. F.4-6(106)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Mohammed Hadis, has been appointed by the competent authority to officiate as Assistant Marketing Officer, Group I in the Directorate of Marketing and Inspection at Bhopal with effect from 12-1-1976 (F.N.) until further orders.

The 6th February 1976

No. F.4-6(103)/76-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Brij Bihari Singh has been appointed by the competent authority to officiate as Assistant Marketing Officer, Group I in the Directorate of Marketing and Inspection at Bhopal with effect from 12-1-1976 (forenoon) until further orders.

V. P. CHAWLA,  
Director of Administration

## PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehradun, the 2nd February 1976

No. 4-5/71-Adm.—The Services of Shri T.K.T.S. Ramachandran, Statistical Officer, Preinvestment Survey of Forest Resources, Dehradun are placed at the disposal of P.L. 480 Research Project 01-658-2 'Survival and outcome of a Birth Cohort', Department of Paediatrics, Safdarjung Hospital, New Delhi with effect from the afternoon of 15-1-76, for appointment as Research Officer there on usual deputation basis.

No. 4-3/74-Adm.—The Services of Shri Hans Raj Mishra, Permanent Sr. Statistical Investigator, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) who has been working as Statistical Officer in Preinvestment Survey of Forest Resources are placed at the disposal of National Atlas Organisation with effect from the forenoon of the 14th January 1976 for appointment as Sr. Statistical Officer.

ROMESH CHANDRA  
Chief Coordinator

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

## PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 20th December 1975

No. PA/81(133)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Ramchandra Ranoji Ransubhe a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of November 1, 1975, until further orders.

The 3rd January 1976

No. PA/81(138)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Ramchandra Ranoji Ransubhe, temporary Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon on November 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN  
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Maharashtra, the 29th December 1975

No. TAPS/ADM/735-A.—Consequent on the posting of a regular incumbent by the Cadre Authority, Shri R. R. Bhandoni, officiating Assistant Personnel Officer on ad hoc basis, relinquished charge of office of Asstt. Personnel Officer, in Tarapur Atomic Power Station with effect from the afternoon of 20-12-1975.

K. V. SETHUMADHAVAN,  
Chief Administrative Officer

## NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 20th January 1976

No. NFC/Adm/22/12/101.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex Appoints the following officials to officiate as Assistant Personnel Officers in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from the dates shown against each, until further orders.

## Name &amp; Date of appointment

1. Shri T. L. Ramachandran (Personal Assistant, DAE)—1-12-1975 FN.
2. Shri K. Ramachandran (Offg. Supdt., AMD)—2-12-1975 FN.
3. Shri S. A. Srinivasan (Offg. Assistant, BARC)—9-12-1975 FN.
4. Shri C. V. Gopalakrishnan (Pmt. Stenographer, BARC)—8-1-1976 FN.

S. P. MHATRE, Senior Administrative Officer



## HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 28th January 1976

No. 05000/N-54/559.—Officer-on-Special Duty. Heavy Water Projects, appoints Shri Natarajan Narayanan to officiate as Labour-cum-Welfare Officer in Heavy Water Project (Fertilizer), in a temporary capacity, with effect from January 1 1976 (FN) until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY, Senior Administrative Officer

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 4th February 1976

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Bibakar Goswami as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from 26th December, 1975 Forenoon, until further orders.

S. RANGANATHAN, Sr. Administrative &amp; Accounts Officer

## REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakam, the 10th January 1976

No. RRC-II-1(25)/72-P445.—Consequent upon his selection for inclusion in the Centralised cadre of Assistant Personnel Officers/Assistant Administrative Officers of the Department of Atomic Energy, Project Director, RRC, hereby appoints Shri RAGHVACHARYA RAGHUNATHAN, a temporary Selection Grade Clerk of the Madras Atomic Power Project, as an officiating Assistant Administrative Officer in the Reactor Research Centre with effect from the forenoon of November 17, 1975, until further orders.

K. SANKARANARAYANAN,  
Senior Administrative Officer

## DEPARTMENT OF SPACE

## CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 27th January 1976

No. 10/3(86)/75-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint on deputation from the Office of the Accountant General, Tamil Nadu, Madras, Shri K. Ramaswamy, a Section Officer in that office, as Assistant Accounts Officer in the Civil Engineering Division, Department of Space, in an officiating capacity with effect from 1-12-1975 and until further orders.

P. I. U. NAMBIAR, Administrative Officer  
for Chief Engineer

## MINISTRY OF TOURISM &amp; CIVIL AVIATION

## INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-110003, the 27th January 1976

No. E(1)04091.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. Basu, prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Thirty one days with effect from the forenoon of 1-1-1976 to 31-1-1976.

Shri Basu, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(1)04261.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. Gopinatha Rao, Prof. Assistant Office of the Dy. Director General of Observatories, (Climatology & Geophysics), Poona, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty nine days with effect from the forenoon of 1-1-1976 to 29-3-1976.

Shri Gopinatha Rao, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.

No. E(1)04285.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. V. Parameswaran, Prof. Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of forty four days with effect from the forenoon of 1-1-1976 to 13-2-1976.

Shri Parameswaran, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.

The 28th January 1976

No. E(1)05853.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri T. V. Vaidyanathan, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st January, 1976 and until further orders.

Shri Vaidyanathan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

The 3rd February 1976

No. E(1)07161.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri Onkari Prasad, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of thirty eight days with effect from the forenoon of 1-1-1976 to 7-2-1976.

Shri Onkari Prasad, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 5th February 1976

No. E(1)04318.—The Director General of Observatories hereby appoint Shri H. R. Ganesan, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories, (Climatology & Geophysics), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of thirty nine days with effect from the forenoon of 2-1-1976 to 9-2-1976.

Shri H. R. Ganesan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.

No. E(1)04318.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. Rengarajan, Professional Assistant, Meteorological Centre, Trivandrum under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of forty days with effect from the forenoon of 7-1-1976 to 15-2-1976.

Shri Rengarajan, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to Meteorological Centre, Trivandrum under the Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(1)05132.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. L. Ghose, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of forty-four days with effect from the forenoon of 3-1-1976 to 15-2-1976.

Shri Ghose, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

M. R. N. MANIAN, Meteorologist,  
for Director General of ObservatoriesOFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 20th January 1976

No. A. 32014/2/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following 38 Technical Assistants (working as Assistant Technical Officer on an ad hoc basis) as Assistant Technical Officer on a regular basis

in the Civil Aviation Department with effect from the 6th January, 1976 and until further orders :—

Name & Station to which posted

1. Shri A. Rajagopalan—Bombay.
2. Shri Mukhtiar Singh—Calcutta.
3. Shri R. Ramamurthy—Calcutta.
4. Shri C. N. Mahadev—Palam.
5. Shri M. Raghavan—Madras.
6. Shri M. Apparao—Madras.
7. Shri C. Herman—Begumpet.
8. Shri D. C. Dabgotra—Jammu.
9. Shri M. L. Dey—Calcutta.
10. Shri M. P. Sama—C.A.T.C.
11. Shri S. K. Bhattacharya—Calcutta.
12. Shri H. S. Sarna—Palam.
13. Shri N. S. Apte—Nagpur.
14. Shri G. M. Rao—Calcutta.
15. Shri I. M. Krishnan—Calcutta.
16. Shri K. C. Devgan—R.C. & D.U.
17. Shri V. P. Narang—Safdarjung.
18. Shri A. K. Dey—Calcutta.
19. Shri R. Vittal Singh—Bombay.
20. Shri T. N. Viswanathan—Madras.
21. Shri P. C. Jain—Safdarjung.
22. Shri V. K. Sharma—Safdarjung.
23. Shri Harbhagwan—Bhavnagar.
24. Shri T. D. Sharma—Bombay.
25. Shri M. K. Chatterjee—Imphal.
26. Shri P. K. Sengupta—Calcutta.
27. Shri G. D. Kulkarni—Bombay.
28. Shri Piayara Singh—Calcutta.
29. Shri Inderjit Sharma—C.A.T.C.
30. Shri T. R. Menon—Calcutta.
31. Shri G. S. Kochikar—Bombay.
32. Shri K. S. Balasubramaniam—Bombay.
33. Shri Manohar Singh—Kud.
34. Shri P. N. Nayar—Gauhati.
35. Shri M. D. Ranganathan—Madras.
36. Shri H. L. Sharma—Palam.
37. Shri Y. P. Bhatia—Barapani.
38. Shri B. R. Rao—Bombay.

New Delhi, the 23rd January 1976

No. A-32013/4/75-E.C.—The President is pleased to approve the *proforma* promotion of the following four Assistant Technical Officers in the Civil Aviation Department and at present on deputation to the country town against each, to the grade of Technical Officer with effect from the 1st December, 1975 (forenoon) and until further orders :—

| Sl. No. | Name             | Country to which on deputation | With effect from |
|---------|------------------|--------------------------------|------------------|
|         | S/Shri           |                                |                  |
| 1.      | M. A. Venugopal  | Zambia                         | 23-7-75 (A.N.)   |
| 2.      | S. Venkateswaran | Democratic Republic of Yemen   | 6-6-74           |
| 3.      | K. Srinivasan    | Do.                            | 1-6-74           |
| 4.      | D. S. Srivastava | Zambia                         | 14-5-75 (A.N.)   |

The 29th January 1976

No. A 38013/1/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to permit Shri H. S. Bhardwaj, Assistant Communication Officer, A.C.S., Safdarjung Airport, New Delhi to retire from Government service in terms of the provisions of I.R. 56(k) with effect from the 31-12-1975 (A.N.)

No. A.32014/2/74-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri P. C. K. Nair, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Bangalore as Assistant Communication Officer with effect from 24-12-1975 and to post him at the same station until further orders.

H. L. KOHLI,  
Dy. Director of Admn.  
for Director Gen. of Civil Aviation

New Delhi, the 31st January 1976

No. A. 32013/4/75-E.C.—The President is pleased to appoint Shri B. K. B. Nair, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station Nagpur as Technical Officer in the Civil Aviation Department with effect from the 9th January, 1976 (AN) until further orders and to post him in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, New Delhi.

No. A. 38012/1/75-EC.—The following two Communication Officers retired from Government service on 31-12-1975 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

S. No., Name & Station of Posting.

1. Shri P. B. Syamray—A.C.S., Calcutta.
2. Shri K. K. Das—A.C.S., Safdarjung Airport, New Delhi.

The 2nd February 1976

No. A. 32013/2/75-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/2/75-EC, dated the 26th/28th July, 1975, the President is pleased to extend the *ad-hoc* promotion of Shri B. B. Bandhopadhyay, as Controller of Communication, Calcutta Airport, Dum Dum for a further period from 1-9-1975 to 29-2-1976.

H. L. KOHLI,  
Dy. Director of Admn.

New Delhi-110022, the 4th January 1976

No. A-41012/1/74-E(H).—The services of Air Commodore A. F. Gama, an officer of the Indian Air Force, who was appointed on deputation with the Civil Aviation Department as Examiner of Flying with effect from the 17th September, 1973, and on his retirement from the Indian Air Force, re-employed in the same capacity with effect from the 7th October, 1973, stand terminated with effect from the forenoon of the 17th September, 1975. Air Commodore A. F. Gama was granted earned leave for 60 days with effect from the 17th September, 1975 to the 15th November, 1975, in terms of Rule 39(7) of the C.C.S. (Leave) Rules, 1972.

The 29th January 1976

No. A-32013/15/75-E(H).—The President has been pleased to appoint Shri R. Narasimhan, permanent Senior Scientific Officer as Deputy Director of Research & Development in the Civil Aviation Department, New Delhi purely on an *ad-hoc* basis for a period of six months with effect from the forenoon of the 22nd January, 1976, or till Shri P. R. Chandrasekhar, Deputy Director of Research & Development, who has been deputed for training for the study on the subject of F.A.A. airworthiness design and testing requirements and procedures for different types of aircrafts and helicopters in the United States of America, resumes duty on return from deputation, whichever is earlier.

T. S. SRINIVASAN  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 24th January 1976

No. A.32013/5/75-EA.—The President is pleased to sanction the continued *ad-hoc* appointment of the following officers, as Aerodrome Officer upto the 31st March, 1976 or

till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier. —

*Name and Station of posting*

1. Shri K. P. V. Menon—Mangalore
2. Shri V. R. Vishwanathan—Bhopal
3. Shri S. C. Joshi—Hqrs. A.O. (AFS)
4. Shri O. P. Dhingra—Hqrs. T.O. (P)
5. Shri M. P. Khosla—Udhampur
6. Shri J. S. R. K. Sharma—Madras
7. Shri K. S. Prasad—Mohanbari
8. Shri N. D. Ghosh—Dum Dum
9. Shri Ravi Tankha—Safdarjung
10. Shri C. R. Rao—Rajkot
11. Shri Kundan Lal—Aurangabad
12. Shri J. K. Sardana—Srinagar
13. Shri K. C. Misra—Santacruz
14. Shri G. B. K. Nair—Santacruz
15. Shri D. D. Sardana—Safdarjung
16. Shri K. N. Venkatachalliah—Santacruz
17. Shri S. Dayal—Hqrs. T.O. (AS)
18. Shri S. C. Sekhri—Udaipur
19. Shri M. P. Jain—Safdarjung
20. Shri S. K. Jain—Palam
21. Shri D. Ramanujam—Safdarjung
22. Shri A. T. Verghese—Kumbhirgram
23. Shri K. V. S. Rao—Madras
24. Shri N. P. Sharma—Safdarjung
26. Shri R. Kothanadaraman—Trichirapalli.
26. Shri R. Kothanadaraman—Trichirapalli.

C. K. VATSA  
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 3rd February 1976

No. 1/403/76-EST.—Shri Vidya Shankar Pandey, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 1st January, 1976, and until further orders.

The 3rd February 1976

No. 1/399/76-EST.—Shri P. N. Sundaram, Permanent Senior Foreman, Madras Branch is appointed as Chief Mechanician in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 1st January, 1976, and until further orders.

P. G. DAMLF  
Director General

Bombay, the 31st January 1976

No. 1/397/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri E. C. Agonso, Senior Foreman, Bombay Branch, as Chief Mechanician in an officiating capacity in the same Branch for the period from the 1st December, 1975 to 3rd January, 1976 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY  
Administrative Officer  
for Director General

Bombay, the 31st January 1976

No. 1/395/76-EST.—The Director General, has accepted the resignation from Government service, of Shri Jasbir Singh Sodana, Temporary Assistant Engineer, Bombay Branch, with effect from the afternoon of the 17th January, 1976.

P. K. G. NAYAR  
Dy. Director (Admn.),  
for Director General

CENTRAL BUREAU OF NARCOTICS

OFFICE OF THE NARCOTICS COMMISSIONER OF INDIA

(NARCOTICS DEPARTMENT)

Gwalior-6 (M.P.), the 31st January 1976

S. No. 39.—Shri A. K. Dass, District Opium Officer, Mandsaur I Division is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 810/- in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1-9-75

A. SHANKER  
Narcotics Commissioner of India

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 24th January 1976

No. A-19012/558/75-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chairman Central Water Commission is pleased to appoint Shri D. K. Sharma, Research Assistant of this Commission, to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the CWC in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a regular basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 15th December, 1975, until further orders.

Shri D. K. Sharma will be on probation in the grade of Assistant Research Officer (Chemistry), Central Water Commission, for a period of two years, with effect from the above date viz. 15-12-1975 (forenoon).

No. A-19012/557/75-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri G. M. Kotawar, Research Assistant of this Commission, to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group), in the Central Water and Power Research Station, Poona, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the 17th December, 1975 (forenoon), upto 29-2-1976 or till such time as the vacancies in the grade are filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 29th January, 1976

No. A-19012/197/70-Adm.V.—In partial modification of this Commission's Notification No. A-19012/197/70-Adm.V dated the 6th May, 1970, the Chairman, Central Water and Power Commission (now Central Water Commission) is pleased to appoint Shri G. C. Wadhwa, Supervisor to officiate *notionally* in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer, (Engineering) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) now the Central Water Commission, on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 (preserved) with effect from 22-1-1969.

Shri G. C. Wadhwa, may be deemed to have taken over charge of the post of Extra-Assistant Director, in the Central Water and Power Commission (Water Wing), New Delhi with effect from the above date

K. P. B. MENON  
Under Secretary  
for Chairman, C.W. Commission

New Delhi-22, 2nd February 1976

No. A-19012/546/75-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri Nathi Singh to the post of Assistant Research Officer (Physics Group) in the Central Water Commission in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 5th January, 1976.

2 Shri Nathi Singh will be on probation for a period of two years with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON  
Under Secretary  
Central Water Commission

## CENTRAL GROUND WATER BOARD.

N.H. IV, Faridabad-121001, the 5th February 1976

No. 3-368/75-CH(Estt.).—Shri D. M. Rama Rao is appointed as Assistant Hydrogeologist, G. C. S. Class-II (Gazetted) in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on *ad hoc* and temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Bangalore w.e.f. 10th March 1975 (F.N.) to 24th Oct 1975 (A.N.).

No. 3-350/74-CH(Estt.).—Consequent on his selection by U.P.S.C. Shri D. B. Shetye is hereby appointed to the post of Asstt. Hydrogeologist, G.C.S. Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Sholapur w.e.f. 1st January 1976 (F.N.) till further orders.

D. S. DESHMUKH

Chief Hydrogeologist &amp; Member.

## CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

## OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 28th January 1976

No. 5/6/75-ECL.—The President is pleased to appoint the following candidates in the results of the Engineering Services Examination 1974 on probation in the CES Class I/CEES Class I in the CPWD against temporary posts of Asstt. Ex. Engineers (Civil)/Asstt. Ex. Engineer (Elect.) with effect from the dates mentioned against their names.

## CES Class I

S/Shri

1. Rakesh Mishra—26th December 1975
2. N. K. Sinha—6th January 1976
3. Ranveer Singh—6th January 1976.

## CEES Class I

1. A. C. Suri—3rd January 1976
2. G. Nelson Raj—9th January 1976.

P. S. PARWANI

Dy. Director of Administration  
for Engineer-in-Chief

New Delhi, the 2nd February 1976

No. 27-E/P(14)/70-E.C.-II.—The following Officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation have retired from Govt. service on 31-1-76 (A.N.)

| Name                  | Present Designation.   |
|-----------------------|--|
| 1. Shri P. R. Puri    | Executive Engineer on deputation to All India Radio (Civil Constn. Wing) Bombay. |
| 2. Shri D. R. Chopra  | Executive Engineer on deputation to University of Delhi, Delhi.                  |
| 3. Shri I. J. Khiancy | Surveyor of Works, Office of the SSW(Ayn.), CPWD, New Delhi.                     |

P.S. PARWANI

Dy. Director of (Admn.)

## CENTRAL GROUND WATER BOARD

New Delhi-110022, the 30th January 1976

No. 6/2/75-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri S. A. Khan, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the forenoon of 31st December, 1975.

JANGSHER SINGH  
Under Secy.

## MINISTRY OF RAILWAYS

## (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 27th January 1976

No. 74/RE/161/1.—It is notified for the information of general public that in connection with the introduction of 25 Kv A. C. electric traction in the Section Khurja Junction (Excl) to Ghaziabad (Inc) Structure No. 1371/23-24 to Structure No. 18/24 on Down Main Line and 18/29 on Up Main Line (Km. from New Delhi side) height gauges have been erected at all level crossings with clear height of 4.67 metres (15 ft. 4 in.) above road level, with a view to preventing loads of excessive height from coming into contact with or in dangerous proximity of live traction wires. Public are hereby notified to observe the height specified above, for the purpose of loading vehicles and to ensure that loads carried in road vehicles do not infringe the height gauges under any circumstances.

The dangers involved in a load of excessive height are :

- (i) the height gauge would be thrown out causing construction to the road as well as to the Railway line;
- (ii) the materials or equipment carried (or the vehicle itself) may be damaged;
- (iii) fire may be caused involving risk to life, due to the contact or dangerous proximity with the live conductor.

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A. C. Overhead Traction wires will be energised on 25 Kv on or after 2nd February 1976 in the Section Ajaibnour Sectioning Post to Ghaziabad (incl.) Structure No. 1403/17-18 to Structure No. 18/24 on Dn Main Line and 18/29 on Up Main Line (Km from New Delhi side) on and from the same date the overhead traction line shall be treated as live at all times, and no unauthorised persons shall approach or work in the proximity of it.

The 28th January 1976

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A. C. Overhead Traction Wires will be energised on 25 KV on or after 12th January 1976 in the Section Khurja (excl.) to Ajaibnour Sectioning Post (incl.) (Structure No. 1371/23-24 to Structure No. 1403/17-18). On and from the same date the overhead traction line shall be treated as live at all times and no unauthorised persons shall approach or work in the proximity of it.

A. L. GUPTA  
Secretary, Railway Board.

## NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 17th December 1975

No. 17.—The following officers of Mech. Engg. Deptt of Northern Railway have retired from Rly. Service finally from

the dates noted against each

1. Shri Bhim Sain Sharma, AWM/Klka w.c.f. 30th November 1974.
2. Shri Sant Lal Malik, offg AME (MR) Hd. Qrs. Office from 31st October 1975.

V. P. SAWHNEY  
General Manager.

#### NORTH-EAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 20th January 1976

No. E/55/III/94PLIII(O).—The following Junior Scale officer of the Civil Engineering Department are confirmed in the Senior Scale with effect from the date noted against each.

*Sl No., Name of Officers & Date from which Confirmed*

1. Shri Tirath Prakash—18th June 1973.
2. Shri S. K. Kanjilal—15th July 1973.
3. Shri B E Guha Biswas—1st April 1974.

H L VERMA  
General Manager.

#### CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 29th January 1976

No. HPB/220/G/I(W).—Shri R. K. Singh who was appointed as Probationer in the Indian Railway Service of Engineers is confirmed as Assistant Engineer in the Junior Scale with effect from 17th April, 1975.

B. D. MEHRA  
General Manager.

#### MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF REHABILITATION)

##### OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Jeypore-764003, the 24th January 1976

No. PF/G/63.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, SHRI RAMPRAKASH CHANDER is appointed to the post of Assistant Engineer in the scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Rehabilitation Reclamation Organisation w.c.f. the forenoon of 16th January 1976, until further orders.

2. Shri Chander assumed the charge of the post of Assistant Engineer FMU-14, RRO at Huthay (Little Andamans) on the forenoon of 16th January 1976.

N. SATHYAMURTHY  
Operational Engineer.

#### DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Bombay, the 12th November 1975

No. 7935/TA/247(5).—Whereas M/s. Orient Chit Fund Limited, having its registered office at Room No. 62, Bombay Mutual Building, 1st floor, Hornby Road, Bombay-1, is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no Liquidator is acting and that the statement of Accounts (Returns) + required to be made by the Liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (5) of Section 247 of the Indian Companies Act, 1913 notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of M/s. Orient Chit Fund Limited, will unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.  
18—476GI/75

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
M/s. Hotel Palace Ajanta Private Limited*

Bombay-2, the 23rd January 1976

No. 14573/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Hotel Palace Ajanta Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
M/s. Satara Swadeshi Commercial Bank Limited*

Bombay, the 2nd February 1976

No. 259/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Satara Swadeshi Commercial Bank Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
M/s Bank of Nagpur Limited*

Bombay, the 2nd February 1976

No. 12089/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Bank of Nagpur Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN  
Addl. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
M/s Patiala Goods Booking Agency Pvt. Ltd.*

Delhi, the 5th January 1976

No. 3127/328.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Patiala Goods Booking Agency Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. K. IAIN  
Asstt. Registrar of Companies, Delhi.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
M/s. Kashmir Power Industries Private Limited,  
Nilofar Manzil, Barjala, Srinagar*

Srinagar-190008, the 9th January 1976

No. PC/369/97.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kashmir Power Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. N. KAUL  
Registrar of Companies,  
Jammu and Kashmir,  
Srinagar

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
Roshini Hire Purchasing Company and Chit Fund  
Private Limited*

Jaipur the 7th January 1976

No. Stat/1477.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Roshini Hire Purchasing Co. and Chit Fund Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
M/s. Shri Ganganagar General Exchange Limited*

The 17th January 1976

No. Stat/1343.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shri Ganganagar General Exchange Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KUREEL  
Registrar of Companies, Rajasthan, Jaipur.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
City Taxi Service Private Limited*

Hyderabad-1, the 28th January 1976

No. 1058/(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of City Taxi Service Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN  
Registrar of Companies,  
Andhra Pradesh.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
Karur Sri Lakshminarayana Private Limited*

Madras-6, the 29th January 1976

No. DN/1281/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Karur Sri Lakshminarayana Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN  
Assistant Registrar of Companies,  
Tamil Nadu

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
The Binod Data Processing Services Private Limited*

Gwalior, the 30th January 1976

No. 1069-Tech/2397.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Binod Data Processing Service Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

MAHESH PRASAD  
Registrar of Companies,  
M. P., Gwalior.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
New Angarpathra Colliery Company Private Limited*

Patna, the 2nd February 1976

No. I(900)/75-76/58509.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the New Angarpathra Colliery Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL  
Registrar of Companies, Bihar Patna.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Lamrin Private Limited.*

Ernakulam, the 3rd February 1976

No. 1902/Liq/560/1962/76.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies

Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Lamrin Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Venadu Bank Limited*

Ernakulam, the 4th February 1976

No. 1299/Liq/560/1953/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Venadu Bank Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Venadu Agricultural Grain Company Limited*

Ernakulam, the 4th February 1976

No. 1300/Liq/560/1951/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Venadu Agricultural Grain Company Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

P. S. ANWAR  
Registrar of Companies  
Kerala

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Gauhati Bank Limited*

Shillong, the 4th February 1976

No. 317/560/4916.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Gauhati Bank Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved on its having been amalgamated with the Purbanchal Bank Limited under section 44A of the Banking Regulation Act, 1949.

S. P. VASHISHTHA  
Registrar of Companies  
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,  
Arunachal Pradesh & Mizoram, SHILLONG.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Sagarmal Spinning and Weaving Mills Limited, Indore*

Gwalior, the 7th February 1976

No. 288/Liqn./2455.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that Sagarmal Spinning and Weaving Mills Limited, Indore has been ordered to be wound up by an order dated 20th October, 1975 passed by the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh, Bench at Indore and the Official Liquidator, Indore has been appointed as Liquidator of the Company.

MAHESH PRASAD  
Registrar of Companies,  
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Shri Brahma Ayurved Bhawan Private Limited*

Calcutta, the 4th February 1976

No. 23787/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shri Brahma Ayurved Bhawan Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Premier Stock & Share Dealers Private Limited*

Calcutta, the 4th February 1976

No. 12435/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the Premier Stock & Share Dealers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Apeejoy Cosmetics Private Limited.*

Calcutta, the 4th February 1976

No. 25680/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Apeejoy Cosmetics Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Western Art Process Private Limited*

Calcutta, the 4th February 1976

No. 25823/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Western Art Process Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH  
Asstt. Registrar of Companies,  
West Bengal

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 20th January 1976

##### INCOME-TAX

No. F. No. JUR-DLI/1/75-76/32562.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the following new Income-tax Circle shall be created with effect from the 20-1-1976.

(1) Special Circle-XV (Addl.) New Delhi.

No. F. No. JUR-DLI/1/75-76/33012.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officer, Special Circle XV (Addl.) New Delhi shall exercise his functions in respect of the cases of all persons assigned to him u/s 127 of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall have effect with effect from 20-1-1976.

No. F. No. JUR-DLI/1/75-76/33462.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf the Commissioner of Income-tax Delhi-I, New Delhi hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax mentioned in column 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax officer of the District/ Circle mentioned in column 2 of the said Schedule :—

Circle mentioned in column 2 of the said Schedule :—

#### SCHEDULE

##### Range

1.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
H. Qrs. I, New Delhi.  
Income-tax District/ Circle/

2.

1. Special Circle-XIV, New Delhi.

2. Special Circle-XV (Addl.), New Delhi.

This notification shall take effect from 20-1-76.

Sd/- 20-1-1976

AVTAR SINGH  
Commissioner of Income-tax  
Delhi-I, New Delhi

New Delhi, the 20th January 1976

No. JUR-DLI/II/75-76/34362.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in Modification of this office order No. JUR-DLI/II/75-76/11852, dated 20-8-1975, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi, hereby directs that the Income-tax officer Distt. VI (10) Addl. New Delhi, shall and the Income-tax officer, Distt. VI (9), New Delhi, shall not, exercise his functions in respect of the assesses whose names commence with letter 'S' and who were within the jurisdiction of the Income-tax Officer, Distt. VI (10) Addl. New Delhi, prior to 20-8-75 and the jurisdiction over which has been transferred to the I.T.O., VI (9), in terms of the aforesaid order dated 20-8-75.

This order shall take effect from 20-1-1976.

No. JUR-DLI/II/75-76/33912.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and in modification of this office order No. JUR-DLI/II/74-75/20556 dated 13-11-75, the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi, hereby directs that the Income-tax Officer, Distt. VI (12), New Delhi, shall and the Income-tax Officer Distt. VI (1), New Delhi shall not, exercise his functions in respect of the assesses whose names commence with any of the letters O, P. or Q and who were within the jurisdiction of the Income-tax Officer, Distt. VI (10), New Delhi, prior to 15-11-75 and the jurisdiction over which had been transferred to the I.T.O. VI (1), in terms of the aforesaid order dated 13-1-1975.

This order shall take effect from 20-1-1976.

The 2nd February, 1976

##### INCOME-TAX

No. JUR-DLI/II/75-76/38087.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous orders/ notifications on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in column 2 of the Schedule here-in-below shall perform, their functions in respect of persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned or may hereafter be assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax Officer.

| Sl. No. | Designation of the ITO                                    | Jurisdiction   |
|---------|---|--|
| 1       | 2   | 3  |
| 1.      | Income-tax Officer, Contractors Circle Ward A, New Delhi. | (a) All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Income-tax Officer, Contractors Circle, Delhi whose names begin with any of the alphabets from A to M (both inclusive). |
|         |   | (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.   |

| 1  | 2  | 3   |
|--|--|---|
| 2 Income-tax Officer, Contractors Circle Ward B, New Delhi | (a) All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Income-tax Officer, Contractors Circle Delhi whose names begin with any of the alphabets from N to Z (both inclusive) | (ii) Rs 15,000/- in the status of Individual HUF, AOP, URF etc., and  |
|  | (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above  | (iii) All new cases of partners not hitherto assessed of the firms as will fall in item No (i) above irrespective of their income |
| 3 Income-tax Officer, Contractors Circle Ward C, New Delhi | All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases which are assigned u/s 127 of the Income-tax Act, 1961   |   |
| 4 Income-tax Officer, Contractors Circle Ward D, New Delhi | All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases which are assigned u/s 127 of the Income-tax Act, 1961   |   |

This notification shall take effect from 2-2-1976

No JUR DLI/II/75-76/37886—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf and in partial modification of Notification No JUR DLI/II/75 76/20924 dated 14-11-75, the Commissioner of Income tax Delhi-II New Delhi hereby directs that the following two new wards are created in the Contractors Circle, Delhi,

- 1 Contractors Circle Ward C
- 2 Contractors Circle Ward D

This order shall come into force w.e.f. 2-2-1976

JAGDISH CHAND,  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-II, New Delhi

New Delhi, the 23rd January 1976

#### INCOME-TAX

No JUR DLI/III/75-76/35849—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of this office order/Notification No JUR-DLI/III/74-75/15 dated the 31-10-1974, the Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi hereby directs that the Income tax officer mentioned in column 1 of the Table herein below shall and the Income-tax officer mentioned in column 2 of the Table shall not exercise jurisdiction in respect of all persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases as mentioned in column 3 of the Table below —

TABLE-2

| 1  | 2  | 3   |
|--|--|---|
| Income-tax officer, Distt III (16) Addl, New Delhi | Income-tax officer, Survey Circle III, New Delhi | All new cases not hitherto assessed, but assessable by the ITO Survey Circle III where total income returned till 31-12-75 for latest assessment year 1975-76 exceeds ;<br>(i) Rs 30,000/- in the status of registered firm |

| 1 | 2 | 3   |
|---|---|---|
|   |   | (ii) Rs 15,000/- in the status of Individual HUF, AOP, URF etc., and  |
|   |   | (iii) All new cases of partners not hitherto assessed of the firms as will fall in item No (i) above irrespective of their income |

This notification shall take effect from 24-1-1976

S S SETH,  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi III, New Delhi

New Delhi, the 2nd February 1976

#### INCOME-TAX

No JUR-DLI/V/75 76/37209—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Doctors Circle, Delhi, shall be bifurcated into two Circles as under —

- 1 Doctors Circle—I
- 2 Doctors Circle—II

This order shall come into force w.e.f. 2-2-1976

No JUR-DLI/V/75-76/37410—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous orders/notifications on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officer mentioned in column 2 of the Schedule herein below shall perform their functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned or may hereafter be assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax Officer

| Sl No   | Designation of the ITO | Jurisdiction   |
|---|------------------------|--|
| 1   | 2                      | 3  |
| 1 Income-tax Officer, Doctors Circle-I, New Delhi   |                        | All cases of Medical Practitioners (including practitioners of allopathic Homeopathic, Unani Ayurvedic or any other system of medicine) Radiologists and Pathologists, and including in the cases of firms, the partners, having income chargeable to tax under the head 'Business' or 'Profession' Other than those assigned to the ITO, Doctors' Circle-II New Delhi |
| 2 Income-tax Officer, Doctors' Circle-II, New Delhi |                        | Cases assigned u/s 127 of the I T Act, 1961  |

This notification shall take effect from 2-2-1976,

A C JAIN,  
Commissioner of Income-tax  
Delhi-V, New Delhi



Cochin-16, the 4th November 1975

## INCOME-TAX

## ORDER NO. 1/75-76

No. C. No. 1 (9) (B) GL/75-76/1.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section (1) and (2) of section 124 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from the forenoon of 10-11-75 the following amendments should be made to the Schedule appended to the order No. 1/73-74 (C. No. 1 (9) B/GL/73-74 dated 12-7-73) as amended by notification No. 18/74-75 dated 4-3-75.

1. In col. 3 under Item 12 (TVM) page 8, substitute "Income-tax Officer, E-ward" in the place of "Income-tax Officer Collection"

## ORDER NO. 2/75-76

No. C. No. 1/9(B)/GL/75-76/1.—In exercise of the powers conferred on me under section 124 (2) of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from the forenoon of 10-11-1975 the following amendment should be made to the order No. 2/73-74, dated 12-7-73 (C. No. 1 (9) (B), GL/73-74) as amended by order No. 2/74-75 dated 4th March 1975.

1. In page 4 under Income-tax Circle, Trivandrum substitute "Income-tax Officer E-ward, Trivandrum" in the place of "Income-tax Officer, Collection, Income-tax Circle, Trivandrum".
2. All the Income-tax Officer in the Income-tax Circle Trivandrum will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the schedule to the order No. 2/73-74 referred to above.

The 11th December 1975

## INCOME-TAX

## ORDER NO. 5/75-76

No. C. No. 1 (9) (B)/GL/75-76/1.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section (2) of Section 124 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 10-12-1975 A.N. the following amendments should be made to the schedule appended to the order No. 1/73-74 (C. No. 1 (9) (B) GL/73-74 dated 12-7-73) as amended from time to time.

1. In Col. 3 under item 9 (Alleppey) page 6 add "Income-tax Officer, D-ward" as item no. IV.

## ORDER NO. 6/75-76

C. No. 1(9)(B)/GL/75-76/1.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section (2) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 10-12-1975 A.N. the following amendments should be made to the order No. 2/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)/GL/73-74) as amended from time to time.

1. In page 3 under Income-tax Circle Alleppey add "Income-tax Officer, D-ward, Alleppey" after Income-tax Officer, C-ward, Alleppey.
2. All the Officers in the Income-tax Circle, Alleppey will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the schedule to the order No. 2/73-74 referred to above.

The 14th January 1976

## INCOME-TAX

## ORDER NO. 9/75-76

C. No. 1(9)(B)GL/75-76/1.—In exercise of the powers conferred on me under Sub-Section (2) of Section 124 of the Income-tax Act 1961, (43 of 1961) I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect

from 19-1-76 FN the following amendments should be made to the schedule appended to the order No. 1/7374(C. No. 1(9)(B)/GL/73-74), dated 12-7-73 as amended from time to time.

1. In Col. 3 under Item 6 (Ernakulam) Page 4 add "Income-tax Officer D-ward" as item number (iv).
2. Renumber the present items (iv) to (ix) as (v) to (x).

## ORDER NO. 10/75-76

C. No. 1(9)(B)GL/75-76/1.—In exercise of the powers conferred on me under Section 124(2) of the Income-tax Act 1961 I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 19-1-1976 FN the following amendments should be made to the Order No. 2/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)GL/73-74) as amended from time to time.

1. In page 2 under Income-tax Circle Ernakulam add "Income-tax Officer D-ward Ernakulam" after Income-tax officer C-ward, Ernakulam.
2. All the officers in the Income-tax Circle Ernakulam will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the schedule to the Order No. 2/73-74 referred to above.

P. SADAGOPAN,  
Commissioner of Income-tax, Kerala-I,  
Ernakulam.

Cochin-16, the 4th November 1975

## WEALTH-TAX

## ORDER NO. 3/75-76

C. No. 1(9)(B)/GL/75-76/1.—In exercise of the powers conferred on me under section 8A of the Wealth-tax Act, 1957 I, the Commissioner of Wealth-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from the F. No. of 10-11-1975 the following amendments should be made to the order No. 3/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)GL/73-74) as amended by the order No. 20/74-75 dated 4-3-1975.

1. In page 4 under Income-tax Circle, Trivandrum substitute "Income-tax Officer, E-ward, Trivandrum" in the place of "Income-tax Officer Collection, Income-tax Circle, Trivandrum."
2. All the officers in the Income-tax Circle, Trivandrum will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the Schedule to the order No. 3/73-74 referred to above.

The 11th December 1975

## WEALTH-TAX

## ORDER NO. 7/75-76

C. No. 1(9)(B)/GL/75-76.—In exercise of the powers conferred on me under Section 8 of the Wealth-tax Act 1957 I, the Commissioner of Wealth-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 10-12-75 A.N. the following amendments should be made to the order No. 3/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)GL/73-74 as amended from time to time.

1. In page 4 under Income-tax Circle, Alleppey add "Income-tax Officer, D-ward, Alleppey" after Income-tax Officer, C-ward, Alleppey.
2. All the Officers in the Income-tax Circle Alleppey will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the Schedule to the order No. 3/73-74 referred to above.

The 14th January 1976

## WEALTH-TAX

## ORDER NO. 11/75-76

C. No. 1(9)(B)GL/75-76/1.—In exercise of the powers conferred on me under Section 8 of the Wealth-tax Act 1957

I, the Commissioner of Wealth-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 19-1-76 FN the following amendments should be made to the Order No. 3/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)GL/73-74) as amended from time to time.

1. In Page 2 under Income tax circle Ernakulam add "Incometax Officer D-ward, Ernakulam" after Income-tax Officer C-ward, Ernakulam.
2. All the officers in the Incometax circle, Ernakulam will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the Schedule to the Order No. 3/73-74 referred to above.

P. SADAGOPAN,  
Commissioner of Dealth-tax, Kerala I,  
Ernakulam.

Cochin-16, the 4th December 1975

GIFT-TAX

ORDER NO. 4/75-76

C. No. 1(9)(B)/GL/75-76/I.—In exercise of the powers conferred on me under section 7A of the Gift-tax, I, the Commissioner of Gift-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 10-11-75 FN the following amendments should be made to the order No. 4/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)GL/73-74) as amended by the order No. 21/74-75 dated 4-3-1975.

1. In page 4 under Incometax Circle, Trivandrum substitute "Incometax Officer, E-ward, Trivandrum" in the place of "Incometax Officer, Collection Incometax Circle, Trivandrum."
2. All the Officers in the Incometax Circle, Trivandrum will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the schedule to the order No. 4/73-74 referred to above.

The 11th December 1975

GIFT-TAX

ORDER NO. 8/75-76

C. No. 1(9)(B)/GL/75-76/I.—In exercise of the powers conferred on me under section 7 of the Gift-tax Act 1958 I, the Commissioner of Gift-tax, Kerala I, Ernakulam hereby direct that with effect from 10-12-75 A.N. the following amendments should be made to the order No. 4/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)GL/73-74) as amended from time to time.

1. In page 3 under Income-tax Circle, Alleppey add "Incometax Officer, D-ward, Alleppey after Income-tax Officer, C-ward, Alleppey.
2. All the Officers in the Incometax Circle, Alleppey will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the Schedule to the order No. 4/73-74 referred to above.

The 14th January 1976

GIFT-TAX

ORDER NO. 12/75-76

C. NO. 1(9)(B)GL/75-76.—In exercise of the powers conferred on me under Section 7 of the Gift Act, 1958 I, the Commissioner of Gift-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 19-1-76 FN the following amendments should be made to the Order No. 4/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)GL/73-74) as amended from time to time.

1. In Page 2 under Incometax Circle, Ernakulam add "Incometax Officer D-ward, Ernakulam" after Income-tax Officer C-ward, Ernakulam.
2. All the officers in the Incometax Circle, Ernakulam will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the Schedule to the Order No. 4/73-74 referred to above.

Sd/-  
P. SADAGOPAN,  
Commissioner of Gift-Tax Kerala-I,  
Ernakulam

CORRIGENDUM TO NOTICE U/S. 269D(1) NO. AP-146/I.A.C-AR IV/74-75 DATED 18TH APRIL, 1974 OF THE I.T. ACT, 1961 IN THE CASE OF M/S. WESTERN ROLLING MILLS PVT. LTD. PUBLISHED IN PART III SECTION 1, PAGE 3332 OF THE GAZETTE ON 25TH MAY, 1974

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-400 020.

Ref. No. AR.V/21/18/74.—The schedule to the above-mentioned notice is hereby substituted as under.—

Bombay-400 020, the 22nd October 1975

All that piece and parcel of Agricultural land admeasuring according to the survey recently made 69175 sq. yards equivalent to 57645 sq. metres or thereabouts and situate lying and being on and to the west of Lal Bahadur Shastri Marg lying and being on and from to the west of Lal Bahadur Shastri Marg in village Nahur (in Greater Bombay Taluka Kurla District Bombay Suburban Registration Sub-District Bandra and District Bombay Suburban and bearing the following survey numbers,

Survey No.  
89 (Part)  
151 (A) (Part)  
158 (Part)  
168 (Part)

and bounded as follows : That is to say, on or towards the North partly by S. No. 151(A) Part, property belonging to Messrs. National Scharader Soonill Duncan Ltd, and partly by S. No. 172 A (Part) and on or towards South proposed Municipal Development Road on or towards the West by Municipal Water Pipe Line and on or towards the East by the Public Road known as Lal Bahadur Shastri Marg (Bombay Agra Road).

J. M. MEHRA  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acqn. Range V, Bombay.

## FORM ITNS

(1) Shri Tahel Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahendar Singh and others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd February 1976

Ref No. 77-M/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 40/1 situated at Mauza Ainthpur Pargana, Pallia, District Lakhimpur Kheri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nighasan on 20-8-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 40/1 measuring 12.50 Acres, situated at Mauza Ainthpur, Paragana Pallia, Tehsil Nighasan, District Lakhimpur Kheri.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 2-2-1976.

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Ilisibegam Wd/o Dr. Saiyed Fakruddin,  
Nawabwada, Raopura,  
Baroda

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s. Motibhai Patel & Co.  
Partner : Patel Motibhai Chhotabhai,  
Kumbharwada Naka, Salatwada,  
Baroda.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

(3) Vali Unisa Begam,  
d/o Dr. Saiyed Fakruddin Husseinkhan,  
Nawabwada, Raopura, Baroda.  
(Person whom the undersigned know-  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahemadabad-380009, the 31st January 1976

Ref. No. P.R. No. 280 Acq.23-631/6-1/75-76 —Whereas,  
I, P. N. Mittal,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and  
and bearing  
Tika No. 2, S. No. 12-K Plot No. 1, 2 & 3 situated at  
Nawabwada, Raopura, Baroda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of  
the Registering Officer at  
Baroda in June, 1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and old building bearing Tika No. 10-2, Sur. No.  
12'Ka' Plot No. 1, 2 & 3—admeasuring in aggregate 5400  
Sq. ft. in Nawabwada, Raopura, Baroda, as described in sa'e  
Deeds bearing registration No. 3424, 3425 and 3427 of  
June, 1975 of the Registering Officer, Baroda.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 31st January, 1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shantilal Maganlal Patel,  
Shastribag, Opp. Baroda College  
Sayaji Ganj, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st January 1976

Ref. No P.R. No 281 Acq 23-632/6-1/75-76 —Whereas,  
I, P. N. Mittal,  
being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),  
(hereafter referred to as the 'said Act')  
have reason to believe that the immovable property  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing  
Census No. S-4-153 and New C. No. 13-357 situated at  
Shastribag Opp. Baroda College, behind L.M.P., Building  
Sayajiganj, Baroda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Baroda in June, 1975  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

19-476 GI/75

(2) Shri Shanuam Manjiram Yadav,  
Yakutpura, Patel Baha,  
Baroda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing C. No. S-4-153 and New C.  
No. S. 13-357 in Shriji Co-operative Housing Society Ltd.  
Block No. A-1, Shastribag, Opp. Baroda College, Sayajiganj,  
Baroda, admeasuring 760 Sq. ft. as described in the sale  
deeds bearing registration No. 3583, and 3586 of June, 1975  
of the Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 31st January, 1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Jisibegam W/o Saifud Fakrudin Husenbhai  
Nawabwada, Baroda

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND Floor,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 2nd February 1976

Ref. No. P.R. No. 282 Acq. 23-467/6-1/75-76.—Whereas,  
I, P. N. Mittal,being the Competent Authority under Section  
269B of theIncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingB-Tika No. 10-2, S. No. 12-C Plot No. 4 & 5 situated at  
Nawabwada, Raopura, Baroda(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering Officer at

Baroda in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—(2) Sailesh Chambers Co-op Housing Society Ltd.  
Nawabwada, Baroda.  
Through1. President  
Shri Bhailalibhai N. Patel  
Krishnakrupa Housing Society,  
Old Padra Road, Baroda.2. Secretary  
Shri Kanchanlal Huabhai Patel,  
8-B, Hari Society,  
Ajwa Road, Baroda.

(Transferee)

(3) Vali Unisabegam,  
D/o Dr. Saiyed Fakrudin Husenbhai (Decd.)  
Nawabwada, Baroda.(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Nawabwada, Vadodara Kasba B-  
Tika No. 10-2 S. No. 12-C Plot No. 4 & 5 admeasuring 4356  
Sq. Ft. as described in the sale deed registration No. 3407  
and 3409 of June 1975 Registration of Baroda-II.P. N. MITTAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.Date : 2nd February, 1976  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380009 the 2nd February 1976

Ref No P R No 283 Acq 23-467/6-1/75 76—Whereas I, P N MITTAL being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing B Tika No 102 S No 12-B situated at Nawabwada Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

- (1) Vali Unisabegam,  
D/o Dr Sayed Fakiuddin Huseinkhan (decd )  
Nawabwada, Baroda  
(Transferor)
- (2) Suresh Chambers Co op Housing Society Ltd,  
Nawabwada, Baroda  
Through  
1 President  
Shri Bhailal N Patel,  
Krishna Krupa Housing Society  
Old Padra Road, Baroda  
2 Secretary  
Shri Kanchanlal Hirabhai Patel  
8 B Hari Society  
Ajwa Road, Baroda  
(Transferee)
- (3) Hsibegam Wd/o Sayed Fakruddin Huseinkhan,  
Nawabwada, Baroda  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at Nawabwada Vadodara Kasba, B-Tika No 102 S No 12-B Park measuring 3960 Sq ft, as described in the sale deed registration No 3410 and 3412 of June, 1975 —Registering Office Baroda

P N MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 2nd February, 1976

Seal

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380009 the 31st February 1976

Ref No P R No 284 Acq 23-633/6-1/75 76 —Whereas I, P N Mittal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S No 78, Plot No 53, of Baroda Kasba situated at Hanu bhakti Colony Near Race Course Circle, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) Shri Arvind Dabhyabhai Patel  
127-129 Nagdm Street,  
Bombay 400003

(Transferor)

(2) Tejas Flat Owners (Coop Housing Society Ltd  
C/o Bombay Shopping Centre Race Course  
Baroda

(Transferee)

(3) Shri Vinod Sura  
Bombay

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Piece or parcel of land or ground situate at Ichlupur, Baroda Kasba bearing Plot No 53 of Sur No 78 (Old Survey No 82) admeasuring 10710 Sq ft as discussed in the sale deed—Registration No 3778 of June 1975 Registration Office Baroda

P N MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date 31st February, 1976

Seal



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1976

Ref. No. Acq. 23-I-800(263)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 517-2-B, T.P. S. No. 3 situated at Ashram Road, Near Nehru Bridge, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Sadhuram V. Andani,  
2. Shri Gordhanlal S. Andani,  
3. Shri Kishanlal S. Andani,  
4. Kumari Bhagyawanti S. Andani,  
for and on behalf of the firm of  
M/s. Sadhuram Gordhanlal,  
Netaji Cloth Market,  
Kalupur, Kotinirang,  
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Ransons Corporation,  
through its partner :  
Shri Jyotish A. Shah,  
426, Chokha Bazar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property being office No. A-52 in block 'A' on fourth floor of Capital Commercial Centre, bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated near Nehru Bridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 5-2-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR,  
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1976

Ref. No. Acq. 21-I-665(264)-1-1-75-76.—Whereas I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 24, F.P. No. 29, S.P. No. A, T.P.S. No. 18 situated at Rajpur Hirpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 24-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Acts, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) The Ahmedabad New Cotton Mills Co. Ltd., through its Directors :  
1. Shri Ramesh Chandulal,  
2. Shri Bipin Chandulal,  
3. Shri S. K. Bhimwala, Secretary.  
Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) Shree Mahavir Cloth Market, Owners Association, through its President : Shri Rasiklal Balabhai Shah, Vice President : Shri Rasiklal Dolchand Shah, Secretary : Shri Jitendrakumar Jithubhai Kantilal Patel, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 2942 Sq. yards bearing Survey No. 24, T.P.S. No. 18, Final Plot No. 29, Sub-Plot No. A, situated at Rajpur Hirpur, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 8774 dated 24-6-1975.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 5-2-1976

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1976

Ref. No. Acq. 23-I-670(265)/1-1-76.—Whereas,  
I, J. KATHURIA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
Survey No. 336 TPS No. 2 FP No. 24 and 25, S.P. No.  
2, situated at Rajpur-Hirpur, outside Astodia Darwaja,  
Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Ahmedabad on 17-6-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following person,  
namely :—

(1) Shri Vinubhai Anabbhai Patel,  
Ranchod Bhuvan, Prankunj Society,  
Kakaria Road, Raninagar,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Rajkumar Gangaram Vijani,  
2. Smt. Kiran Prem Vijani,  
Prem Kutir, 34 Main Avenue,  
Santacruz, Bombay-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA  
of the said Act, shall have the same mean-  
ing as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of an immovable property standing on land  
admeasuring 487 sq. yds. bearing Survey No. 336, T.P.S.  
No. 2, F.P. No. 24 and 25, S.P. No. 2, situated at Rajpur-  
Hirpur, outside Astodia Darwaja, Ahmedabad and as fully  
described in the sale deed No. 5000 dated 17-6-1975.

I, KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated - 5-2-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-670(266)/1-1-75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 336 T.P.S. No. 2 F.P. No. 24 & 25, S.P. No. 2, situated at Rajpur-Hirpur, outside Astodia Darwaja, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Aravindbhai Apabhai Patel,  
Ranchhod Bhovan, Prankunj Society,  
Kakarin Road, Ramnagar.

(Transferor)

(2) 1. Rajkumar Gangaram Vijani,  
2. Smt. Kiran Prem Vijani,  
Prem Kutir, 34 Main  
Santacruz, Bombay-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of an immovable property standing on land admeasuring 487 sq. vds. bearing Survey No. 336, T.P.S. No. 2, F.P. No. 24 and 25, S.P. No. 2, situated at Rajpur-Hirpur, outside Astodia Darwaja, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 5001 dated 17-6-1975.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 5-2-1976  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jesubhai Apabhai Patel,  
Ranchod Bhuvan, Prankuni Society  
Kakaria Road, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Rajkumar Gangaram Vijani,  
2. Smt. Kiran Prem Vijani,  
Prem Kutir, 34 Main Avenue,  
Santacruz, Bombay-54.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 5th February 1976

Ref. No. Acq 23-1-670(267)/1-1/75-f6.—Whereas,  
J. KATHURIA,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Survey No. 336, TPS No. 2, F.P. No. 24 and 25, S.P. No.  
2, situated at Rajpur-Hirpur, outside Astodia Darwaja,  
Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Ahmedabad on 17-6-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of an immovable property standing on land  
admeasuring 487 sq. yds. bearing Survey No. 336, T.P.S.  
No. 2, F.P. No. 24 and 25, S.P. No. 2, situated at Rajpur-  
Hirpur, outside Astodia Darwaja, Ahmedabad and as fully  
described in the sale deed No. 4999 dated 17-6-1975.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transferor;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957)

J. KATHURIA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

20—476G1/75

Dated 5-2-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD 380009

Ahmedabad 380009, the 6th February 1976

Ref No Acq 23 I-801(268)/I 1/75-76—Whereas  
I J KATHURIA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs 25,000/ and bearing  
Survey No 39, 40, 52 to 55, 62, 60-1, Original Plot No 38  
38-A Survey No in Record 39 A Plot No 75 T P S No  
22 of P No 172 situated at Paldi Ahmedabad  
(and more fully  
described in the Schedule annexed hereto) has been  
transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)  
in the office of the Registering Officer at  
Ahmedabad on 17-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act in respect of any income arising from  
the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax  
Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely —

- (1) 1 Shri Vadilal Dalsukhbhai Gandhi,  
Khetar Paldi Pole, Manekchowk  
Ahmedabad
  - 2 Shri Pravinchandra Chimanlal Gandhi  
Self and as Manager of HUF of  
Pravinchandra Chimanlal,  
Purnima Park Society, Paldi  
Ahmedabad
  - 3 Shri Himatlal Chimanlal Gandhi,  
Self and as Manager of HUF of  
Himatlal Chimanlal Gandhi  
Amlin Pole, Raipuri  
Ahmedabad
  - 4 Shri Rajendrabhai Chimanlal Gandhi,  
Self and as Manager of HUF of  
Rajendrabhai Chimanlal Gandhi  
Nagji Bhudevi Pole Manekchowk,  
Ahmedabad
  - 5 Smt Bhuriben widow of  
Chimanlal Dalsukhbhai Gandhi Ahmedabad
  - 6 Smt Savitaben Chimanlal Gandhi  
Ahmedabad
  - 7 Smt Niruben Chimanlal Gandhi,  
Ahmedabad
  - 8 Smt Pannaben Chimanlal Gandhi  
Ahmedabad
- (Transferor)
- (2) Shri Sevakashah Dhanjishah Green  
'Green Villa', Muzapuri  
Ahmedabad
- (Transferee)
- (3) Shri Balvantrai Narmadashankar Trivedi,  
Narmada Colony  
Shahibaug, Ahmedabad
- (Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 932 sq yards bear-  
ing Survey No 39 40, 52 to 55 62 60-1 original plot No  
38 38 A, Survey No according to record 39-A Plot No  
75 T P S No 22 Final Plot No 172 situated at Paldi,  
Ahmedabad and as fully described in the sale deed of  
Registration No 8018 dated 17-6-1975

J KATHURIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date 6-2-1976

Seal

## FORM ITNS

(1) Shri Ramprasad Prahladji Patel, 3, Shankar Co-op. Housing Society Ltd., Naranpura, Char Rasta, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380003

Ahmedabad-380009, the 27th January 1976

No. Acq. 23-I-695(260)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 88, 89 and 100 of village Vadej, T.P.S. No. 29, New Sub-Plot No.3 situated at Shankar Society, Narayanpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 17-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) (i) Shri Harish Ambalal Kapasi,  
(ii) Shri Hemant Ambalal Kapasi, 4, Navin Park, Near Railway Crossing Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double-storeyed building standing on land admeasuring 180 sq. yards bearing S. Nos. 88, 89 and 100 of Village Vadej, T.P.S. No. 29, New Sub-Plot No. 3, situated at Shankar Society, Naranpura, Char Rasta Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 27-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Shantaben Jethalal Swaminarayan Mandir  
Towervalo Khancho, Maninagar, Ahmedabad  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Smt Manguben Ratilal,  
(ii) Smt Kamlaben Natwailal, Village Zolapari  
Taluka Sanand Dist Ahmedabad  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM  
HOUSE ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 7th February 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

Ref No Acq 23-1-802(269)/11/75 76 —Whereas I  
J KATHURIA  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-  
and bearing  
No T P S No 3 Final Plot No 931 S P No 3 situated at  
Ellisbridge Ahmedabad  
(and more fully  
described in the Schedule annexed hereto) has been trans-  
ferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Ahmedabad on 18-6-75  
for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration thereof by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of—

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter

THE SCHEDULE

3/4th share of undivided immovable property of open  
land (3/4th of 604 sq yds) admeasuring 453 sq yds bearing  
T P S No 3 Final Plot No 931 Sub Plot No 3 situated at  
Ellisbridge Paldi Ahmedabad and as fully described in  
the sale deed No 8545 dt 18-6-1975

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
the transferor to pay tax under the 'said Act,' in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922 or the said Act, or the Wealth Tax Act,  
1957 (27 of 1957),

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely

J KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date 7-2 1976  
Seal



## FORM ITNS

(1) Shri Rasiklal Purshottamdas, Swaminarayan Mandir  
vale, Khancho, Maninagar, Ahmedabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) (i) Smt. Manguben Ratilal,  
(ii) Smt. Kamlaben Natwarjal, Village Zolapur,  
Taluka Sanand, Distt. Ahmedabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th February 1976

Ref. No. Acq. 23-I-803(270)/1-1/75-76.—Whereas, I, J.  
KATHURIAbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. T.P.S.No. 3, F.P.No. 931, SP.No 3 situated at Ellisbridge,  
Paldi, Ahmedabad(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ahmedabad on 18-6-1975for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the lia-  
bility of the transferor to pay tax under the  
said Act in respect of any income arising from  
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said  
Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice  
under sub-section (1) of Section 269D of the said Act  
to the following persons, namely:—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION.—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share of undivided immovable property of open  
land (1/4th of 604 sq. yds.) admeasuring 151 sq. yds. bear-  
ing T.P.S.No. 3, F.P.No. 931, SP.No. 3, situated at Ellisbridge,  
Paldi, Ahmedabad as fully described in the sale deed No.  
8546 dated 18-6-1975.J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 7-2-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ratna Saha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mst. Zarina Begum

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Janab Ash Mahammad

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-I, CALCUTTAObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 4th February 1976

Ref. No. TR-57/C-69/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K.  
CHAKRAVARTYbeing the Competent Authority, under Sec.  
tion 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) herein-  
after referred to as the 'said Act'),have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16 situated at Territa Bazar St., Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer

at 5, Govt. Place North, Cal. on 28-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of theaforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the lia-  
bility of the transferor to pay tax under the  
said Act in respect of any income arising from  
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly constructed one storeyed  
brick-built house together with land containing an area of  
6 Cottahs 3 Chittacks and 22 Sq. ft. being premises No. 16  
Territa Bazar Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-I,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice  
under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date : 4-2-76

Seal :

## FORM ITNS

(1) Oriental Estate and Manufacturers P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (1) Narendra Nath Saha,  
(2) Birendra Nath Saha,  
(3) Ratanlal Saha,  
(4) Sailendranath Saha &  
(5) Manicklal Saha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 4th February 1976

Ref No. TR-43/C-32/CAI-1/75-76—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34/1, 34/1B & 35 situated at Acharya Prafulla Chandra Rd, & 46/, Surya Sen St, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North, Cal, on 11-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (1) Brick-built structures on 17 Cottah 11 Chirtack & 13 Sq ft being premises No. 34/1, 34/1B & 35 Acharya Prafulla Chandra Road (2) Brick built structure on 3 Cottahs 2 Ch. 37 Sq. ft. being premises No. 46/1, Surya Sen Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-I

54 Raff Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 4-2-76

Seal :

FORM ITNS — —

(1) Kumari Krishna Chatterjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Kalyani Gose

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 4th February 1976

Ref No. TR-60/C-72/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 166 situated at Baithak Khanna Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 25-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Premises No. 166, Baithak Khanna Road, Calcutta-9.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-2-76  
Sent :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd February 1976

Ref. No. TR-62/C-74/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Tottee Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 17-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—476GI/75

- (1) 1. Chandika Prasad Banerjee  
2. Gouri Prasad Banerjee  
3. Tara Prasad Banerjee  
4. Sankari Prasad Banerjee  
5. Bhagabati Prasad Banerjee  
6. Kripamayee Mukherjee  
7. Gita Chatterjee  
8. Rama Chatterjee, and  
9. Annapurna Debi.

(Transferor)

- (2) 1. Ambika Prasad Banerjee  
2. Amal Kumar Banerjee  
3. Ashoke Kumar Banerjee

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Measuring 16 Cottahs more or less together with pucca two storeyed and one storey house at 6, Tottee Lane, Calcutta. The Vendors have undivided 1/6th of -/10/- as share.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 4-2-76

Seal :

## FORM ITNS.—

(1) Shrimati Santi Debi Gupta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Ganga Debi Kulthia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. AC-232/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, A. K. BATABYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38A situated at Chorebagan Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16th June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1½ cottahs of land & building thereon at 38A, Chorebagan Lane, Calcutta-7.

A. K. BATABYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-2-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Kamal Krishna Gosh represented by his constituted guardian Smt Debarati Ghosh, 22/1A, Mohan Chand Road, Kidderpore, Cal-23.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bholanath Ghosh & Sm Shantilata Ghosh, 44/C, Circular Garden Reach Road, P S Ekbalpore, Cal-23

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

I A C, ACQUISITION RANGE-II

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 4th February 1976

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref No AC 40 R II/Cal/75-76 —Whereas I, R V LALMAWIA

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No 22/1A situated at Mohan Chand Road, P S Watgunj, Cal 23

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Sub Registrar on 27-6-75 Alipore Sadar, 24 Prgs for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .—

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Vacant rent free land measuring 5 cottahs, 11-chittacks more or less together with dilapidated building thereon being the eastern portion of 14, Hem Chandra Street now 22/1A, Mohan Chand Road P S Watgunj, Cal-23

R V LALMAWIA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date 4-2 1976

Seal

FORM ITNS

(1) Major Sachindra Narain Rai Deb Barma.  
(Transferor)

(2) Shri Amitava Basu.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV  
CALCUTTA

Calcutta the 4th February 1976

Ref. No. AC-233/R-IV/Ca/75-76—Whereas, I, A. K. BATABYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 267 situated at Lake Town, Dum Dum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 25-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-Tax Act, 1957) (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant plot of land measuring 5 kottahs 5 chittak, 13 sq. ft. at Mouja :—Patipukur. Plot No. 267, Block B, Lane Town, P.S. :—Dum Dum Dist. 24. Parganas.

A. K. BATABYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date 4-2-1976

Seal :



FORM ITNS

(1) Amita Ray

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohammed Salim

(Transferee)

(3) Janab Ash Mahammed

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 4th February 1976

Ref No. TR-58/C-70/CAL-1/75-76.—Whereas, I. S. K.  
CHAKRAVARTYbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and

No. 16 situated at Teritta Bazar St., Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at 5, Govt. Place North, Cal on 28-6-75for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;(b) by any other persons interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of publication of this notice in the  
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly constructed one storeyed  
brick-built house together with land containing an area of  
6 Cottahs 3 Chittacks and 22 Sq. ft. being premises No. 16  
Teritta Bazar Street, Calcutta.S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 4-2-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Kamala Ranı Saha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Msi. Sultana Begum

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) Janab Ash Mahammad

(yCfp

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTAObjections, if any, to the acquisition of the said prop-  
erty may be made in writing to the undersigned—

Calcutta the 4th February 1976

Ref No IR-59/C-71/CAI-1/75-76—Whereas, I, S K CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein- after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 16 situated at Territa Bazar St., Cal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5, Govt Place North, Cal on 28-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res- pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov- able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used here- in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly constructed one storeyed brick built house together with land containing an area of 6 Cottahs 3 Chintacks and 22 Sq ft being premises No 16 Territa Bazar Street, Calcutta

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

S K CHAKRAVARTY,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date 4-2-1976

Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OFINCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1976

Ref. No. PTA/1181/75-76.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, measuring 49 bighas 17 biswas situated at Village Ranbir Pura, Tehsil Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Patiala in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Balbir Singh s/o Shri Kahla Singh,  
Village Ranbirpura, Tehsil Patiala.

(Transferor)

(2) Sarvshri

(i) Gurmit Singh.

(ii) Amarjit Singh.

(iii) Harmit Singh,

(iv) Harjit Singh,

sons of Balbir Singh,

Residents of Village Ranbirpura, Tehsil Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 49 bighas and 17 biswas, situated at village Ranbirpura, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2873 of September, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

V. P. MINOCHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 4th February 1976.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1976

Ref. No. PTA/317/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 78 kanals 17 marlas along with tube-well, rooms and engine, situated at Village Bakhshi-wala, Tehsil Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Sarvshri

- (1) (i) Gurdip Singh  
(ii) Mohinder Singh,  
(iii) Joginder Singh,  
(iv) Swaran Singh,  
(v) Parduman Singh,  
sons of Isher Singh,  
Residents of Village Bakhshi-wala,  
Tehsil and Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Mohinder Singh,  
(ii) Shri Joginder Singh,  
sons of Shri Mohan Singh,  
Residents of Village Bakhshi-wala,  
Teh. : and Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 78 kanals and 17 marlas along with tube-well, rooms and engine, situated at village Bakhshi-wala, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1259 of June, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 4th February 1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Kundan Kaur, wd/o Shri Sadhu Singh,  
R/o Village Kauli, Tehsil Patiala.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harpal Singh s/o Shri Partap Singh  
R/o Village Jhill, Tehsil Patiala  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156 SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1976

Ref No. PTA/1150/75-76—Whereas I V P. Minocha Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, 44 bigha and 10 biswas situated at Village Kauli, Tehsil Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 44 bigha and 10 biswa situated at village Kauli, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2422 of August, 1975 of the Registering Officer, Patiala)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following person namely :—

22—476GI/75

V. P. MINOCHA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Chandigarh

Date 4th February 1976

Seal.

FORM ITNS—

(1) Smt. Gurbachan Kaur, d/o Shri Bakhtaur Singh,  
R/o Village Kauli, Tehsil Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Hardial Singh s/o  
Shri Partap Singh,  
Village Jhill, Tehsil Patiala

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1976

Ref. No. PTA/1151/75-76.—Whereas, I V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 44 bigha and 9 biswa, situated at village Kauli, Tehsil Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 44 bigha and 9 biswa, situated at village Kauli, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2423 of August, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Chandigarh.

Date : 4th February 1976.  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1976

Ref. No. PTA/614/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, measuring 103 kanal and 10 marlas, alongwith tube-well, 5 H. P. motor and connection, situated at village Bakhshiwala, Tehsil Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Amar Kaur, wd/o Shri Hardial Singh,  
R/o Nabha Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) (i) Shri Bhupinder Singh, s/o  
Shri Gajjan Singh,  
(ii) Smt. Nachhattar Kaur, w/o Shri Gurnam Singh,  
S/o Shri Gajjan Singh,  
(iii) Shri Virinder Singh, s/o Shri Gurnam Singh,  
R/o Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 103 kanal and 10 marlas, alongwith tube-well 5 H. P. motor and Electric connection, situated at village Bakhshiwala, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1420 of June, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 4th February 1976.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Amar Kaur, wd/o Shri Hardial Singh,  
R/o Nabha Gate, Patiala.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Bhupinder Singh, s/o Shri Gajjan Singh,  
(ii) Smt. Nachhattar Kaur, w/o Shri Gurnam Singh,  
(iii) Shri Virinder Singh, s/o Shri Gurnam Singh.  
Rs/o Patiala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1976

Ref. No. PTA/1499/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the imovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,000/- and bearing No. Land, measuring 97 kanals, and 8 marlas, situated at Village Bakhshiwala, Tehsil Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 97 kanals and 8 marlas, situated at Village Bakhshiwala, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1421 of June, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 4th February 1976.

Seal : -



## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1976

Ref. No. CHD/226/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCF No. 8, Sector 19-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Saraswati Devi, w/o Shri Jugal Kishore C/o M/s Kanhiya Lal Jugal Kishore, Cloth Merchants, Gandhi Chowk, Hissar, through her general attorney Shri Jugal Kishore, s/o Shri Kanhiya Lal. (Transferor)
- (2) (i) Major Gurmit Inder Singh Grewal, s/o Shri Devinder Singh Grewal  
(ii) Smt. Sukhleen Grewal, w/o Major Gurmitinder Singh Grewal Residents of Bassi Afgana (Bassi Pathanan), Tehsil Sirhind, District Patiala. (Transferee)
- (3) (i) Shri Kishan Singh, s/o Shri Balwant Singh, 683, Sector 20-A, Chandigarh.  
(ii) Shri Surinder Kumar.
- (iii) Shri Phillips, C/o SCF No. 8, Sector 19-D, Chandigarh. (Person in occupation of the property).
- (4) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop cum-flat No. 8, Sector 19-D, Chandigarh.

V. P. MINOCHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 4th February 1976.

Seal.

## FORM ITNS—

(1) Confrarias Reunidas da Igreja De. Panjim  
Represented by its President, Attorney and Treasurer,  
All residing at Panjim.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

Notice No. 99/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6 called Maria Pereira situated at Gaspar Dias within the Panjim Municipality Limits (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panjim under Document No. 383 on 2nd June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (2) (1) Mr. Fida Hussain, (2) Mrs. Fatima Merchant,  
(3) Mr. Feroze Hussain Merchant.  
All Residents at flat No. 12 Building 2, 5 Star  
Apartments, Bund Garden Road, Poona-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece of land known as Plot No. G-6 of the property called "Maria Pereira" situated at Gaspar Dias within the Municipality of Panjim, Admeasuring 500 square metres and is bounded :

East—Plot No. G-5.

West—Plot No. G-7

P. SATYANARAYANA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Dharwar.

Date : 31-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Confrarias Reunidas Da Igreja De Panjim.  
Represented by its President, Attorney and Treasurer,  
All residents from Panjim.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

Notice No. 100/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Plot No. G-3 called Mara Pereira situated at Gaspar Dias within the Municipality Limits of Panjim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panaji under Document No. 438 on 13-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) (1) Franco Agostinho Menezes, residing at St. Estevam, Goa,  
(2) Mrs. Sabina Rima Rodrigues, residing at St. Estevam, Goa.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. G-3 of the property called "Maria Pereira" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim, measuring 500 square metres and is bounded by :

North—Internal Road,  
South—Open space,  
East—Plot No. G-2  
West—Plot No. G-4.

P. SATYANARAYANA RAO,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 31-1-1976

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 101/75.76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYA NARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C-8 called MARIA FERREIRA situated at Gaspar Dias within the Panjim Municipality Limits, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panjim, under Document No. 439 on 13.6.1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

(1) Confrarias Reunidas Da Igreja De, Panjim  
Represented by its President, Attorney and the  
residing at Colva (Goa)  
(Transferor)

(2) Mrs. Filomena Fernandes  
D/o Joao Xavier Almeida  
W/o Shri B. S. Fernandes  
residing at Colva (Goa)  
cutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. C-8 of the property called "MARIA PEREIRA" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim, measuring 500 Square Metres and bounded by:

North : Plot No. C-7  
South : Plot No. C-9  
East : Internal Road  
West : Open Space

P. SATYANARAYANA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date 31-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Confrarias Reunidas Da Igreja De Panjim  
Represented by its President, Attorney and  
Treasurer, all residing at Panjim (Goa).  
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Maria Fafalda D'Souza,  
residing at Baga, Velim,  
Salcete (Goa).  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 102/75 76/ACQ.—Whereas, I, SATYA-NARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. D-6 called "MARIA PEREIRA" situated at Gaspar Dias within the Panjim Municipality Limits (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panjim under Document No. 545 on 22-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

23—476G1/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. D-6 of the property called "MARIA PEREIRA" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim, measuring 480 Square Metres and bounded by :

North : Plot No. D-7  
South : Plot No. D-5  
East : Remaining portion of property "Maria Pereira"  
West : Internal Road.

P. SATYANARYANA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 31-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Confrarias Reunidas Da Igreja De Panjim  
Represented by its President, Attorney and  
Treasurer, all residing at Panjim (Goa).  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 103/75.76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C 5 called MARIA FERREIRA situated at Gaspar Dias within the Panjim Municipality Limits (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panjim under Document No. 465 on 18-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (2) 1. Mrs. Josephine Souza-Roy,  
D/o Jonathas Vaz, Teacher.  
2. Mr. Anthonoy John Souza Lawyer  
S/o Constantino De Souza, Lawyer.  
3. Kum. Ashwin Peter Souza-Roy,  
all are residents of Panjim  
at Present, Bombay  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. C-5 of the property called "MARIA FERREIRA" situated at Gaspar Dias within the Municipality of Panjim, measuring 578 Square Metres.

P. SATYANARAYANA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 31-1-1976  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 104/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C-14 called "MARIA PEREIRA" situated at Gaspar Dias within the Panjim Municipality Limits (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panjim under Document No. 466 on 19-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(1) Confrarias Reunidas Da Igreja De Panjim Represented by its President, Attorney and Treasurer, all residing at Panjim (Goa).

(Transferees)

(2) Shri Domingo Manuel Rodrigues also known as Dominic Rodrigues, S/o Hilario Rodrigues, Commercial Employee, residing at Santana Ilhas, Goa, (At present in Arabian Gulf).

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. C-14 of the property called "MARIA PEREIRA" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim, measuring 500 Square Metres and is bounded by:

North : Open Space  
South : Internal Road  
East : Open Space  
West : Plot No. C-15.

P. SATYANARAYANA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 31-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 105/75.76/ACQ—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. C-15 called 'MARIA PEREIRA' situated at Gaspar Dias within the Municipality of Panjim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panjim under Document No. 478 on 21-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the education or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Confeitarias Reunidas Da Igreja De, Panjim  
Represented by its President, Attorney and the  
Treasurer, all residing at Panjim (Goa).  
(Transferor)

(2) Mr. Shaik Hussain,  
S/o Shaik Issac, Businessman,  
Panjim.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No C-15 of the property called "MARIA PEREIRA" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim, measuring 500 Square Metres and bounded by :

North : Open Space & Place No. C-17  
South : Internal Road  
East : Plot No. C-14  
West : Plot No. C-16.

P. SATYANARAYANA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 31-1-1976  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 106/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. A-7 called "MARIA PEREIRA" situated at Gaspar Dias within the Municipal Limits of Panjim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panjim under Document No. 498 on 26-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Confrarias Reunidas Da Igreja De, Panjim  
Represented by its President, Attorney and  
Treasurer, all residing at Panjim (Goa).

(Transferor)

- (2) Mr. Mario Roberto Mesquita,  
s/o Jose Roberto Evaristo F. No. Do Espirito  
S. Mesquita,  
working in all India Radio Office, Panjim.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. A-7 of the property called "MARIA PEREIRA" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim, measuring 550 Square Metres and bounded by:

North : Property of Cotta Xeta of  
Dr. Aleixo X. Martins.  
South : Internal Road.  
East : Plot No. A-6.  
West : Property Cotta Xeta of  
Dr. Aleixo X. Martins.

P. SATYANARAYANA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 31-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 107/75,76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. F-4 called 'MARIA PEREIRA' situated at Gaspar Dias within the Municipal Limits of Panjim (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Panjim under Document No. 499 on 28-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Conferarias Reunidas, Da Igreja De, Panjim  
Represented by its President, Attorney and  
Treasurer, all residing at Panjim (Goa).  
(Transferor)

(2) Mr. Fidelis Calisto Pereira,  
S/o Diogo Francisco Pereira,  
Merchant Navy Officer,  
residing at St. Estevam (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. F-4 of the property known as "MARIA PEREIRA" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim measuring 500 Square Metres and bounded by :

North : By Plot F-3  
South : By Plot F-5  
East : Internal Road  
West : Bund of the Samr part of the property MARIA Pereira and paddy field of Dr. Aleixo Xavier Martins.

P. SATYANARAYANA RAO

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 31-1-1976  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Nina Rebelo Pinto, (2) Mrs. Xacuntala Pinto markhita and (3) Mr. Fernando Pinto, All residing at Campal, Panjim (Goa).

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Belmita Rita Sousa Gomes, residing at "Sea Breeze" building Miramar, Panjim (Goa).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Dharwar, the 31st January 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

NOTICE No. 108/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — property situated at Santa Inez within the Municipal Limits of Panjim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panjim under Document Number 497 on 28th June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Property described in document No. 497, Registered in the Registration Office, Panjim on 28th June 1975.

P. SATYANARAYANA RAO  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 31-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd January 1976

C.R. No. 62/4408/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant House Site No. 143 situated at Vth Block, Jayanagar, Extension, Bangalore (7th Main Road)  
(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jayanagar, Bangalore Doc. No. 886/75-76 on 5-6-75

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri B. Visveswariah, Head Master, Govt. High School, Gudibande, Kolar District, (2) Smt. Lalithamma, W/o late Shri B. Ramakrishnaiah, (3) B. R. Satyanarayana, (4) B. R. Krishnamurthy, (5) B. R. Prasad (Minor) Represented by Guardian his mother Smt. Lalithamma, All residing at No. B-80, Sameerapuram, Kempegowda Nagar, Bangalore-18.

(Transferor)

(2) (1) Shri B. S. Madhava, (2) Smt. Kamala Madhava W/o Shri Madhava, (3) Kumari Subha Madhava, D/o Shri B. S. Madhava all Residing at No. 78, Ranoji Rao Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferee)

(3) Nil—(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri B. R. Bhagawan, S/o Late Shri B. Ramakrishnaiah, R/o E 262, Amar Colony, New Delhi.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 886/75-76 dated 5-6-75]

Vacant House site No. 143, Vth Block Jayanagar Extension, Bangalore (7th Main Road).

Site Area

East to West 90' }  
North to South 45' } 4050 Sq. ft.

Boundaries.

East Road

West Site No. 88

North Site No. 144 and

South Site No. 142

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore

Date: 22-1-1976

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shrimati Muniamma, W/o Chickka Ramiah, Sudaguntapalya, Tavarekere, Bangalore.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Kamala Devi, W/o Sri Sampath Raj, No. 17, Berlie Street, Longford Road, Bangalore.  
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bangalore-27, the 20th January 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

C.R. No. 62/4414/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site bearing No. 145, Formed in Survey No. 87/1 situated at Audugodi, Bangalore (Division No. 62) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Jayanagar, Bangalore Document No. 1013/75-76 on 13-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 1013/75-76 dated 13-6-1975]  
Site bearing No. 145, Formed in Survey No. 87/1 situated in Audugodi, Bangalore (Division No. 62)

Site area

East to West 60' }  
North to South 45' } 2700 Sq. ft.

Boundaries :

East : Road  
West : Mico Factory land.  
North : Rama Reddy's site and  
South : Yellamma's House.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—476G1/75

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 20-1-1976

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd January 1976

C.R. No. 62/4484/75-76/ACQ/B—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing the property being a corner vacant site bearing No. 22/9 situated at Grant Road, Civil Station, Bangalore (formerly a portion of 'OORGAUM HOUSE' old No. 31, Grant Road, Bangalore) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore, Document No. 1115/75-76 on 27-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) (1) Mr. Anthony Alexis D'Souza, S/o Mr. P. G. D'Souza (2) Mrs. Dorothy Sabina D'Souza, W/o Mr. A. A. D'Souza, both residing at No. 22, Grant Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) (1) Miss Jayasheela Pillai, (2) Miss Jayamala Pillai (Minors) Represented by their father and guardian Sri K. P. Pillai, Serpentine Street, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 1115/75-76 dated 27-6-75]  
The property being a corner vacant site bearing No. 22/9, Grant Road, Civil Station, Bangalore (formerly a portion of 'Oorgaum House', Old No. 31, Grant Road, Bangalore).

Site area  
East to West : 77' } 7,546 Sq. ft.  
North to South : 98' }  
Boundaries:  
North : Neighbouring plot  
South : Site No. 22/8  
East : Road and  
West : Neighbouring plot.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 22-1-1976  
Seal ;

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd January 1976

C.R. No. 62/4498/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant Site Nos. 11/1 and 11/1-2 situated at Wilson Garden, Bangalore-27 (formerly known as Arekempnanahalli) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jayanagar, Bangalore. Document No. 933/75-76 on 10-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) (1) Sri A. Ramakrishna, S/o K. Appa Reddy (2) Sri Appa Reddy alias Babu alias Anil Kumar (3) Sri Anand (4) Sri Arun Minors, Represented by their father and natural guardian Shri A. Ramkrishna All are residing at Harapanahalli Grama Jughu Hobli, Anekal Taluk, Bangalore Dist. and also residing at No. 119 to 124 East End Road, Visweswarapuram, Bangalore-4.

(Transferor)

- (2) Shrimati D. Manoranjithamma, W/o Shri D. Venugopal, No. 43, 10th Cross, Park Area, Wilson Garden, Bangalore or No. 62, Vth Main, Wilson Garden, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 933/75-76 dated 10-6-75]  
Vacant site Nos. 11/1 and 11/1-2 situated in Wilson Garden, Bangalore (formerly known as Arekempnanahalli)  
Site Area:  
East to West 70' } 1960 Sq. ft.  
North to South 28' }  
Boundaries:  
East: Government land  
West: Ramaiah's land  
North: Narasimhaiah's land and  
South: Road.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore

Date: 22-1-1976  
Seal:

FORM ITNS

(1) Shri A. S. Venugopal, S/o Late A. S. Srinivasa Iyer,  
No. 28, Sindhi Colony, Bangalore.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd January 1976

C.R. No. 62/4541/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Site bearing Municipal No. 49/3 situated at Charles Campbell Road, Cox Town, Civil Station, Bangalore (Division No. 49) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore, Document No. 1172/75-76 on 19-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (2) (1) Sri A. S. Srinivasan S/o A. K. Sivarama Iyer  
(2) Smt. Radha Srinivasan W/o Sri A. S. Srinivasan both residing at : No. 6, Da Costa Layout, Cooke Town, Bangalore-5.  
(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 1172/75-76 dated 19-6-75]  
Vacant site bearing Municipal No. 49/3, situated in Charles Campbell Road, Cox Town, Civil Station, Bangalore (Division No. 49)

Site Area

East to West 50'6" }  
North to South 40' } 2020 Sq. ft.

Boundaries :

East : House No. 49/4  
West : House No. 49/2  
North : Southern Railway Truck and  
South : 25 feet wide Road.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 22-1-1976

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd January 1976

C. R. No. 62/4627/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The property being a corner vacant site bearing No. 13-A, Forming a portion of premises No. 1/21, situated at Rajamahahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore-560006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1250/75-76 on 16-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

**in the said instrument of transfer with the object of—**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Vishvarama Hotels Ltd. No. 1/21, Bellary Road, Bangalore-560006.  
*Registered Office*  
No. 1, Hanuman Road, Marshall House, New Delhi-1.  
(Transferor(s))
- (2) Shri M. S. Ramachandra, S/o Late Sri A. Srirangaiyah Setty, No. 1137, Eastern Extension, Mandya.  
(Transferee(s))
- (3) Nil [Person(s) in occupation of the property]
- (4) M/s Redors, No. 42, Kasturba Road Cross, Bangalore-560001. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 1250/75-76 dated 16-6-75]  
The property being a corner vacant site bearing No. 13-A, Forming a portion of premises No. 1/21, Rajamahahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore-560006.

*Site Area*

East to West : 45' }  
North to South : 60' } 2700 Sq. Ft.

*Boundaries*

East Plot No. 14  
West Road  
North Plot No. 13-B and  
South Road.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 22-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20nd January 1976

C.R. No. 62/4628/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being a vacant site bearing No. 13-B, forming a portion of premises No. 1/21, situated at Rajamahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore-560006

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1252/75-76 on 16-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Vishvarama Hotels Ltd., No. 1/21, Bellary Road, Bangalore-560006.

Registered Office

No. 7, Hanuman Road, Marshall House, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Shrimati P. Sathyakumari, W/o Sri A. V. Paramashivan, No. 573, Palace Upper Orchards, Bangalore-560006.

(Transferee)

(3) Nil [Person(s) in occupation of the property]

(4) M/s Redors, No. 42, Kasturba Road Cross, Bangalore-560001.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 1252/75-76 dated 16-6-75]

The property being a vacant site bearing No. 13-B Forming a portion of premises No. 1/21, Rajamahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore-560006.

Site Area

East to West 45' }  
North to South 60' } 2700 Sq. Ft.

Boundaries:

East : Plot No. 14  
West : Road  
North : Plot No. 12 and  
South : Plot No. 13-AR. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range  
Bangalore.Date : 20-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20nd January 1976

C.R. No. 62/4630/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing Property being old Municipal Nos. 27 and 39 Present Nos. 58 and 61 situated at Chowdeswari Temple Street, Bangalore-2 (Division No. 41) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1267/75-76 on 17-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sri K. Narayanaso, S/o K. Chickakrishnasa, Prop. Kabadi Textiles, No. 58, Chowdeswari Temple Street, Bangalore-2.

(Transferor)

- (2) Shrimati Rukmini Bai, D/o Sri Habeeb Harisa, No. 10, Darjipet, Bangalore-53.

(Transferee(s))

- (3) M/s Kahadi Textiles, (2) Sri M. P. Shah, (3) Belgaum Bank (1st Floor), (4) Belgaum Bank (2nd Floor), (5) Prakash Textiles, (6) Sri Subbaiah Sastry (3rd Floor), (7) Sri Shamsunder (3rd IV Floor). (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 1267/75-76 dated 17-6-1975]  
The property bearing old Municipal Nos. 27 and 39 and present Nos. 58 and 61, situated at Chowdeswari Temple Street, Bangalore-2 (Division No. 41).

## Site area

East to West : 33'9"  
North to South : 29'6"  
As per sale deed.

## Plinth area

Ground Floor : 550 Sq. Ft.  
1st Floor : 550 Sq. Ft.  
2nd & 3rd Floor : 550 Sq. Ft.  
IVth Floor : 450 Sq. Ft.

## Approximately

As per the proforma  
reply filed by the  
transferee.

## Boundaries

East : Chowdeswari Temple Street,  
West : Conservancy Road and Private Property.  
North : Chowdeswari Temple Street and  
South : Shops belonging to Shri Seetharama Setty of Nelamangala.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 20-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th January 1976

C. R. No. 62/4639/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property bearing Municipal No. 1075/36, 12th A Cross, Kodandaramapuram, situated at Vyalikaval Extension, Bangalore-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1561/75-76 on 24-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri A. Chinnaswamy Raju, S/o Sri Akkal Raju, No. 294, Upper Palace Orchards, Bangalore-560006.  
(Transferor)

- (2) Shrimati Sharadamma, W/o Sri K. Narayana Shetty, No. 1572, 2nd Cross, Nagappa Block, Srirampuram, Bangalore.

(Transferee)

- \* (3) 1. Thodani Rao 2. Thomas 3. Banu Nair 4. P. L. Dass. 5. Veer Raju 6. Shantakumar 7. N. R. Maney 8. Kasinatha Shastry and 9. M. A. Subbaraya.  
(Person(s) in occupation if the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 1361/75-76 dated 24-6-1975]  
Property bearing Municipal No. 1075/36, 12th A Cross Kodandaramapuram, Vyalikaval Extension, Bangalore-3.

## Site area

|                      |   |                   |
|----------------------|---|-------------------|
| East to West : 30'   | } | 1950 Sq. Ft.      |
| North to South : 65' |   | As per Sale Deed. |

## Plinth

|                             |   |  |
|-----------------------------|---|--|
| Ground Floor : 1120 Sq. Ft. | } | As per the proforma<br>reply filed by the<br>transferee. |
| 1st Floor : 1120 Sq. Ft.    |   |  |
| 2nd Floor : 1120 Sq. Ft.    |   |  |
| Total . 3360 Sq. Ft.        |   |  |

## Boundaries

East : Property belonging to Smt. Aladal Madamma  
West : House constructed on site No. 13  
North : Road and  
South : Property belonging to Shri Venkataramaiah.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 20-1-1976  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/365/1041/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 89 (122-39, Plot No. 34) situated at Shanker Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
25—47601/75

(1) Shri Massa Singh s/o Shri Bhagat Singh,  
r/o G-16, Radheypuri, Gondli Nagar, Delhi.  
(Transferor)

(2) S/Shri 1. Satya Pal Malhotra  
2. Nand Kishore Malhotra  
3. Ashok Kumar Malhotra  
4. Vinod Kumar Malhotra  
5. Rajinder Kumar Malhotra  
6. Satish Kumar Malhotra,  
all sons of Sh. Lal Chand Malhotra,  
residents of 1255, Subhash Road,  
Gondli Nagar, Shahdara, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storyed house constructed on a plot of land measuring 120 sq. yds situated at House No. 89 (122-39 plot No. 34) Shanker Nagar, Near Azad Nagar, Shahdara, Delhi.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-2-1976  
Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2195A/1042/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-3/8 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pritam Singh Lamba s/o  
S. Sunder Singh,  
r/o F-9/5, Model Town, Delhi-9 self and General  
power of attorney of Smt. Sneh Lata w/o  
Sh. Rajinder Singh.  
(Transferor)

(2) Naresh Kumar Jain s/o  
Shri Parkash Chand Jain,  
now r/o B-3/8, Model Town, Delhi,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storeyed house constructed over a land measuring 82.2 sq. yds. situated at plot No. 8, Block B-3. (B-3/8), Model Town, Delhi.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-2-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2117/1043/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/4th share of 6/18 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kundan Lal Sehgal s/o  
Late Rai Bahadur L. Chaman Lal Sehgal  
r/o 6/18, East Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdishwar Lal Sehgal s/o  
Shri Kundan Lal Sehgal  
r/o 6/18, East Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds bearing plot No. 18 Block 6 East Patel Nagar, New Delhi and bonded as under:—

North : Road  
South : Service lane  
East : House No. 6-E/19  
West : House No. 6-E/17.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-2-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2104/1044/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1288 (Pvt. No. 1288-B) situated at Bara Bazar, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975 Delhi in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Pratap Singh s/o L. Raghubir Singh Jain,  
2. Sh. Ashok Pratap Singh s/o Sh. Pratap Singh, r/o 3 Maharani Bagh, N. Delhi through their attorney Major General Virendra Singh (Retd.)  
3. Major General Virendra Singh (Retd.) s/o L. Raghubir Singh Jain, r/o R.B. Building, Kashmere Gate, Delhi.  
(Transferor)
- (2) 1. Sh. Chander Prakash s/o Shri Tika Ram, r/o 1138, Prem Gali, Kashmere Gate, Delhi.  
2. Sh. Kishan Kumar s/o Shri Mewa Ram, r/o 820, Chota Bazar, Kashmere Gate, Delhi,  
3. Shri Mahesh Chander s/o Shri Bishamber Daya, r/o 1416 Chabi Ganj, Kashmere Gate, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1541 sq. yds, bearing No. 1288 and private No. 1288B, Kashmere Gate, Delhi.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-2-1976  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2081/1045/75-76—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B 23, situated at Tagore Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Dhajam Paul Chowdhry s/o Ch. Ghanshyam Dass,  
2. Sh. Hakim Rai s/o Sh. Hem Raj,  
i/o 9/16-A, Vijay Nagar, Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Kaushalya Devi w/o Sh. Pat Ram Gaig,  
2. Smt. Usha Gupta w/o Shri Roop Chand,  
both i/o 2/29, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 238 sq. yds. situated at No. B-23 Adarsh Nagar, Tagore Road, Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. 25  
West : Plot No. 21  
North : Passage 15 ft.  
South : Tagore Road.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-2-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Rajinder Singh r/o Shri Jagir Singh,  
r/o 9 N.W.A. Punjabi Bagh, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

(2) M/s Bhatla & Co. Ltd.  
B-2/8, Model Town Delhi through its Director  
Shri Ram Chand Bhatla  
(Transferee)

(3) M/s Blue Line Finance (P) Ltd.,  
8380/7, Roshan Ara Road, Delhi-7.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2127/1046/75-76.—Whereas I,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the said Act), have reason to  
believe that the immovable property having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
1/5th share in F. F. of XII/8380/7  
situated at Roshan Ara Road, Delhi-7  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Delhi in June, 1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this  
Notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of  
1957);

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of portion in first floor of property  
No. 8380/7 Ward No. XII, situated in Roshan Ara Road,  
Delhi-7.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

Date 4-2-1976  
Seal.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2128/1047/75-76 —Whereas, I S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/5th in F. F. of XII/8380/7 situated at Roshan Ara Road, Delhi-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghbir Singh s/o Shri Wazir Singh,  
r/o 9 N.W.A. Punjabi Bagh, New Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s Bhatla & Co. Ltd  
B-2/8, Model Town, Delhi through its Director  
Shri Ram Chand Bhatla.  
(Transferee)

(3) M/s Blue Line Finance (P) Ltd.  
8380/7, Roshan Ara Road, Delhi-7.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th undivided share of portion in first floor of property No. 8380/7 Ward No. XII, situated in Roshan Ara Road, Delhi-7

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976

Sent :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mohinder Singh s/o Shri Jagir Singh,  
1/0 9 N W A Bagh New Delhi  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS  
SIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-II

4 A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NFW DELHI

(2) M/s Bhatla & Co Ltd  
B 2/8, Model Town, Delhi through its director  
Shri Rini Chand Bathla  
(Transferee)

(3) M/s Blue Line Finance (P) Ltd  
8380 7 Roshanara Road Delhi-7  
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

New Delhi the 4th February 1976

Ref No IAC/Acq II/2129/1048/75-76 —Whereas I  
S N L AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/  
and bearing No

1/5 share in F 1 of XII/8380/7

situated at Roshan Ara Road, Delhi-7

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred as per deed registered

under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Delhi in June 1976

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fif

teen per cent of such apparent consideration and that the con

sideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

1/5th undivided share of portion in first floor of property  
No 8380/7 Ward No XII situated in Roshan Ara Road,  
Delhi 7

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons  
namely —

Date 4-2-1976

Sgnl

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4 A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2130/1049/75-76.—Whereas, I, S. N. I. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/5 share in F.F. of XII/8380/7 situated at Roshan Ara Road, Delhi-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
26—476GI, '75

(1) Shri Jaswant Singh r/o Shri Wazir Singh,  
r/o 9 N.W.A. Punjabi Bagh, New Delhi.(2) M/s Bhatla & Co. Ltd.  
B-2/8, Model Town, Delhi through its director  
Shri Ram Chand Bathla,(3) M/s. Blue Line Finance (P) Ltd.  
8380/7, Roshanara Road, Delhi-7.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th undivided share of portion in first floor of property No. 8380/7 Ward No. XII situated in Roshan Ara Road, Delhi-7.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2131/1050/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/5 share in F.F. of XII/8380/7 situated at Roshan Ara Road, Delhi-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sampuran Singh S/o  
Shri Wazir Singh,  
1/o 9 N. W. A. Punjabi Bagh, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. Bhatla & Co. Ltd.  
B-2/8, Model Town, Delhi through its director  
Shri Ram Chand Bathla.  
(Transferee)
- (3) M/s. Blue Line Finance (P) Ltd.  
8380/7, Roshanara Road, Delhi-7.  
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th undivided share of portion in first floor of property No. 8380/7 Ward No. XII situated in Roshan Ara Road, Delhi-7.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976  
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Ishwar Dass s/o Sh. Harnam Dass,  
r/o C-14, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Awtar Singh Chadha s/o  
Shri Abnashi Singh Chahda  
r/o B-4, Model Town, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4 A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2177/1057/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of Plot No. 47 Road No. 77 situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/4th share in plot of land No. 47 on Road No. 77 measuring 550 sq. yds (total measuring 2200 sq. yds) situated in the colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ishwar Dass s/o Sh. Harnam Dass,  
C-14, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Awtar Singh Chahdha s/o  
Shri Abnashi Singh Chahdha,  
r/o B-4, Model Town, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHIObjections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2178/75-76/1058.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share of Plot No. 47 Road No. 77 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/4th share in plot of land No. 47 on Road No. 77 measuring 550 sq. yds (total measuring 2200 sq. yds) situated in the colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1976

Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Ishwar Dass s/o Sh. Harnam Dass,  
r/o C-14, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Mittar Pal Singh Chahda s/o  
Shri Abnashi Singh Chahda,  
r/o B-4, Model Town, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2185/1059/75-76.—Whereas,  
S. N. L. AGARWALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No. 1/4th share of Plot No. 47, Road No. 77  
situated at Punjabi Bagh, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under  
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Delhi in June 1975  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor  
by more than fifteen per cent of such apparent considera-  
tion and that the consideration for such transfer as agreed  
to between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lia-  
bility of the transferor to pay tax under the said  
Act in respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice  
under sub-section (1) of Section 269D of the said Act  
to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice in  
the Official Gazette or a period of 30 days from the  
service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
Said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in plot of land No. 47 on Road  
No. 77 measuring 550 sq. yds. (total measuring 2200 sq.  
yds.) situated in the colony known as Punjabi Bagh,  
New Delhi.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976

Seal.

FORM ITNS- ———

(1) Shri Ishwar Dass s/o Sh. Harnam Dass,  
C-14, Model Town, Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Mittar Pal Singh s/o  
Shri Abnashi Singh Chahda.  
r/o B-4, Model Town, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHIObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2186/1062/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of Plot No. 47 Road No. 77 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in plot of land No. 47 on Road No. 77 measuring 550 sq. yds (total measuring 2200 sq. yds.) situated in the colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Vidya Vati Bali w/o Shri Sohan Lal Bali,  
r/o 20-B/1 Desh Bandu Gupta Road,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Malik Singh s/o S. Ganda Singh,  
r/o G-29, Vijay Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2135/1052/75-76.—Whereas, I,  
S. N. L. AGARWALA,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-  
ferred to as the 'Said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. 10 Road No. 52 (52/10-B)  
situated at Punjabi Bagh, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi in June, 1975  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
Parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the 'Said Act,' to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 210.94 sq. yds bearing portion  
of plot No. 10 Road No. 52 marked 52/10-B situated in  
Residential colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976

Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

(1) Shri Sohan Lal Bali s/o  
Shri Ganga Ram Bali,  
r/o 20-B/1, Desh Bandhu Gupta Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Malik Singh  
s/o Shri Ganda Singh,  
r/o G-29, Vijay Nagar, Delhi-9.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 210.94 sq. yds. bearing portion  
of plot No. 10 Road No. 52 marked 52/10-A, situated in  
residential colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976

Seal :

Ref. No. IAC/Acq.II/2136/1053/75-76.—Whereas, I,  
S. N. L. AGARWALA,  
being the Competent Authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. 10 Road No. 52 (52/10-A)  
situated at Punjabi Bagh, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Delhi in June 1975,  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi the 4th February 1976

Rel No. IAC/Acq.II/2137/1054/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 10 Road No. 52 (52/10-E) situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—476GI/75

(1) Dr. Rajinder Kumar Bali  
s/o Dr. Sohan Lal Bali,  
r/o 20-B/I, Desh Bandhu Gupta Road,  
New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Malik Singh  
s/o Shri Ganda Singh,  
1/o G-29, Vijay Nagar, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 210.94 sq. yds bearing plot No. 10 on Road No. 52 marked 52/10-E, in the residential colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2138/1055/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 10 Road No. 52 (52/10-D) situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Rajinder Kumar Bali  
s/o Dr. Sohan Lal Bali,  
r/o 20-B/1, Desh Bandhu Gupta Road,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Malik Singh s/o S. Ganda Singh,  
r/o G-29, Vijay Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXI of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 210.94 sq. yds. bearing portion of plot No. 10, Road No. 52 marked 52/10-D situated in residential colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref No IAC/Acq II/2139/1056/75-76—Whereas, I,  
S N L AGARWALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act)  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing  
Plot No 10 Road No 52 (52/10-C)  
Punjabi Bagh, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Delhi in June 1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the said Act in respect of any income arising  
from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Niranjan Dev Bali,  
s/o Dr Sohan Lal Bali,  
r/o 20-B/1, Desh Bandhu Gupta Road,  
New Delhi  
(Transferor)

(2) Shri Malik Singh s/o S. Ganda Singh,  
r/o G-29, Vihar Nagar, Delhi  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 210 94 sq yds bearing portion  
of plot No 10 Road No 52 marked 52/10-C situated in  
residential colony known as Punjabi Bagh, New Delhi

S. N L AGARWALA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 4-2-1976

Seal.

FORM ITNS

- (1) Shri Ram Lubhaya s/o Shri Salig Ram,  
r/o 1871, Gali Khiali Ram, Mohalla Iuli,  
Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2108/1051/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19-B Kothi No. 23 Ward No. 11 Darya Ganj, Ansari Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Shri Arjun Lal and Shri Gulab Rai  
sons of Shri Nihal Chand,  
r/o 3354, Jatwara Street, Subhash Marg,  
Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Southern portion of plot of land No. 19-B, situated in Kothi No. 23 Ward 11, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi measuring 100 sq. yds. out of total plot admeasuring 221.2 sq. yds. and bounded as under:—

East : Road 20 ft. wide.

West : Others property.

North : 2' wide land and then others property.

South : Others property.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi the 4th February 1976

Ref No IAC/Acq II/2173/1060/75-76 —Whereas I, S N L AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing 1/2 share of 12 UA situated at Jawahar Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1 Shri Subhash Chandra Gupta  
s/o late L Bal Kishan Dass Potwale  
2 Smt Savitri Devi  
w/o L Bal Kishan Dass,  
r/o D 5 Kalindi Colony  
Ring Road,  
New Delhi-110014

(Transferor)

- (2) 1 Shri Shyam Manohar Agarwal  
s/o Sh Jagat Narain Agarwal,  
2 Mrs Rama Agarwal w/o  
Sh Shyam Manohar Agarwal, and  
3 Sh Mani Kant Agarwal,  
s/o Sh Shyam Manohar Agarwal  
r/o 12 U/A Jawahar Nagar Delhi 7

(Transferee)

- (3) List of tenants in property No 12 UA, Jawahar Nagar, Delhi
- |   | Flat No |
|---|---------|
| 1 Dr M C Mukherjee Ground floor               | 3       |
| 2 Sh D D Bhardwaj, Ground floor               | 4       |
| 3 Sh Harbans Lal Vij 1 floor                  | 5       |
| 4 Smt Mela Devi, First floor                  | 6       |
| 5 Sh A L Wahi Dewan first floor               | 7       |
| 6 Miss Krishna Kapoor first floor             | 8       |
| 7 Sh S K Bhatia 2nd floor                     | 9       |
| 8 Sh S R Babbar, 2nd floor                    | 10      |
| 9 Smt Sarita Agarwal 2nd floor                | 11      |
| 10 Smt Bhagwati Kapila, 2nd floor             | 12      |
| 11 Legal heirs of Shri S P Patni ground floor | 1 & 2   |

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

1/2 share of a 3 storeyed constructed house on a freehold plot of land measuring 3611 sq yds bearing plot No 12 in Block UA Jawahar Nagar, Delhi

S N L AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 4-2-1976

Seal .

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2230/1061/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/2 share of 12-UA situated at Jawahar Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Subhash Chandra  
s/o Late L. Bal Kishan Dass Potewala,  
r/o D-5, Kalindi Colony, Ring Road,  
Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Shri Ashok Agarwal s/o Mr. S. M. Agarwal.  
2. Sh. Subhash Agarwal s/o Shri S. M. Agarwal,  
r/o 12-U/A, Jawahar Nagar, Delhi-7. (Transferee)
- (3) List of tenants in property No. 12 UA, Jawahar Nagar, Delhi.
- |  | Flat No. |
|--|----------|
| 1. Dr. M. C. Mukherjee, Ground floor                 | 3        |
| 2. Sh. D. D. Bhardwaj, Ground floor                  | 4        |
| 3. Sh. Harbans Lal Vij first floor                   | 5        |
| 4. Smt. Mela Devi, First floor                       | 6        |
| 5. Sh. A. L. Wahi Dewan, First floor                 | 7        |
| 6. Miss Krishna Kapoor, First floor                  | 8        |
| 7. Sh. S. K. Bhatia, 2nd floor                       | 9        |
| 8. Sh. S. R. Babbar, 2nd floor                       | 10       |
| 9. Smt. Sarita Agarwal, 2nd floor                    | 11       |
| 10. Smt. Bhagwati Kapila, 2nd floor                  | 12       |
| 11. Legal heirs of Shri S. P. Patni,<br>Ground floor | 1 & 2    |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of a 3 storeyed constructed house on a freehold plot of land measuring 361.1 sq. yds. bearing plot No. 12 in Block UA, Jawahar Nagar, Delhi.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2079/1063/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Southern half portion of 725 situated at Phatak Dhobian, Farash Khana, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Delhi in June 1975, 7-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, viz.:

(1) Smt. Vanto Bai w/o Shri Jai Kishan Das Chopra,  
r/o 725, Phatak Dhobian, Farash Khana,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Miraj-ud-din s/o Siraj-ud-din,  
r/o 725 Phatak Dhobian, Farash Khana,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Southern half portion of property No. 725 Phatak Dhobian, Farash Khana, Delhi constructed on a plot of land measuring 50 sq. yds.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Vanto Bai w/o Shri Jai Kishan Das Chopra,  
r/o 725, Phatak Dhobian, Farash Khana,  
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq II/2080/1064/75-76—Whereas I  
S. N. L. AGARWALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
725 Phatak Dhobian, (1/2 share)  
situated at Farash Khana, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at Delhi in June 1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely:—

(2) Shri Mohamad Ahmad  
s/o Maulvi Mohamad,  
r/o House No. 934, Gali Chhah Shirin,  
Farash Khana, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

11 storeyed house constructed on a plot of land measur-  
ing 50 sq. yds. situated at 725 Phatak Dhobian Farash  
Khana, Delhi.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date . 4-2-1976

Seal .

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq-II/2243/75-76/1065.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ground floor of 914/II situated at Kucha Kabal Attar, Ch. Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
28—476GI/75

(1) Shri Bhagwan Dass s/o  
Shri Wazir Chand r/o II/914 Kucha Kabal Attar,  
Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Piara Lal Dawar.  
s/o Sohna Mal Dawar  
r/o II/914, Kucha Kabal Attar,  
Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor of the entire property No. II/914 constructed on a plot of land measuring 69 sq. yds situated at Kucha Kabal Attar, Chandni Chowk, Delhi and bounded as under:—

North : Property No. II/915  
South : Property No. II/913  
East : Passage  
West : Property No. II/780.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/ACQ.II/2251/1066/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 37 situated at Outram Lines, Kingway Camp, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Parkash Kapoor  
s/o Shri Ram Saran Kapoor,  
H-20 Hudson Lines, K W Delhi through special  
attorney Sh. Ram Lal Kapoor,  
r/o 8A South Park Avenue, Sector-9,  
Bhilai (MP)

(Transferor)

(2) Shri Harish Kumar,  
s/o Shri Amar Nath,  
r/o 197, Village Dhaka, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Govt. built shop No. 37 situated at Outram Lines, Kingsway Camp, Delhi with all fittings, fixtures, electric connection, power connection, electric motor, ginning cotton machine.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq, II/391/1067/75/76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-20/12, situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Chand,  
s/o Shri Atma Ram,  
r/o F-20/12, Krishan Nagar, Delhi-51.  
(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi Dewan,  
w/o Shri Devi Dayal Dewan,  
r/o F-13/7 Krishan Nagar, Shahdara, Delhi-51.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House built on a free-hold plot of land measuring 117 sq. yds. situated at No. F-20/12, Krishan Nagar, area of Village Shahdara, Delhi and bounded as under :—

North : Remaining portion of F-20/12,  
South : Property No. F-20/13  
East : Road.  
West : Road.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2300/1068/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 58, situated at South Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Inderjit Singh,  
s/o Shri Gurmukh Singh,  
r/o J-6/132, Rajouri Garden, New Delhi as  
General Regd. Attorney of Smt. Nanki Devi w/o  
S. Harbans Singh, 3 West Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Tripat Kaur,  
w/o Shri Gurmukh Singh,  
r/o J-6/132, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lease hold rights of the land measuring 68.333 sq. yds. bearing plot No. 58 situated in South Patel Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. 57.  
South : Plot No. 59  
East : Service Lane.  
West : Main Road.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-2-1976

Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Bhanumal Bhogilal Patel, Ashok House,  
Palliarakavu, Cochin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Valsa Joseph, VIII/166, Town Club  
Road, Puzhavathu, Changanassery.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
JYOTHI BUILDINGS, GOPALAPRABHU ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-11

Ernakulam, the 31st January 1976

Ref. No. L. C. No. 50/75-76—Whereas I. M. M. KURUP, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Changanasserry Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Changanasserry on 28-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17 cents of land with building in Sy. No. 45/9 of Changanasserry village.

M. M. KURUP  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 6th February 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing agricultural land of 30.76 acres at Village Hasinabad (Rajora) Teh. Burhanpur situated at Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 10-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Jeevanprasad,  
2. Shri Maheshprasad S/o Komalprasad Shrivastav, r/o Khaknar Kala, Post Khaknar Kala Teh. Burhanpur, Distt. East Nimar,  
3. Shri Rameshprasad s/o Komalprasad Shrivastava r/o Hassinabad (Rajora) P.O. Sirpur, Teh. - Burnhpur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Raghunathprasad s/o Kalicharan Shrivastava, r/o Hassinabad, (Rajora) Teh. Burhanpur, East Nimar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land of 30.76 acres at Village Hassinabad (Rajora) Teh. Burhanpur.

V. K. SINHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-2-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Gambheer S/o Ramu Patel, 2. Shri Kishore (Minor) S/o Shri Gambheer Patel, Vali S/o Shri Gambheer Patel, R/o Aenpur, Taluka Raveer, Distt. Jalgaon, Maharashtra.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Manoharlal (Minor) S/o Trimbak Patel, S/o Shamu Patel, R/o Village Nimandad, Raivawari, Teh. Burhanpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 6th February 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land at Village Shekhpur, Teh. Burhanpur alongwith one house, 1 well on the land situated at Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 11-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land at Village Shekhpur, Teh. Burhanpur alongwith one house, and 1 well.

V. K. SINHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s 3-Aces, partnership Firm represented by its 6 partners, Sri Bishenlal Ahuja, at Abid Road, Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt Prakash Devi w/o Gokulchand Pershad, H. No. 5-9-30/1/26 at Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

- (3) M/s Modi Mills Ltd, Tilak Road, Hyderabad.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 10th February 1976

Ref. No. RAC. No. 256/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/L/12 & 13 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7-6-1975

rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property : Premises bearing No. 4-1-938L/12 and 13 in Bishenlal Market, at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1976

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1 Sri Kusalchand Singhavee, and  
2 Sri Rakesh Kumar,  
both are residing at Tilak Road,  
Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. J. Jalavathi W/o J. Brahmaiah,  
5-9-798 at Gunfoundry,  
Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1976

Ref. No RAC No 255/75-76—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-798 situated at Gunfoundry, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 20-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—  
29—476GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House No. 5-9-798 at Gunfoundry, Hyderabad admeasuring 275 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-2-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th February 1976

Ref No RAC No 252/75-76—Whereas, I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 147/1 situated at Dwarakapuri Colony Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 16-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

- (1) 1 Sri Valvakolamu Satyamuthy,  
H No 1-10 15 at Ashoknagar,  
Hyderabad
- 2 Smt Bhagirathi Devi  
H No 3-5 141 3/4 at Kineh Koti, Hyderabad
- 3 Smt Sharda Devi  
H No 21-2 672 at Urdu Shairaf Hall,  
Hyderabad

(Transferor)

- (2) Sri G D Sultanra,  
H No 6-3 883/3 at Panjagutta,  
Hyderabad

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property Open land measuring 1066 Sq. Mets with compound wall, in S No 147/1 at Dwarakapuri Colony, Hyderabad

K S VENKATARAMAN  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date 4-2 1976  
Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th February 1976

Ref. No. IAC/Acq. II/2388/1072/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 21 Block 7 situated at Kirti Nagar Industrial Area, Najafgarh Road, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Shiwan Devi Oberoi w/o  
Rai Sahib Jai Ram Dass Oberoi,

2. Rai Sahib Jai Ram Dass Oberoi s/o  
Shri Mohra Mal  
both r/o 17, Gwalior Road, Opposite Prem  
Nagar, Gwalior.

3. Sh. Prem Kumar Oberoi s/o  
Shri Rai Sahib Ram Dass Oberoi, r/o  
34/2, East Patel Nagar,  
New Delhi-8.

(Transferor)

- (2) M/s. Alfa Automobiles (India), a firm 4/27, Kirti  
Nagar Industrial Area, Najafgarh Road,  
N. Delhi-15 through its partners Sh. P. C. Malhotra  
s/o Sh. Ram Lal Malhotra.  
2. Sh. Arjan Singh Sandhu s/o Shri Sham Singh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial plot of land bearing No. 21 in Block 7 in Kirti Nagar Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi measuring 1866.66 sq. yds.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 5-2-1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/401/1072/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-6, situated at Kishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1 Shri Om Parkash s/o  
Sh. Pishori Lal, r/o  
331/1/11, Gali No. 2, Raj Garh Colony,  
Gandhi Nagar, Delhi-31.  
2. Shri Sudarshan Singh s/o  
Sh. Hardyal Singh,  
r/o 540, Jheel Kuranja, Delhi-31.  
(Transferor)

- (2) Smt. Jai Rani,  
w/o Shri Durga Dass,  
r/o 11, Ram Park, Kishan Ganj, Delhi  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1½ storied house built on a plot of land measuring 77.7/9 sq. yds situated at No. B-6, Krishan Nagar Shahdara, Delhi and bounded as under :—  
North : Portion of B-6  
South : House No. B-7  
East : Road  
West : Abadi of Jheel Kuranja.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 5-2-1976

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2306/1070/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 68, situated at Gokhle Market, Opp. Tis Hazari Court, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kalyan Singh,  
s/o Shri Kewal Singh,  
r/o 56, Khan Market, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Avtar Singh Khanna,  
s/o Shri Partap Singh Khanna,  
r/o C-3/3, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 68 situated at Gokhle Market, Opp. Tis Hazari Court, Delhi constructed on a plot of land measuring 537 sq. ft. charged 2/3rd to ground floor and 1/3rd to first floor).

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 5-2-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhagwan Dass s/o Shri Roshan Lal,  
r/o 104, Azad Market, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravinder Kumar, s/o  
Shri Jai Chand,  
r/o 181, Gupta Colony, Near Vijay Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2335/1069/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 256, situated at Azad Market, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 256 situated at Azad Market, Delhi on leasehold plot of land measuring 21.8 sq. yds bounded as under:—

East : Shop No. 257  
West : Shop No. 255  
North : Library Road  
South : Main Road.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 5-2-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th February 1976

Ref. No. Acq. 23-I-693(261)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Survey No. 262-A, Sub-Plot No. 13, T.P.S. No. 14, F.P. No. 207 & 207-A, situated at Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Urvashi Rohitbhai Mehta,  
Kilik Industrial Estate, Chandivali,  
Kurlapval Road, Bombay-72.  
(Transferor)
- (2) (i) Smt. Anvarbegam Badruddin Vajifdar,  
Choirk House, Near Putharwali Masjid, Shah-  
pur, Ahmedabad.  
(ii) Smt. Asamathbibi, widow of Samsuddin Rafi-  
yudin Saidwad, Delhi Chakla,  
Ahmedabad.  
(iii) Smt. Husainabibi widow of Fakurudin Sam-  
sudin, Saidwad Delhi Chakla,  
Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A two storeyed building standing on land admeasuring 665 sq. yards bearing Survey No. 262-A, Final Plot No. 207 and 207-A, Sub-Plot No. 13 of T.P.S. 14, situated near Jai Jineswar Society, Shahibaug, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 5589 dt 19-7-1975.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 4-2-76

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th February 1976

Ref. No. Acq. 23-I-703(262)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 69-1, situated at Danilimda, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Laherchand Swaroopchand Shah, for and on behalf of the firm of Pari Nathalal Dahyalal Haja Patel ni Polc, Ahmedabad.  
(Transferor)

(2) Asha Co-op Housing Society Ltd., 7-Anand Baug, Bhairavnath Road, Kakaria, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 10471 sq. yards bearing Survey No. 69/1, situated at Danilimda, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 10016 dt. 23-7-1975.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I,

Date . 4-2-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Badruddin Tyabally Barodawalla & Ors.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Florence Co-op. Hsg. Soc. Ltd.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) Members of the Society,  
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AAYAKAR  
BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-20, the 5th February 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;Ref No. ARI/1198-2/June 75. — Whereas, I. V. R. AMIN  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.C.S. No. 1/665, 665 Malabar & Kumballa Hill Divn situated  
at off Altamount Rd.(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the Said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Bombay on 20-6-1975for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in  
respect of any income arising from the transfer; and  
or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957).ALL THAT piece or partly vacant land (pension and tax  
tenure) bearing distinct No. C admeasuring 1957 sq. yards  
equivalent to 1477 square Meters to title deeds but 1757  
square yards, 1469 square Meters according to joint survey  
being a part of a large portion of the land bearing cadastral  
S. No. 1/665 and 665 of Malabar and Cumballa Hill Division  
N. S. Sheet No. 294 F 225 situated off Altamount Road,  
D-Ward Together with building and structures and bungalow  
and building and bungalow on the East of the said plot  
property bearing distinct No. B of the Vendors, on or north  
of the plot is property owned by Shah Construction Co. Ltd.  
at present, on the south of the said Plot is common approach  
road on the west of the said Plot No. B owned by the  
Vendors. Registration District and Sub-District of Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said  
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the Said Act, by the following  
person, namely :—V. R. AMIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I,  
Bombay

30—476GI/75

Date : 5-2-76.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Daulat Ram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Lal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1976

Ref No. 83R/ACQUISITION—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. D-52/41-B situated at Moh. Luxmikund Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub Registering Officer at Varanasi on 30-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Fast portion of a house No. D-52/41-B situated in Moh. Luxmikund Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-2-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Daulat Ram.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1976

Ref. No. 110-S/Acquisition.—Whereas, I. BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the imovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-52/41-B situated at Moh. Luxmikund, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 30-9-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

West portion of a house No. D-52/41-B situated in Moh. Luxmikund Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 4-2-76.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Harihar Singh and others.

(Transferor)

(2) Shri Chhangur Prasad and others,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-  
SSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.Ref No. 22-C/ACQUISITION.—Whereas, I. BISHAMBHAR  
NATH.being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. — situated at Village Gurli Tappa, Distt. Gorakhpur  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (6  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Maharaj-Ganj (Distt. Gorakhpur) on 7-8-1975for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said Act'  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Half portion of agricultural land measuring 95.9 acres,  
Situated in Village Gurli Tappa, Bharat, Khand, Pargana-  
Tilpur, Tehsil-Mahraj-ganj, Distt. Gorakhpur.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, LucknowNow, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said  
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the fol-  
lowing persons, namely :

Date : 4-2-76.

Seal :



FORM ITNS-----

(1) Shri Nannoo Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntla Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOWObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow the 4th February 1976

Ref. No. 109 S/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 169, Khasra, situated at Village Dhaturi, Bulandshahr (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahr on 11-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Half portion of agricultural land Khasra No. 169, measuring 17 Bigha 10 Biswanai, situated in Vill. Dhaturi, Pargana Baran, Distt. Bulandshahr.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Baldal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Achal and others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOWObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 30th January 1976

Ref No. 81-A/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Chak No. 75 and 25 situated at Village Marwa Tappa Bajraha, Distt. Basti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Naugarh (Distt. Basti) on 30-10-75 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land Nos. 75 and 25 measuring 15 Bigha, 8 Biswa, 18 Biswansi and 1 Bigha, 14 Biswa 24 Biswansi respectively situated in Village Marwa Tappa Banjhara Distt. Basti.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section of 1922) or the said act or the Wealth-tax act, 1957 namely --

Date : 30-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. Ratnakumar, Rajahmundry.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. V. Narayana, Director, M/s Motu Industries Private Ltd., Rajahmundry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 7th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 311/J. No. 1 (109) /Eg/75-76.  
Whereas, I, B. V. SUBBARAO,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

R.S. No. 137 situated at Rail Road, Rajahmundry  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Rajahmundry on 31-7-1975

for an apparent consi-  
deration which is less than the fair market value of the afore-  
said property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-  
deration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the lia-  
bility of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

The schedule property as per document No. 2778/75 of the  
S.R.O. Rajahmundry during the fortnight ended on 31-7-1975.

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Incometax, Acquisition Range,  
Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Said Act to the following  
person, namely :—

Date : 7-2-1976,  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jeyady Venkata Vijaya Baskar,  
S/o Kesavaraju, Bhimavaram.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Gadiraju Narayanamma,  
W/o Ramamurthy Raju, Bhimavaram.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice  
on the respective persons whichever period expires  
later;

Kakinada, the 7th February 1976

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. No. Acq. File No. 310/J. No. 1(87)/WG/75-76.—  
Whereas, I, B. V. SUBBARAO

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 1051-15 situated at Ward No. 9 Bhimavaram  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Bhimavaram on 31-7-1975

for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as agreed  
to between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the Said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in  
respect of any income arising from the transfers  
and/or

The schedule property as per document No. 1503/75 of  
the S.R.O., Bhimavaram during the fortnight ended on  
31-7-1975.

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said  
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said  
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the follow-  
ing persons namely :—

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhumatiraju Venkataramaraju,  
S/o Narayanaraju, Relangi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Meragani Pydumma,  
W/o Apparao, Bhimavaram.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 399/J, No. I(89)WG/75-76.—  
Whereas, I. B. V. SUBBARAO.being the Competent Authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the Said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. 8-1-150 to 152 situated at 21st Ward Bhimavaram  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Bhimavaram on 31-7-1975for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the Said Act in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act,
- 
- 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sec-  
tion (1) of Section 269D of the Said Act to the following  
persons, namely :—

31—476G1/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
- 
- the service of notice on the respective persons,
- 
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
- 
- immovable property, within 45 days from the
- 
- date of the publication of this notice in the
- 
- Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the Said Act shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1442/75 of  
The S.R.O. Bhimavaram during the fortnight ended on  
31-7-1975.B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Kakinada

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kanaparty Hanumantharao,  
S/o Paparao, Desupalem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Shri Nutulapati Ramarao, S/o Subbarao  
2. Shri Nutulapati Radhakrishna, S/o Subbarao  
Dirisenacherla Village.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 7th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 306/ME. No. 207.—  
Whereas, I, B. V. SUBBARAO,  
being the Competent Authority under Section 269-B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that  
the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
D. Nos. 11 & 12 situated at Desupalem Village  
(and more fully described  
in the Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of  
the Registering Officer at  
Jaggaihpeta on 31-7-1975  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
Said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1572/75 of the  
S.R.O. Jaggaihpeta during the fortnight ended on 31-7-1975.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
Said Act, in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth  
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the Said Act to the following  
persons, namely :—

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1976

Ref. No. MNS/250/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing Land situated at Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Mansa in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Bakhtaur Singh s/o Shri Gulab Singh s/o Shri Gehna Singh V. Lohgarh GA Inder Singh, Mohinder Singh s/o Shri Bhag Singh, V. Adanike Teh. Mansa.  
(Transferor)

(2) Shri Satinder Dass, Advocate s/o Shri Brij Lal, Amar Singh s/o Jodh Singh, Surjit Kaur w/o Shri Amar Singh r/o Mansa.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above, and tenant (s), if any, (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 654 of May, 1975 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-76.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1976

Ref. No. ASR/251/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Mansa Kalan (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bakhtwar Singh s/o Shri Gulab Singh s/o Shri Gehna Singh V. Lohgarh GA Shri Inder Singh, and Shri Mohinder Singh ss/o Sri Bhag Singh. r/o Adamke Teh. Mansa.

(Transferor)

- (2) Shri Sant Ram, Amrit Lal ss/o Shri Ram Chand s/o Shri Ganga Ram r/o Mansa Shri Roshan s/o Shri Asa Ram Budhlada

(Transferee)

- (3) As at No. 2 above, and tenant (s), if any, (Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 655 of May, 1975 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 12-2-76.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1976

Ref No. MNS/252/75-76.—Whereas, J. V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Mansa in May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bakhtawar Singh s/o Shri Gulab Singh s/o Shri Genha Singh V. Lohgarh GA Shri Inder Singh, Mohinder Singh Ss/o Shri Bhag Singh, V. Adamke.  
(Transferor)
- (2) Shri Satinder Dass Gupta Advocate s/o Shri Brij Lal Kasturi Lal s/o Shri Budh Ram V. Khiwa Dialu Wala, Prem Lata d/o Kishori Lal r/o Narwana.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, and tenant (s), if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 658 of May, 1975 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-76.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1976

Ref. No. MNS/253/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Mansa Kalan

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Bakhtawar Singh s/o Shri Gulab Singh s/o Shri Gehna Singh V. Lohgarh GA Shri Inder Singh, Mohinder Singh s/o Shri Bhag Singh, V. Adamke Teh. Mansa.

(Transferor)

(2) Shri Lachhman Dass s/o Shri Raunaq Ram s/o Shri Bansj Ram Narain Paishad s/o Shri Banarsi Dass s/o Shri Biria Mal r/o Mansa.

(Transferee)

\* (3) As at S. No. 2 above, and tenant(s), if any.

(Person in occupation of the property)

\* (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 673 of May, 1975 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 12-2-76.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1976

Ref. No. MNS/254/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. Land situated at Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Bakhtawar Singh s/o Shri Gulab Singh s/o Shri Gehna Singh V. Lohgarh GA Shri Inder Singh. Mohinder Singh Ss/o Shri Bhag Singh, V. Admike Teh. Mansa.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal Singla s/o Shri Asa Ram r/o Budhlada.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above, and tenant (s), if any. (Person in occupation of the property)

\*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 674 of May, 1975 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 12-2-76,  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1976

Ref. No. BTD/255/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land, situated at Sivia Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1958 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Chand s/o  
Shri Tota Ram, Shri Des Raj, Shri Walait Ram &  
Shri Braj Lal s/o Shri Phuman Mal  
r/o V. Sivia Teh Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Goel  
s/o Shri Sohan Lal,  
Smt. Kamla Gupta w/o Shri Kulwant Raj Gupta,  
r/o Modi Nagar (Local address c/o Shri  
Som Parkash s/o Shri Walait Ram Cloth Merchant,  
Sadar Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1155 of May, 1975 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1976

Ref. No. BTD/256/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land, situated at Sivia Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, name'y —  
32—476GI/75

(1) Shri Ram Chand s/o  
Shri Tota Ram, Shri Des Raj, Shri Walañti Ram &  
Shri Biraj Lal ss/o Shri Phuman Mal  
r/o V. Sivia Teh. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Som Parkash s/o  
Shri Walaiti Ram,  
Cloth Merchant, Sadar Bazar,  
Bhatinda.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), If any,  
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property,  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1153 of May, 1975 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1976

Seal -

FORM ITNS—

(1) Sbri K Venkateswarlu,  
S/o Venkataramaiah,  
Jallikakinada,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Ponnaganti Adilaxmi,  
W/o Venkataramaiah,  
Darsiparru.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette;Ref. No. Acq. File No. 312/J. No. I(96)WG/75-76.—  
Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos.

101/6; 104; 106 and 222/2 Pamulaparru Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
UNDI on 15-8-1976(for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'said  
Act' shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act'  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);The schedule property as per document No. 1464/75 of  
the S.R.O., Undi during the fortnight ended on 15-8-75.

B. V. SUBBA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following  
persons, namely :—

Date : 7-2-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Kotcherla Raja Rao and Others, Guntur.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dr. S. V. Ramana Represented by the General  
Power attorney holder Sri K. Nagi Reddy, Guntur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.  
KAKINADA

Kakinada, the 9th February 1976

Ref. No. AcqFile No. 314/J. No. 1 (122)/ GTR.—  
Whereas, I, B. V. SUBBARAObeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Door No. 5-87, 18

situated at Laxmipuram, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Guntur on 30-6-75for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-  
for by more than fifteen per cent of such apparent considera-  
tion and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of —Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'said Act',  
shall have the same meaning as given in  
Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-  
Tax Act, 1957 (27 of 1957).The schedule property as per document No. 2643/75 of  
the S. O. R., Guntur registered during the fortnight ended  
on 30-6-75.B. V. SUBBARAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, KakinadaNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following  
persons, namely :—

Date : 9-2-1976

Seal .

## FORM ITNS

(1) Kandru Tulasamma, Subba Rao, Guntur.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Alluri Visweswara Rao, Calcutta-73.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 9th February 1976

Ref. No. J. No. I(116)/GTR/75-76/Acq. File No. 313.—  
Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
8-8-20 situated at Nehru Nagar, GTR.  
(and more fully described  
in the Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
Guntur on 30-6-75  
for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

(a) facilitating the reduction on evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the Said  
Act in respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of the  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
'said Act', shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 2720/75 of  
the SRO, Guntur registered during the fort night ended on  
30-6-75.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 9-2-1976

Seal :